हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, मंगलवार | 25 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक : 54 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

मखाना किसानों को लीज पर जमीन देने की प्रक्रिया सरल बनेगी, सम्राट चौधरी का ऐलान

एजेंसी

पटना: बिहार में किसानों को मखाना उत्पादन और मछली पालन के लिए लीज पर जमीन देने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। सरकार इस पर गंभीरता से विचार करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भागलपुर में होने वाली किसान रैली से एक दिन पहले बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने यह ऐलान किया। उन्होंने रविवार को दरभंगा में मखाना अनुसंधान केंद्र में कार्यक्रम को संबोदित करते हुए कहा कि देश के कुल मखाना उत्पादन का 85 फीसदी हिस्सा बिहार में पैदा होता है। उन्होंने मखाना बोर्ड बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद दिया। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि मखाना बोर्ड का गठन होने से इसकी गुणवत्ता बढ़ाने और उत्पाद की दुनिया-भर में अच्छी मार्केटिंग करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय बढेगी। उन्होंने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिवराज सिंह चौहान के साथ मंच साझा करते हुए कहा कि मखाना उत्पादन और मछली पालन के लिए जमीन-तालाब लीज पर देने की प्रकिया सरल बनाने की मांग।

जंगलराज वालों को हमारी आस्था से नफरत, लालू के फालतू कुंभ बयान पर मोदी बोले- बिहार इन्हें माफ नहीं करेगा

बिहार से भी गांव गांव से श्रद्धालु एकता के महाकुंभ में आ रहे हैं लेकिन यह जंगल राज वाले महाकुंभ को ही गाली दे रहे हैं। लालू प्रसाद यादव का नाम लिए बगैर पीएम मोदी ने राजद सुप्रीमो के उस बयान पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने महाकुंभ के आयोजन को फालतू और बेकार बताया था।

एजेंसी

पटना: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान पर आयोजित जनसभा में कहा कि एनडीए सरकार भारत की गौरवशाली विरासत के संरक्षण और वैभवशाली विरासत के लिए एक साथ काम कर रही है। लेकिन ये जो जंगल राज इनको हमारी धरोहर से, हमारी आस्था से नफरत है। इस समय प्रयागराज में एकता का महाकुंभ चल रहा है। यह भारत की आस्था का, भारत की एकता और समरसता का सबसे बड़ा महोत्सव है। पूरे यूरोप की जितनी जनसंख्या है उससे भी ज्यादा लोग में महाकुंभ में डुबकी लगा चुके हैं। बिहार से भी गांव गांव से श्रद्धालु एकता के महाकुंभ में आ रहे हैं लेकिन यह जंगल राज वाले महाकुंभ को ही गाली दे रहे हैं। लालू प्रसाद यादव का नाम लिए बगैर पीएम मोदी ने राजद सुप्रीमो के उस बयान पर पलटवार किया जिसमें उन्होंने महाकुंभ के आयोजन को फालतू और बेकार बताया था।नरेंद्र मोदी ने कहा कि जंगलराज वाले महाकुंभ के बारे में भद्दी भद्दी बातें कर रहे हैं। राम मंदिर से चिढ़ने वाले लोग महाकुंभ को भी कोसने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। मैं जानता हूं महाकुंभ को गाली देने वाले ऐसे लोगों को बिहार कभी भी माफ नहीं करेगा। बिहार को समृद्धि के नए रास्ते पर ले जाने के लिए हम दिन रात ऐसे ही मेहनत करते रहेंगे। बिहार में बाढ़ से निपटने के लिए केंद्र सरकार हजारों करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट स्वीकृत किए हैं। इस वर्ष के बजट में तो पश्चिमी कोसी नहर के लिए मदद देने की घोषणा की गई है।इस परियोजना से मिथिलांचल क्षेत्र में 50000 हेक्टेयर भूमि सिंचाई के दायरे में आ जाएगी। इससे लाखों किसान परिवारों को लाभ होगा। एनडीए सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए अलग-अलग स्तर पर काम कर रही है। भारत में उत्पादन बढ़े, दलहन और तिलहन में हम आत्मनिर्भर बनें, यहां ज्यादा से ज्यादा फूड प्रोसेसिंग उद्योग लगे और किसानों के उत्पाद दुनिया भर तक पहुंचें, इसके लिए सरकार एक के बाद एक नए कदम उठा रही है।पीएम ने कहा कि देश का सपना है कि दुनिया की हर रसोई में भारत के किसान का उगाया कोई ना कोई उत्पाद होना ही चाहिए। इस वर्ष के बजट में भी इसी वीजन को आगे बढ़ाया गया है। बजट में पीएम धन-धान्य योजना की घोषणा की गई है। इसके तहत देश के 100 ऐसे जिलों की पहचान की जाएगी जहां जहां सबसे कम फसल उत्पादन होता है। ऐसे जिलों में खेती को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।पीएम ने कहा कि आज का दिन एक और वजह से बहुत खास है। सरकार ने देश में 10000 किसान उत्पादक संघ बनाने का लक्ष्य रखा है। देश ने इस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। आज बिहार की भूमि के साक्षी बन रही है। मक्का केला और धन पर काम करने वाले एफपीओ का रजिस्ट्रेशन खगड़िया जिले में हुआ है जो 10हजारवां है।उन्होंने आरोप लगाया कि भागलपुर में विक्रमशिला विश्वविद्यालय के लिए एक ईंट तक नहीं लगाई गई है। यूपीए सरकार द्वारा 2013 में साइन किया गया बक्सर थर्मल पावर प्लांट का एमओयू भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। बिहार की टेक्स्टाइल इंडस्ट्री, मंजूषा पेंटिंग्स, भगवान महावीर की जन्मस्थली सरकारी उपेक्षा का शिकार हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि बिहार को अभी तक विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला, जबकि पीएम मोदी ने खुद 2014 में चुनाव प्रचार के दौरान इसका वादा किया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिन बिहार में रहेंगी, पटना एयरपोर्ट से जेपी गंगा पथ तक सुरक्षा सख्त

एजेंसी

पटना: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर बिहार दौरे पर मंगलवार को पटना पहुंच रही हैं। पटना में एयरपोर्ट से लेकर जेपी गंगा पथ तक सुरक्षा सख्त कर दी गई है। राष्ट्रपति पटना मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी। यह कार्यक्रम बापू सभागार में होना है। उनका रात्रि विश्राम पटना में ही होगा, इसके बाद बुधवार को वे सुबह वापस दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगी। पीएमसीएच के कार्यक्रम में हिस्सा लेने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा भी बिहार पहुंच गए हैं।जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार सुबह 11.30 बजे पटना एयरपोर्ट पर पहुंचेंगी। वहां से सड़क मार्ग से गांधी मैदान स्थित बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। पटना में रात्रि विश्राम के बाद राष्ट्रपति बुधवार की सुबह 9 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी। अधिकारियों के मुताबिक सुबह 11 बजे एयरपोर्ट के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। राष्ट्रपति के पटना आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी अधिकारियों को अलर्ट पर रखा है। बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू लगभग एक घंटे तक रहेंगी। इसके बाद राजभवन जाएंगी। अधिकारियों के मुताबिक पटना साहिब स्थित तख्त श्री हरिमंदिरजी में भी उनके जाने का कार्यक्रम संभावित है। इसके मद्देनजर वहां भी तैयारी की गई है। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से शहर के अलग-अलग जगहों पर 40 दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। एयरपोर्ट से गांधी मैदान, अटल पथ, जेपी गंगा पथ पर कड़ी सुरक्षा रहेगी। सोमवार की दोपहर उनके कारकेड का पूर्वाभ्यास भी किया गया।

पीएम के झूठ का पैमाना होता तो टूट कर चूर-चूर हो जाता, लालू यादव का मोदी पर हमला

एजेंसी

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे को लेकर तंज किया। उन्होंने सोमवार को कहा कि पीएम के झूठ मापने का कोई पैमाना होता तो वह टूट कर चूर-चूर हो जाता। सोमवार को प्रधानमंत्री के बिहार से वापसी के बाद सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट के साथ ही लालू ने 57 सेकंड का वीडियो भी अपलोड किया। इसमें पीएम मोदी के भाषण के अंशों को झूठा बताया गया।बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने इसके पूर्व एक अन्य पोस्ट में आरोप लगाया कि चुनावी साल है इसलिए लोगों को भ्रमित करने के लिए केंद्र की देशभर की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन अब दिखावटी रूप में बिहार से होगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की रैली से बिहार को कुछ नहीं मिलेगा, न ये देंगे। सिर्फ झूठ की बरसात होगी।लालू के बेटे एवं बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी पीएम मोदी के पुराने भाषणों का यही वीडियो अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर निशाना साधा।

पटना में पहले 8 घंटे बिजली ही आती थी, पीएम की रैली में नीतीश ने याद दिलाए लालू राज के दिन

एजेंसी

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार के भागलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की किसान जनसभा को संबोधित करते हुए एक बार फिर आरजेडी शासनकाल के दिनों की याद दिलाई। उन्होंने लालू एवं राबड़ी देवी के राज को याद दिलाते हुए कहा कि हमारे सरकार में आने से पहले बिहार का बहुत बुरा हाल था। सड़क और बिजली की व्यवस्था बहुत खराब थी। राजधानी पटना में उस समय मात्र 8 घंटे बिजली आती थी, गांवों की तो हालत और खराब थी। सीएम ने दावा किया कि एनडीए सरकार बनने के बाद बिहार में सड़क, शिक्षा, बिजली, पानी के क्षेत्र में काफी काम हुआ है।भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान में सोमवार को मंच से संबोधित करते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हम लोगों के बीच आए हैं, हमारे लिए सौभाग्य की बात है। बिहार से देशभर के किसानों के खाते में सम्मान निधि की राशि भेजी जा रही है। सीएम नीतीश ने कहा कि बिहार में हमने शुरू से कृषि पर जोर दिया गया है। कृषि रोडमैप बनाकर विकास कार्यक्रम चलाए गए। अभी चौथे कृषि रोडमैप पर काम चल रहा है। रोडमैप लागू होने से कृषि उत्पादन बढ़ा है। दूध, अंडा, मांस-मछली उत्पादन भी बहुत बढ़ गया है। पहले हम मछली दूसरे राज्यों से मंगाते थे। अब इस मामले में हम आत्मनिर्भर हो गए हैं।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकास हो रहा है। बिहार के विकास के लिए भी सहयोग मिल रहे हैं। पिछली बार के केंद्रीय बजट में आर्थिक सहायता के रूप में उद्योग, सड़क, बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि की घोषणा की गई। इस साल के बजट में भी मखाना बोर्ड, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता, राष्ट्रीय स्तर के खाद्य प्रसंस्करण संस्थान की स्थापना की घोषणा की गई। इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देते हैं।

विपक्ष में जाते ही जनता की चिंता क्यों, चिराग ने तेजस्वी को दिया मुंहतोड़ जवाब; लालू राज की याद दिलाई

एजेंसी

पटना: पीएम नरेंद्र मोदी की भागलपुर जनसभा पर राजद सप्रीमो लालू यादव और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से हमला किया है। इस पर सत्ता पक्ष ने राजद नेताओं को मुंहतोड़ जवाब दिया है। जदयू, बीजेपी, हम के बाद लोजपा रामविलास ने विपक्ष पर पलटवार किया है। लोजपा आर के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान नें तेजस्वी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा है कि जब सत्ता में रहते हैं तो बेफिक्र हो जाते हैं और विपक्ष में जाते हीं जनता की चिंता बढ़ जाती है। केंद्रीय मत्री ने नेता प्रतिपक्ष को लालू राबड़ी राज की भी याद दिलाई।पटना में पत्रकारों से बात करते हुए चिराग पासवान ने पीएम मोदी पर टिप्पणी करने के लिए तेजस्वी यादव को आईना दिखाया। कहा कि ये लोग जनता के हितैषी नहीं है। जब सत्ता से बेदखल होकर विपक्ष में जाते हैं तब इनको इतनी चिंता काहे के लिए हो जाती है प्रभु? जब सत्ता में रहते हैं तो इनको चिंता क्यों नहीं होती है? बिहार की सत्ता में 15 सालों तक बैक टू बैक कौन था जिसके कारण बिहार से भारी पलायन हुआ? इन्हीं लोगों के कारण बिहार में शासन को जंगलराज कहा गया। आज की तारीख में देश का विश्वास प्रधानमंत्री को प्राप्त है और वादा पूरा करने की गारंटी सिर्फ नरेंद्र मोदी देते हैं।

पीएम मोदी गए, जेपी नड्डा बिहार आए; भाजपा अध्यक्ष पीएमसीएच के समारोह में करेंगे शिरकत

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को भागलपुर में किसान जनसभा को संबोधित करने के बाद पूर्णिया एयरपोर्ट से असम रवाना हो गए। इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा बिहार पहुंच गए। सोमवार शाम में वे विशेष विमान से गया पहुंचे। यहां गया के दोनों भाजपा जिलाध्यक्ष एवं पार्टी के अन्य नेताओं ने स्वागत किया। गया में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद नड्डा रात में पटना पहुंचेंगे।जेपी नड्डा सोमवार को दो दिवसीय बिहार दौरे पर गया पहुंचे। गया में वे एक शादी समारोह में शामिल होने आए। रात में पटना में वे रात्रि विश्राम करेंगे। पटना में वे बिहार बीजेपी के नेताओं के साथ बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा भी कर सकते हैं।नड्डा मंगलवार को पटना स्थित पीएमसीएच के शताब्दी दिवस समारोह में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु के साथ बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।बता दें कि चुनावी साल में बिहार में राष्ट्रीय नेताओं के लगातार दौरे हो रहे हैं। जेपी नड्डा के आगमन से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार दोपहर में भागलपुर के हवाई अड्डा मैदान में किसान रैली को संबोधित किया। पीएम मोदी ने भागलपुर से सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी कर देशभर के 9 करोड़ किसानों के खातों में 2200 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि भेजी।

किसानों की आय दोगुनी क्यों नहीं हुई, बेरोजगारी में बिहार अव्वल क्यों?

पीएम मोदी के दौरे पर तेजस्वी के तीखे सवाल

एजेंसी

पटना: देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को भागलपुर जिले में होंगे और वो यहां देश के किसानों को कई सौगातें देंगे। प्रधानमंत्री मोदी पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी करने जा रहे हैं। अकेले इस किस्त में 9.8 करोड़ किसानों के खाते में 22 हजार करोड़ की राशि हस्तांतरित की जाएगी। पीएम मोदी के बिहार दौरे पर अब तक कई प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अब बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी के दौरे पर निशाना साधा है। तेजस्वी यादव ने किसानों को लेकर तीखे सवाल पूछे हैं।राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी आज बिहार में है। प्रदेश में वर्षों से उनकी सरकार और केंद्र में वर्षों से है। बिहारवासी उनसे झूठ और जुमला नहीं बल्कि कुछ वाज़िब सवाल पूछना चाहते है।सर्वविदित है कि चुनावी वर्ष में आगामी कुछ महीनों तक आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी को बिहार और बिहारियों की गजब चिंता सताएगी। इस वर्ष उन्हें गंगा मैया, छठी मैया, जानकी मैया, माता सीता, ब्रह्म बाबा, महादेव, सूर्य देव, महात्मा बुद्ध, गुरु गोविंद सिंह, जननायक कपूर्री ठाकुर, लिट्टी-चोखा, ठेकुआ, मखाना, आम, लिची, सिल्क उद्योग, कथित विशेष पैकेज इत्यादि सब की जुबानी याद आएगी। ऐसी याद की भाव-विभोर भी हो सकते है। वर्ष से आप प्रधानमंत्री है, प्रदेश में वर्षों से आपकी सरकार है लेकिन बिहार को कुछ भी विशेष नहीं मिला है और ना ही मिलने की उम्मीद है।

समस्या नहीं, बताओ चुनाव कैसे जीतें; बिहार के कांग्रेस नेताओं को कृष्णा अल्लावारू की दो-टूक

एजेंसी

पटना: बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने सोमवार को पटना स्थित प्रदेश पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में पटना जिले कांग्रेस के नेताओं और कार्यकताओं के साथ बैठक की। अल्लावारू ने नेताओं से कहा कि समस्या रखने की बजाय सीधे यह बताएं कि चुनाव कैसे जीत सकते हैं। करीब चार घंटे चली इस मैराथन बैठक में उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि जमीनी स्तर के नेताओं को जोड़े बिना और संगठन को जनमानस से जोड़े बगैर कोई भी जीत हासिल नहीं की जा सकती है। इन्हें ही साथ लेकर हम चुनाव लड़ और जीत सकते हैं।प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सोमवार को चार दिवसीय बिहार दौरे पर पहुंचे। उन्होंने जनसंपर्क एवं जनसंवाद को दुरुस्त करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा के साथ संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी नेताओं से जानकारी ली। कांग्रेस के भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी उन्होंने विस्तार से चर्चा की। अल्लावारू ने कांग्रेस नेताओं से कहा कि समस्या रखने की जगह यह बताएं कि चुनाव में पार्टी की जीत कैसे होगी।अल्लावारू ने जमीनी स्तर के कांग्रेस कार्यकताओं के साथ ग्रामीण स्तर पर जन-अभियान की रूपरेखा तैयार करने के लिए जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष से लेकर विधायक, पूर्व प्रत्याशी से उनके सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि नेताओं से मिले फीडबैक के आधार पर प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग से विचार मंथन किया गया। बैठक में पटना में उपलब्ध पार्टी विधायकों एवं पूर्व विधायकों के साथ अलग से विचार-विमर्श कर चुनावी जंग के लिए रणनीति के निर्धारण की दिशा विश्लेषण किया गया।बैठक का संचालन महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष शशि रंजन ने किया। बैठक में पटना महानगर, पटना ग्रामीण-1 एवं पटना ग्रामीण-2 के अधीन आने वाले वर्तमान एवं पूर्व के सभी जनप्रतिनिधियों के अलावा जिलाध्यक्ष, एआईसीसी सदस्य, प्रदेश डेलिगेट उपस्थित रहे। इस दौरान श्याम सुन्दर सिंह धीरज, प्रेमचन्द्र मिश्र, लाल बाबू लाल, संजीव प्रसाद टोनी, ब्रजेश प्रसाद मुनन, कपिलदेव यादव, ज्ञान रंजन, कुमार आशीष, आशुतोष शर्मा, सत्येन्द्र बहादुर, कुमार रोहित व अन्य नेता मौजूद थे।

बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने प्रदेश नेताओं को दो-टूक जवाब देते हुए कहा कि वे अपनी समस्याएं नहीं बताएं, बल्कि इस पर फोकस करें कि चुनाव कैसे जीत सकते हैं।

डा. सलीम साहिल के अध्यक्षता में अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश पदाधिकारीयों तथा जिला अध्यक्षों का बैठक हुई

अल्पसंख्यक सेल लोजपा संस्थापक स्वः रामविलास पासवान जी के सपने को साकार करने के लिए चिराग जी के हाथों को अल्पसंख्यक मजबूत करेगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज लोजपा रा प्रदेश कार्यालय एक व्हीलर रोड पटना में अल्पसंख्यक सेल प्रदेश अध्यक्ष डाः सलीम साहिल के अध्यक्षता में अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश पदाधिकारीयों तथा जिला अध्यक्षों का बैठक हुई। कार्यक्रम की संचालन अल्पसंख्यक सेल के प्रधान महासचिव मोतिउल्लाह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी भी मौजूद रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुए राजू तिवारी ने कहा कि अल्पसंख्यक सेल कि आज की बैठक में उपस्थिति यह दशार्ता है कि अल्पसंख्यक सेल लोजपा संस्थापक स्वः रामविलास पासवान जी के सपने को साकार करने के लिए चिराग जी के हाथों को अल्पसंख्यक मजबूत करेगा। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने मुजफ्फरपुर निवासी गुलाम गौस उर्फ राजा तथा गया के ताहिर हुसैन तथा किशनगंज के अहमद रजा को पार्टी की सदस्यता भी दिलाई।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डाः शाहनवाज अहमद कैफी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अल्पसंख्यक सेल पार्टी के संगठन को गांव के पगडंडी तक पहुंचाने का काम करेगा और अपने पार्टी के बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट विजन डॉक्यूमेंट को अल्पसंख्यकों के बीच रखते हुए अपने नेता चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करेगा।

अल्पसंख्यक सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष सैयद सरवर अली ने बड़े माला से पार्टी के नेताओं का स्वागत किया।पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान, पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, प्रदेश चुनाव अभियान प्रमुख सुरेंद्र विवेक ,नौशाद आलम, इंतखाब आलम, प्रदेश महासचिव मोः कलामुद्दीन, अल्पसंख्यक सेल प्रदेश उपाध्यक्ष मोः कामरान खान, शमशाद अहमद, जीशान अहमद खान, इफ्तिखार अंसारी, नौशाद आलम, मोः ईशा, अकबर उर्फ अनवर नफीस अंसारी मौजूद थे।

जमीनी नेताओं से मिलकर कांग्रेस प्रभारी ने किया चुनावी रणनीति पर मंथन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 24 फरवरी 2025बिहार के नवनियुक्त प्रभारी कृष्णा अल्लावारू सोमवार अपने चार दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे। पार्टी मुख्यालय सदाकत आश्रम में पटना जिला के तमाम नेताओं और कार्यकताओं के साथ घण्टो बैठक की। बैठक का दो एजेंडा था- जनसंपर्क एवं जनसंवाद को दुरूस्त करने के लिए उठाये जाने वाले कदमों पर परिचर्चा एवं संगठन को सुदृढ़ करने के तरीकों पर विचार। बैठक में इस दिशा में अपनाये जाने वाले भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। बिहार के राष्ट्रीय प्रभारी ने जमीनी स्तर के पार्टी कार्यकताओं को सेतू बनाकर संगठन को जनमानस से जोड़कर लड़ने का आह्वान किया और चुनावी जीत का फामूर्ला दिया, ह्वलड़ेंगे और जीतेंगेह्व। प्रभारी अल्लावारू ने जमीनी स्तर के कांग्रेसजनों के साथ ग्रामीण स्तर पर जन-अभियान की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रखंड अध्यक्ष से लेकर जिलाध्यक्ष, विधायक, पूर्व प्रत्याशी आदि से सुझाव मांगे एवं संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर विचार मंथन किया। इसके बाद इन नेताओं से मिले फीडबैक के आधार पर प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग से विचार मंथन किया गया। इसके अलावा पटना में उपलब्ध पार्टी विधायकों एवं पूर्व विधायकों के साथ अलग से विचार-विमर्श कर चुनावी जंग के लिए रणनीति के निर्धारण की दिशा विश्लेषण किया गया। आज के इस बैठक में पटना महानगर, पटना ग्रामीण-1 एवं पटना ग्रामीण-2 के अधीन आने वाले वर्तमान एवं पूर्व के सभी जन प्रतिनिधि के अलावा जिलाध्यक्ष, एआईसीसी सदस्य, प्रदेश डेलिगेट, प्रत्याशीगण, प्रखंड अध्यक्ष आदि लोगों के साथ मैराथन मीटिंग का दौर शुरू हुआ। जमिनी हकीकत जानने के बाद प्रदेश प्रभारी ने प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ उसका विश्लेषण और उसपर मंथन किया। आज की बैठक का संचालन पटना महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष शशि रंजन ने किया। बैठक में श्याम सुन्दर सिंह धीरज, प्रेमचन्द्र मिश्र, लाल बाबू लाल, संजीव प्रसाद टोनी, ब्रजेश प्रसाद मुनन, कपिलदेव यादव, अनिल कुमार, प्रवीण कुशवाहा, राजकुमार राजन, सुमित कुमार सन्नी, रघुनंदन पासवान, कुमार आशीष, राजेश कुमार सिन्हा, गुरूजीत सिंह, चंदन सिंह, आशुतोष शर्मा, रामायण यादव, सत्येन्द्र बहादुर, कुमार कुमार रोहित, असफर अहमद, मनोज मेहता, अशोक गगन, सुधीर शर्मा, सत्येन्द्र यादव, राजनन्दन कुमार, वरूण शर्मा,मुकुल यादव, परवेज अहमद, राजीव मेहता, दुर्गा प्रसाद, वसी अख्तर, कुमार संजीत सहित सभी प्रखंड अध्यक्ष, एआईसीसी डेलीगेट, प्रदेश डेलीगेट मौजूद रहे।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी नगर निकायों के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी नगर निकायों के कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई आयोजित।

नल-जल योजना की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी नगर निकाय अक्रियाशील योजनाओं को अविलंब क्रियाशील कर रिपोर्ट करे।

सभी छूटे हुए घरों को भी नल-जल योजना से आच्छादित करने का दिया निर्देश।

नल- जल योजना से संबंधित प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेकर उसका त्वरित निष्पादन करने का दिया निर्देश।

सभी नगर निकाय छत वर्षा जल संचयन को निजी घरों में भी प्रोत्साहित करें-जिलाधिकारी

शहरी भूमिहीन पात्र परिवारों के लिए नगर निकाय क्षेत्रों में मल्टी स्टोरी भवन निर्माण हेतु सभी नगरनिकायों के पदाधिकारियों को भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव भेजने का दिया निर्देश।

सभी नगर निकायों में चल रही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी सहजता के साथ आम जनता तक पहुंचे इसे हर हाल में सुनिश्चित करें। -* जिलाधिकारी

मधुबनी 24 फरवरी 2024जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सभी नगर निकायों के कार्यों एवं योजनाओं की समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित हुई।जिलाधिकारी ने नगर निगम मधुबनी सहित विभिन्न नगर पंचायत एवं नगर परिषदों में चल रही नल-जल योजना की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी अक्रियाशील योजनाओं को अविलंब क्रियाशील करे। उन्होंने कहा कि सभी छूटे हुए घरों को भी नल-जल योजना से आच्छादित करे। उन्होंने सभी नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि नल- जल योजना से संबंधित प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेकर उसका त्वरित निष्पादन करे,साथ ही इस संबंध में जिला मुख्यालय में नियमित प्रतिवेदन भेजे ताकि बैठक में इसकी अच्छी तरह से समीक्षा हो सके। जिलाधिकारी ने जयनगर के नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को उनके द्वारा स्पष्ट प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं कराने के कारण उनसे स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी सभी नगर निकायों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी वार्डो में नली-गली योजना को तेजी के साथ क्रियान्वित कर ससमय पूर्ण करें। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्व निधि योजना के समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि हर हाल में प्रतिमाह प्रगति देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के आलोक में तेजी से निष्पादन करे। उन्होंने कहा कि बैंक के साथ बैठक करें और सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन करें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निकायों में चल रही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी सहजता के साथ आम जनता तक पहुंचे,इसे हर हाल में सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में शहरी भूमिहीन पात्र परिवारों के लिए नगर निकाय क्षेत्रों में मल्टी स्टोरी भवन निर्माण को लेकर उपस्थित सभी नगरनिकायों के पदाधिकारियों को भूमि चिन्हित कर शीघ्र प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया।उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मधुबनी नगर निगम सहित सभी नगर निकाय अधिक से अधिक सोख्ता निर्माण के साथ-साथ निजी मकानों में भी रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम को प्रोत्साहित करें,ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल संचयन किया जा सके।उन्होंने कहा कि पिछले गर्मी के मौसम में नगर निगम के कई वार्डो में जलस्तर काफी नीचे चला गया था,ऐसी स्थिति में हमे अधिक से अधिक वर्षा जल का संचयन करना ही होगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी नगर निकायों में जल जीवन हरियाली अभियान के तहत चल रही योजनाओं को ससमय पूर्ण करें।उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय छत वर्षा जल संचयन को निजी घरों में भी प्रोत्साहित करें। इसको लेकर सभी नगर निकाय आम जनों के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संरक्षण को लेकर सभी नगर निकाय लगातार अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करें।। इसको लेकर सभी नगर निकाय आम जनों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्व निधि योजना के समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि हर हाल में प्रतिमाह प्रगति देखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्राप्त आवेदनों के आलोक में तेजी से निष्पादन करे। उन्होंने कहा कि बैंक के साथ बैठक करें और सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन करें। जिलाधिकारी ने कहा कि नगर निकायों में चल रही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पूरी सहजता के साथ आम जनता तक पहुंचे इसे हर हाल में सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हर हाल में मासिक बैठक में सभी नगर निकायों के कार्यों में प्रगति देखनी चाहिए अन्यथा जवाबदेही तय करवाई सुनिश्चित की जाएगी।

दिन में लाईट बंद कर बिजली बबार्दी रोके नगर परिषद- सुरेंद्र

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर/समस्तीपुरः - - 24 फरवरी 2025 बिजली के खंभे पर लाईट लगाकर ताजपुर को गुलजार करने का दंभ भरने वाला ताजपुर नगर परिषद को दिन में लाईट को बंद कर बिजली की बबार्दी रोकने की भी व्यवस्था करना चाहिए।

उक्त बातें भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि बाजार क्षेत्र के नीमचौक स्थित हाईमास्ट लाईट एवं पोल पर लगाया गया लाईट सोमवार को दिन में जलते देखा गया। स्थानीय लोगों से पूछने पर बताया गया कि यह लाईट प्रायः दिन में भी जलता रहता है। लोगों ने कहा है कि घटिया स्तर का लाईट लगाया गया है। इसमें से कुछ का सेंसर तो लगते ही खराब होने की जानकारी मिल रही है फलस्वरूप दिन में भी लाईट जलता रहता है। भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने दिन में लाईट जलने से बिजली की हो रही बबार्दी एवं जिम्मेदार विभाग एवं कर्मी की निष्क्रियता की जांच कर कारवाई करने की मांग की है।

मोदी की बातें यानी फरेब की नई पैकेजिंग, झूठ का नया किस्त - डा0 अखिलेश सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 24 फरवरी, 2025

बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भागलपुर में दिये गये भाषण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी की बातें मतलब फरेब की नई पैकेजिंग, और झूठ का नया किस्त। मोदी जुमलेबाज हैं इनकी बातें झूठ का पुलिंदा होती है और लोगों को इससे हैरानी भी नहीं होती।

मोदी पर हमलावर डा0 सिंह ने कहा कि पिछले 10 वर्षों से मोदी के राज्यवार दौरे का गहराई से विश्लेषण करने के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि वो झूठ की दुकान चलाते हैं और किस्तों में उसका सप्लाई करते हैं। बिहार मोदी के इसी फरेब का शिकार रहा है। मोदी-नीतीश की जुगलबंदी बिहार के लिए आपदा साबित हुई है। उनके वादा और वादाखिलाफी का फेहरिस्त लम्बा है जिसको गिनाने में कई दिन लग जायेंगे। उदाहरण के लिए प्रधानमंत्री ने 18 अगस्त 2015 को पूर्णिया में एयरपोर्ट बनाने का वादा किया था। लोग आज तक एयरपोर्ट का मुँह नहीं देखे। इसी तरह 2019 की एक रैली में मोदी ने मुजफ्फरपुर के पताही एयरपोर्ट को चालू करने का आश्वासन दिया था। 2023 में गृह मंत्री अमित शाह ने भी पताही एयरपोर्ट को शुरू करने का संकल्प दोहराया था।

उसी तरह 2015 में बिहार की जनता से 1.25 लाख करोड़ के पैकेज का बड़ा वादा किया था। जबकि नीतीश ने रहस्योदघाटन किया कि मात्र 17 हजार करोड़ ही मिले।

अब सड़क परिवहन और राजमार्ग की बात करते हैं मंत्रालय की जानकारी के अनुसारए 44 नियोजित राष्ट्रीय राजमार्गों में से 27 अभी भी अधूरे हैंए जबकि बाकी 17 के लिए अब तक डीपीआर तक तैयार नहीं हुआ है।

इसके अलावा भागलपुर के विक्रमशिला में केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए एक ईंट तक नहीं रखी गई। 2013 में साइन किया गया बक्सर थर्मल पावर प्लांट का एमओयू का क्या हुआ आज तक पता नहीं।

नुक्कड़ सभा कर 2 मार्च को पटना महाजुटान रैली में भागीदारी का आह्वान

2 मार्च को पटना महाजुटान रैली में ताजपुर से होगी बड़ी भागीदारी - सुरेंद्र

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- दिल्ली-झारखंड की तरह बिहार में भी फ्री बिजली-पानी, पेंशन में बढ़ोतरी, महिला के खाते में नगद राशि आदि लाभ मिले- आसिफ होदा

ताजपुर/समस्तीपुर : - - 24 फरवरी 2025 2 मार्च को भाकपा माले द्वारा पटना के गांधी मैदान में आयोजित बदलो बिहार महाजुटान रैली में अपने हक-अधिकारों की मांग को लेकर बड़ी संख्या में भाग लेंगे ताजपुर वासी।

उक्त आशय का जानकारी देते हुए सोमवार को नगर परिषद एवं प्रखंड क्षेत्र के सरसौना, मुर्गियाचक, बहादुरनगर, रहीमाबाद, चित्रसेन पोखर समेत विभिन्न चौक-चौराहे पर जनसंपर्क सह नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले प्रखंड कमिटी के सदस्य आसिफ होदा, प्रभात रंजन गुप्ता, मो० एजाज, मो० कादीर, ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, राजदेव प्रसाद सिंह, आदि ने सभा को संबोधित करते हुए कहा।

नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि बिहार में वृद्धावस्था, मोसमाती एवं दिव्यांग पेंशन 3 हजार रूपए करने, राशन के चावल-गेहूं के साथ दाल, तेल, चीनी आदि देने, स्कीम वर्कर्स को राज्य कर्मी का दर्जा देने, रसोई गैस की कीमत 5 सौ रुपए करने, सभी गरीबों को 72 हजार रुपए से कम का आय प्रमाण-पत्र बनाने एवं मुख्यमंत्री लघु उद्यमी योजना का 2-2 लाख रुपए देने, भूमिहीनों को वासभूमि एवं आवास देने, खाली पदों पर बहाली करने समेत अन्य मांगों को लेकर 2 मार्च को पटना के गांधी मैदान में भाकपा-माले के बदलो बिहार महाजुटान रैली को बड़ी भागीदारी से सफल बनाने की अपील ताजपुर वासियों से की।

मशरक में शिव मंदिर और राम-जानकी प्रतिमा के स्थापना पर भव्य कलशयात्रा

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज कुमार सिंह

मशरक,, मशरक के हरपुरजान अगुआन बाड़ी में शिव मंदिर में उपरे तल्ले पर राम जानकी की प्रतिमा स्थापित करने को दो दिवसीय अखंड अष्टयाम को भव्य कलशयात्रा निकाली गई जो मंदिर परिसर से निकल गांव का भ्रमण करते हुए मंदिर परिसर पहुंची जहां दो दिवसीय अखंड अष्टयाम का शुभारंभ किया गया। मौके पर बीडीसी किमी देवी ने बताया कि शिव मंदिर परिसर में राम-जानकी की प्रतिमा स्थापित करने को पूजा-अर्चना की जा रही है। मौके पर ग्रामीणों में संजीव तिवारी,बीडीसी किमी देवी, हरेंद्र मिश्रा, चंदन मिश्रा, विपिन मिश्रा, राजकिशोर मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहें। वहीं मशरक के पदुमपुर गांव में शिव मंदिर में शिव लिंग स्थापित करने को 4 दिवसीय महायज्ञ का भव्य कलशयात्रा से शुभारंभ किया गया। कलशयात्रा यात्रा में राजकिशोर सिंह, अनिल सिंह,उदय सिंह,विपुल मिश्रा,राजू सिंह, बच्चा सिंह,मनीष यादव समेत अन्य महिला पुरूष ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीण राजकिशोर सिंह ने बताया कि शिव मंदिर में शिव प्राण प्रतिष्ठा एवं दो दिवसीय अखंड अष्टयाम का आयोजन किया गया है। 4 दिवसीय महायज्ञ का सोमवार से कलशयात्रा से शुभारंभ किया गया,25 फरवरी दिन मंगलवार को शिव प्राण प्रतिष्ठा और 26 फरवरी दिन बुधवार को दो दिवसीय अखंड अष्टयाम का शुभारंभ किया जाएगा वहीं 27 फरवरी दिन गुरुवार को महायज्ञ का हवन पूजन से समापन किया जाएगा।

शहर के बहुरिया पैलेस में त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा, 24 फरवरी।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में छपरा शहर के बहुरिया कोठी परिसर स्थित सभागार में 89वां त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन छपरा नगर निगम के महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता, उप महापौर रागिनी कुमारी, जेल अधीक्षक राधे श्याम सुमन, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ रवि रंजन रस्तोगी, शिक्षिका डॉ अंजलि सिंह, रालोसपा नेता ओमप्रकाश कुशवाहा, बीके अनामिका दीदी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। बीके ऋषिका बहन ने स्वागत गीत एवं सत्यम शिवम सुंदरम तो एकता बहन ने ॐ नमो नमः पर भाव नृत्य प्रस्तुत कर सबको भावविभोर कर दिया।

मौके पर बीके अनामिका बहन ने कहा कि सृष्टि चक्र में यह स्वर्णिम अवसर केवल एक ही बार प्राप्त होता है. इस वास्तविकता की अनुभूति के लिए स्थानीय सेवा केंद्र पर या पीस ऑफ माइंड चैनल पर इसकी जानकारी ले सकते है। वर्तमान समय पर्यावरण आणविक बम अस्त्र शस्त्रों के संग्रह का सूचक और इसका परिणाम जनसंख्या में अतिवृद्धि नैतिक मूल्य में हर चरित्र गिरावट किस स्थिति पर संकट का सूचक दिखाई दे रहा है। इससे एक परमात्मा ही बचा सकते हैं और वह है एकमात्र ज्योतिपुंज शिव बाबा जिनका अवतरण होना है सृष्टि चक्र के अंत में यह समय सतयुगी दुनिया की ओर चलने का इशारा कर रहा है और इस समय जरूरत है भगवान के कर्तव्य में मददगार बनने की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमहापौर रागिनी कुमारी ने कहा कि शिवरात्रि का त्योंहार सभी त्योहारों में खास होता है। यह हिंदी वर्ष के आखिरी में मनाया जाने वाला त्योहार है। इसे आध्यात्मिक रूप से शिव जयंती भी कहा जाता है यह बताता है कि सृष्टि चक्र के आखिरी समय में परमपिता परमात्मा भोलेनाथ शिव बाबा का इस धरा पर दिव्य अवतरण होता है। जिससे पूरा जगत अंधकार रूपी शरीर को छोड़ कर शिव की शरण में चला जाता है और शिवरूपी ज्योतिपुंज में समाहित होकर शांति को प्राप्त करता है।शिव जयंती की खुशखबरी एवं आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए महापौर लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय परमपिता परमात्मा शिव का है जो इस धरा पर अवतरित होकर नए सतयुगी विश्व की स्थापना करने के लिए पुराने कलयुगी विश्व के परिवर्तन का दिव्य कार्य कर रहे हैं। शीघ्र ही प्राकृतिक आपदाओं और मानव द्वारा तैयार परमाणु बम द्वारा इस दुखदाई दुनिया में वैश्विक महामारी और फिर विनाश के पश्चात पुनः सतयुगी सृष्टि की स्थापना होगी। जहां किसी प्रकार का कलह क्लेश दुःख अंशाति का नाम निशान नहीं होगा। देवी देवताओं की उस पवन दुनिया की स्थापना का कार्य इस कल्याणकारी पुरुषोत्तम संगम युग पर स्वयं निराकार परम पिता परमात्मा ने सरकार मध्य प्रजापिता ब्रह्मा वत्सो के द्वारा करवा रहे हैं.डॉ रवि रंजन रस्तोगी ने शिव जयंती के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि यह पर्व सभी मनोकामनायें पूर्ण करने की सौगात देता है।ब्रह्मकुमारी संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्य सृष्टि चक्र के लिए आवश्यक हैं। सृष्टि चक्र के परिवर्तन के साथ परमपिता परमात्मा शिव के दिव्य अवतरण से हमारे भाग्य का दरवाजा खुल जाता है और ऐसे समय में हम सभी को शिव की आराधना करनी चाहिए।

समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में राजस्व संग्रहण सह आंतरिक संसाधन की समीक्षा बैठक

प्रखण्ड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में राजस्व संग्रहण सह आंतरिक संसाधन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई । बैठक में उपस्थित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को डीएम ने निर्देश दिया कि अभियान चलाकर लक्ष्य के अनुरूप हर हाल में ससमय राजस्व की वसूली करना सुनिश्चित करें। समीक्षा के क्रम में वाणिज्य कर विभाग, निबंधन विभाग, परिवहन विभाग का राजस्व संग्रहण में प्रदर्शन अच्छा पाया गया वहीं खनन, विद्युत, नगर निगम मधुबनी, राष्ट्रीय बचत आदि का राजस्व संग्रहण संतोषजनक नहीं पाया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि इस वित्तीय वर्ष के निर्धारित लक्ष्य को सभी संबंधित विभाग हर हाल में ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करें।उन्होंने बैठक में उपस्थित । उन्होंने बैठक में उपस्थित कार्यपालक अभियंता विद्युत मधुबनी, जयनगर एवं झंझारपुर विद्युत डिविजन को निर्देश दिया कि प्रत्येक मंगलवार की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित बैठक में अनिवार्य रूप से भाग ले।जिलाधिकारी ने सभी नगर निकायों को निर्देश दिया कि। राजस्व संग्रहण में तेजी लाते हुए निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करे। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता शैलेश कुमार,नगर आयुक्त अनिल चौधरी,प्रभारी डीडीसी नीरज कुमार, डीपीआरओ परिमल कुमार,प्रभारी पदाधिकारी राजस्व नसीम कुमार निशांत सहित सभी विभागों के वरीय अधिकारी उपस्थित थे।।

कला संस्कृति एवं युवा विभाग और जिला प्रशासन मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में वसंत पंचमी महोत्सव 2025 का रंगारंग आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

कला संस्कृति एवं युवा विभाग और जिला प्रशासन मधुबनी के संयुक्त तत्वावधान में वसंत पंचमी महोत्सव 2025 का रंगारंग आयोजन नगर भवन मधुबनी में किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुभारंभ अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार,उप निर्देशक जनसंपर्क परिमल कुमार,जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी नीतीश कुमार ने संयुक्त रूप से *दीप प्रज्वलित का किया। अपर समाहर्ता संतोष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि

बसंत ऋतु साल का सबसे सुहावना एवं खूबसूरत मौसम माना जाता है।यह खुशी और आनंद का मौसम है,क्योंकि यह पेड़,पौधों के लिए नई शुरूआत का समय है ।

कला संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा इस उत्साहपूर्ण मौसम को उत्सव के तौर पर मनाने हेतु बिहार के सभी जिलों में वर्ष 2025 से वसंत पंचमी महोत्सव का प्रारंभ किया गया है ।जिसके तहत मधुबनी जिला के चित्रकला संस्थान में राम कुमार पंडित एवं उनके सहायक द्वारा टेराकोटा वर्कशॉप लगाया गया, नगर भवन मधुबनी में जिले के विरासत के फोटोग्राफी प्रतियोगिता, सिक्की कला / उत्पाद, टेराकोटा उत्पाद, वुडन उत्पाद इत्यादि की प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन, मिथिलांचल की लोकप्रिय लोकनृत्य(चौमासा), लोकगायन (जोगिरा एवं होली गीत), शास्त्रीय गायन एवं वादन(मौसम आधारित राग) इत्यादि का आयोजन बहुत धूम धाम से किया गया।

ओवरब्रिज के पास 86 लीटर शराब के साथ दो कारोबारी गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : नगर थाना क्षेत्र के ओवरब्रिज के नीचे से एक ई-रिक्शा पर सवार दो कारोबारी को उत्पाद विभाग की टीम ने 86 लीटर अलग-अलग ब्रांड के विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों कारोबारी की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर डीह निवासी राजू कुमार और जितवारपुर निजामत निवासी विजय कुमार के रूप में की गई है। इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों कारोबारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुष्प प्रदर्शनी में पूर्वोत्तर रेलवे को सर्वाधिक पुरस्कार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा,वाराणसी 24 फरवरी,2025 ; राजकीय उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ,उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 22 से 24 फरवरी 2025 तक तीन दिवसीय पुष्प एवं शाक भाजी प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय अलंकृत उद्यान,कंपनी गार्डन,कचहरी में किया गया ' इस अवसर पर 23 फरवरी,2025 रविवार को कम्पनी गार्डेन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि महापौर(मेयर)वाराणसी श्री अशोक तिवारी के कर कमलों द्वारा पूर्वोत्तर रेलवे के 03 रनिंग शील्ड समेत 81 पुरस्कार मुख्य उद्यान निरीक्षक श्री मुकेश कुमार ने प्राप्त किया । प्रदर्शनी के कुल 159 श्रेणियों में से 102 श्रेणियों में पूर्वोत्तर रेलवे ने अपने प्रदर्श लगाये।इस प्रदर्शनी में पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल की उद्यान इकाई ने प्रदर्शनी में सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हुए अपने पिछले वर्ष के 71 पुरस्कार के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 30 प्रथम,23 द्वितीय,28 तृतीय पुरस्कार (कुल 81 पुरस्कार) सहित गमले में लगे सदाबहार पौधे ,गमले में लगे मौसमी फूल, एवं कटे फूलों की श्रेणी में 3 रनिंग शील्ड जीते । पूर्वोत्तर रेलवे,वाराणसी मंडल ने पैन्सी,गेंदा,साल्विया, डेहलिया,स्टॉक,एस्टर,साइकस,सकुलेन्ट,शताबरी , कैक्टस,स्वागत बुके ,टेबल डेकोरेशन, मनी प्लांट में प्रथम पुरस्कार,गमले में लगे बिगोनिया क्रोटन,रंगोली, पिटूनिया,तथा गुलदस्ता में द्वितीय जबकि ,बरबिना, सीनेरिया,गजेनिया,पैन्सी, में तृतीय पुरस्कार जीते।इस अवसर पर विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों समेत पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल की उद्यान इकाई के सभी सदस्य उपस्थित थे ।

इस उपलब्धि पर मंडल रेल प्रबंधक/वाराणसी श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय)श्री राकेश रंजन ने वाराणसी मंडल की उद्यान टीम, मुख्य उद्यान निरीक्षक श्री मुकेश कुमार एवं सहायक मंडल नगर इंजीनियर श्री अनिल कुमार सिंह को बधाई देने के साथ ही उद्यान इकाई के सभी कर्मचारियों के कठिन परिश्रम, लगन एवं समर्पण की हृदय से प्रशंसा की है ।

तीनों मासूम की हत्या से पहले पति-पत्नी के बीच पैसों को लेकर जमकर हुआ था विवाद, गांव में हो रही तरह-तरह की चर्चा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/चकमेहसी :- समस्तीपुर जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत मालीनगर गांव में मृतक तीनों सहोदर भाई बहन के माता-पिता में आपसी मनमुटाव चल रहा था। लोगो की माने तो चंदन ने बीते दिनों अपना पुराना ऑटो बेचा था। ऑटो बिकने से मिली राशि से पत्नी अपने मायका में पिता को कुछ राशि देकर आर्थिक मदद करना चाहती थी। लेकिन चंदन ने शनिवार को फिर से नया ऑटो खरीद कर घर लाया था। स्थानीय लोगो ने दबी जुबान बताया की घर लौटने पर शनिवार की शाम पति पत्नी में जमकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों सोने चले गए। इसी बीच देर रात तीनों बच्चा के गायब होने की बात कह महिला ने शोर मचाया। जिसके बाद रात से ही पुलिस छानबीन में जुट गई थी।चंदन ने अंतरजातीय विवाह कर सीमा को बनाया था अपनी दुल्हन

चंदन की सीमा देवी से दूसरी शादी थी। लोगो के अनुसार चंदन की पहली पत्नी उसे छोर कर चली गई। जिससे कोई बच्चे नहीं था। बाद में चंदन ने वारिसनगर के चंदौली के सीमा देवी से अंतरजातीय विवाह किया था। जिससे तीन बच्चे थे। बताया गया है की चंदन भी अक्सर नशा का सेवन करने का शिकार था।गांव में पसरा सन्नाटा, चंदन की बहन का रो-रोकर बुरा हालमालीनगर में एक ही परिवार के तीन बच्चो के गायब होने व उसके बाद शव बरामद होने की सूचना से क्षेत्र के लोगो में तरह तरह की चर्चा होते रही। घटना से गांव में मातमी सन्नाटा पसरा रहा। घटना के बाद अपने ससुराल से पहुंची चंदन की बहन मालती का रो रोकर बुरा हाल था।बच्चों के शव निकालने में मदद करने पर युवक को किया पुरस्कृतमालीनगर में तीनों बच्चे के शव को कुआं से निकालने में मालीनगर के चंदन कुमार पासवान ने पुलिस की मदद की। चंदन के साहसिक प्रयास कर तीनो बच्चे के शव को बारी बारी से बाहर निकाला। पुलिस की मदद करने के लिए युवक को थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने 2100 नगद राशि देकर पुरस्कृत किया है।

विद्यापतिनगर में चोरों ने दुकान को बनाया निशाना, नगद समेत कई सामान गायब

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/विद्यापतिनगर : समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर में चोरों ने एक दुकान को निशाना बनाया है। ठल्ल-122इ स्थित बजरंगी चौक के पास स्थित एक सुधा कॉर्नर में रविवार की देर रात चोरी की वारदात हुई। चोरों ने दुकान का ताला तोड़ करीब 20 हजार रुपए का सामान और नगद ले गए।दुकान के मालिक रिंकू कुमार साहिट पंचायत के वार्ड संख्या-14 के रहने वाले हैं। वो बजरंगी चौक पर सुधा कॉर्नर और पान की दुकान चलाते हैं। रविवार रात करीब 9 बजे वो दुकान बंद कर घर चले गए थे। सोमवार सुबह 6 बजे ग्रामीणों ने उन्हें दुकान का पल्ला खुला होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचे रिंकू कुमार ने देखा कि दुकान का पल्ला और ताला टूटा हुआ नीचे पड़ा था। दुकान से मिठाई और गल्ले में रखा कैश गायब था। घटना के संबंध में थाना अध्यक्ष फिरोज आलम ने बताया कि पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

होली से पहले उत्पाद विभाग का शराब कारोबारियों पर बड़ा एक्शन, 6 दिनों के अंदर 15 गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : होली के मद्देनजर जिले में उत्पाद विभाग के द्वारा शराब माफियाओं और तस्करों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बीते छह दिनों में उत्पाद पुलिस के इस अभियान में अलग-अलग जगहों से अवैध देशी व विदेशी शराब के साथ कारोबारियों को भी गिरफ्तार किया गया है। जिसमें कुल 84 लाख रुपए मूल्य के विदेशी शराब बरामद किए गए है।बता दें कि उत्पाद विभाग के द्वारा विशेष छापेमारी अभियान के तहत बीते 6 दिनों के अंदर अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 15 शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है जिसमें चार कारोबारी अभी भी फरार भी चल रहे हैं, जिनकी गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार शराब कारोबारियों में दस विदेशी शराब के साथ वहीं पांच देशी शराब के साथ गिरफ्तार किए गये हैं।इस पूरे अभियान को लेकर उत्पाद अधीक्षक शैलेंद्र कुमार चौधरी का बताना है कि होली पर्व को देखते हुए सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। शराब कारोबारी के चिन्हित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं अवैध रूप से निर्माण हो रहे देशी शराब भट्टी को भी ध्वस्त किया जा रहा है। इसके अलावे जहां भी सूचना मिलती है विदेशी शराब के कारोबारी व तस्कर को पकड़ा जा रहा है।इसके अलावे नेशनल हाईवे किनारे स्तिथ होटलों व ढाबों की भी निगरानी की जा रही है। इस दौरान छह दिनों के अंदर पंद्रह शराब कारोबारीयों को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही कारोबारी के साथ कई वाहनों को भी जब्त किया गया है। 70 हजार लीटर महुआ शराब के साथ शराब बनाने के उपक्रम भी बरामद किया गया है।बाइट :

होली पर्व को देखते हुए सघन अभियान चलाया जा रहा है। शराब कारोबारियों के चिन्हित जगहों पर छापेमारी की जा रही है। बीते छह दिनों के अंदर पंद्रह शराब कारोबारीयों को अवैध शराब के साथ अलग-अलग जगहों से पकड़ा गया है। यह अभियान अनवरत चलता रहता है।

महाशिवरात्रि के अवसर पर सामान्य विधि व्यवस्था बानाये रखने को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

- किसी भी सार्वजनिक अयोजन में डीजे प्रतिबंधित, इसका अनुपालन सुनिश्चित करें
- सोशल मीडिया पर 24 घंटे निगरानी, किसी भी तरह के अफवाहजनक एवं आपत्तिजनक संवाद फैलाने वालों पर होगी त्वरित कार्रवाई

महाशिवरात्रि के अवसर पर सामान्य विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर आज जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आहुत की गई।

सभी शांति समिति के सदस्यों से एक एक कर विगत अनुभवों के आधार पर महत्वपूर्ण सुझाव एवं फीडबैक लिया गया।

सभी शोभायात्रा मार्ग में बिजली के लटकते तारों को ठीक कराने एवं पर्याप्त साफ सफाई हेतु सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जुलूस मार्ग में कुछ स्थलों पर वृक्षों की टहनियों की छँटाई सुनिश्चित कराया जायेगा।

शोभायात्रा के आगे कुछ दूरी पर प्रशासन के स्तर से मोबाइल रोशनी की व्यवस्था की जायेगी। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

सभी जूलूस को प्रशासन द्वारा एस्कॉर्ट किया जायेगा। महत्वपूर्ण स्थलों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल प्रतिनियुक्त रहेंगे। यातायात व्यवस्था को बानाये रखने हेतु आवश्यक कार्रवाई का निदेश दिया गया।

शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा के दृष्टिकोण से विद्युत आपूर्ति को बंद कर दिया जाता है। जिन क्षेत्रों से शोभायात्रा गुजर जायेगी, उन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बहाल करने हेतु आवश्यक कार्रवाई का निदेश कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति को दिया गया। शोभायात्रा के सभी मार्गों का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया।

आगामी होली को लेकर सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके लिये कैम्प कोर्ट लगाकर ऐसे तत्वों के विरुद्ध बाउंड डाउन की कार्रवाई सुनिश्चित करने का स्पष्ट निदेश दिया गया। उपयुक्त मामलों में सीसीए के तहत कार्रवाई का प्रस्ताव देने को कहा गया।आसूचना संकलन हेतु तत्परता से कार्रवाई करने को कहा गया। विधि व्यवस्था को लेकर छोटी छोटी घटनाओं को भी संज्ञान में लेकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में अपर समाहर्त्ता, नगर आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, पुलिस उपाधीक्षक यातायात, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, शांति समिति के सदस्यगण तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अन्य अनुमंडल पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी आदि जुड़े थे।

गोयनका कॉलेज में एनसीसी के छात्रों को मिला शूटिंग का प्रशिक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी।शहर के श्री राधा कृष्ण गोयंका कॉलेज में ठउउ (राष्ट्रीय कैडेट कोर) के छात्रों को शूटिंग का प्रशिक्षण दिया गया।सीटीओ मो सनाउल्लाह ने बताया कि पीआई हवलदार हरिन्द्र सिंह के नेतृत्व में प्रशिक्षण दिया गया। एनसीसी के छात्रों के बीच आत्मविश्वास को बढ़ाने,टीम वर्क सिखाने और अनुशासन को मजबूत करने के उद्देश्य से छात्रों को हथियारों की जानकारी और सुरक्षा उपायों के साथ-साथ लक्ष्य साधने और सटीकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।इस दौरान छात्रों को विभिन्न प्रकार के हथियारों का उपयोग, निशाना साधने की तकनीकें और संबंधित सुरक्षा नियमों की जानकारी दी गई।प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक संजय कुमार,रंजीत कुमार,संजय सिंह,अनिल ठाकुर, ऑफिसर आदित्य आर्यन समेत दर्जनों एनसीसी के छात्र मौजूद रहे।

बैगलौर से घर आ रहा मजदूर नशा खुरानी गिरोह का हुआ शिकार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के पेट्रोल पंप के पास एक शख्स को नशा खुरानी गिरोह के शिकार हालत में अचेतावस्था में पाया गया। इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया जहां उसकी पहचान तरैया थाना क्षेत्र के छपिया बिन टोली गांव निवासी मोगल राम का 31 वर्षीय पुत्र रंजन कुमार राम के रूप में हुई। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया और सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। परिजनों ने बताया कि वह बैंगलोर में मजदूर का काम करता है वहीं से पटना होकर घर आ रहा था सुबह 4 बजें पटना से बात हुई,वहीं गांव के ही एक व्यक्ति के द्वारा मशरक के महावीर चौक अवस्थित पेट्रोल पंप पर अचेतावस्था में सोए पाए देख परिजनों को सूचना दी गई ।मौके पर पहुंचे परिजन इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराए।

तंजीम- ए- इंसाफ पटना का एक दिवसीय तीसरा जिला सम्मेलन बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ संपन्न

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना 24 फरवरी। संविधान लोकतंत्र एवं धर्मनिरपेक्षता के प्रश्न पर तंजीम- ए- इंसाफ पटना का एक दिवसीय तीसरा जिला सम्मेलन बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ संपन्न हो गया सम्मेलन का उद्घाटन पद्मश्री सिस्टर सुधा वर्गिस ने यह कहते हुए कि तंजीम- ए- इंसाफ का उद्देश्य अमन एकता एवं तालीम की रोशनी को फैलाना है । सम्मेलन की अध्यक्षता मोहम्मद जमाल शगुफ्ता राशिद एवं शौकत अली की अध्यक्षमंडली ने की सम्मेलन का शुभारंभ अमन का फाख्ता उड़ाकर " शक्ति भी शांति भी भक्तों के गीत में है - धरती के वासियों की मुक्ति प्रीत में है "के शेर के साथ किया गया सम्मेलन को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य परिषद बिहार के सचिव रामनरेश पांडे दलित मुस्लिम तहरीक के नायक डॉक्टर नूर हसन आजाद बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव वसी अख्तर ,इसकफ के अनंत शर्मा, ए० आई०एस० एफ के सुशील कुमार आदि ने भरपूर समर्थन देने का वादा तथा इसके साथ एकजुटता प्रदर्शित किया सम्मेलन में 15 सूत्री प्रस्तावना के माध्यम से मांग पत्र जिन में वक्फ संशोधन बिल को वापस लेने, प्रधानमंत्री 15 निकाती कार्यक्रम का पुनर्गठन करने संविधान की धारा 341 से धार्मिक प्रतिबंध हटाने तालीमी मरकज-टोलासेवकों को सरकारी कर्मी घोषित करने आदि के साथ साथ बौद्ध समुदाय के यहां से भेजे गए प्रस्तावना को मिलाकर 16 सूत्री मांग पत्र को सामने रखा गया जिसका सर्वसम्मति से मेज थपथपाकर जोरदार समर्थन किया गया। सम्मेलन में सवा सौ भी अधिक प्रतनिधि, दर्शक एवं अतिथि के रूप में भाग लिया जिन में

जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के स्वीकृति से पूर्व सैनिकों में हर्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले में वार मेमोरियल के प्रांगण में पूर्वसैनिक सेवा परिषद के तत्वावधान में प्रेस वार्ता कर बड़ी संख्या में जिले के पूर्व सैनिकों ने बिहार सरकार द्वारा जिला सैनिक कल्याण कार्यालय की स्थापना की स्वीकृति मिलने के उपलक्ष में सरकार को धन्यवाद ज्ञापन किया गया। तत्पश्चात पूर्व सैनिकों का शिष्टमंडल द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर हर्ष व्यक्त किया और आशा व्यक्त की गई कि भविष्य में भी राज्य सरकार और जिला प्रशासन सैनिकों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सैनिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करेंगे। उक्त वार्ता में दुर्गा प्रसाद पूर्व विधायक उजियारपुर (मुख्य मार्गदर्शक) कोमोडोर विनय कुमार विशिष्ट सेवा मेडल, उपाध्यक्ष जिला अनुश्रवण समिति(वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा) कर्नल कृष्ण कुमार झा (सेवानिवृत्त) सूबेदार हरिनंदन राय, कैप्टन शमशाद आलम, कैप्टन ललित कुमार सिंह,उमेश कुमार झा, मुरली मनोहर ठाकुर, शंकर महतो, अवधेश झा, शंभू प्रसाद झा, अभय कुमार सिंह, रामश्रेष्ठ सिंह, विजय कुमार एवं बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिक मौजूद थे।

पति ने अपने तीन संतानों की कुएं में फेंक कर हत्या को लेकर पत्नी को आरोपित किया, पत्नी गई जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के अंतर्गत चकमहेसी थाना क्षेत्र के मालीनगर वार्ड संख्या 08 के स्वर्गीय महेश्वर लाल महथा के पुत्र चंदन कुमार ने स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कहा है कि मेरे 6 वर्षीय तरुण कुमार, 4 वर्षीय पुत्री तान्या कुमारी व 02 वर्षीय तनिष्क कुमार को मेरी दूसरी पत्नी 23 फरवरी की मध्य रात्रि में बिछावन से उठाकर एक-एक कर मेरे तीनों पुत्र पुत्रीयों को घर के बगल कुएं में एक-एक कर सोए हुए अवस्था में फेंक डाला। जब मैं सोया था तो पत्नी जाकर कहीं जो तीनों बच्चे नहीं हैं। पूरे गांव में इस बात को लेकर बिजली की तरह बात फैल गई ग्रामीणों के सहयोग से चारों ओर खोज बीन किया जब पता नहीं चला तो 112 की पुलिस सूचना पर पहुंचकर तलाश शुरू कर दी।थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव पुलिस बल के साथ त्वरित कार्रवाई करते हुए पहुंचे। लगातार 6 घंटे तक लापता बच्चों को बरामद को लेकर खोज चलती रही। बाद में एक ग्रामीण ने देखा कि कुएं में एक बच्चे का हाथ दिखाई दे रहा है। ग्रामीण संतोष पासवान की मदद से कुएं से बच्चों को मृत अवस्था में निकाली गई। वरीय पुलिस पदाधिकारी एसपी अशोक कुमार मिश्रा डीएसपी विजय महतो टू पहुंचे। छानबीन के दौरान पुलिस को मेरी पत्नी ने बताया कि मैंने ही एक-एक करके बगल के कुएं में अपने सबसे पहले छोटे बच्चे को तब दूसरे को अंत में बड़े लड़के को फेंका जिससे तीनों की मौत हो गई। इसके कारण मेरे पति से बराबर झगड़ा झंझट होते रहता था। मैंने पति से पुराने टोटो बेचने के पैसे मांगे मेरे पिता को पैसे की जरूरत थी। उसने नहीं दिया, मैं आक्रोश में आकर अपने ही बच्चों की जान ले ली। पति ने बताया कि मेरी दो शादी थी पहली शादी से कोई बच्चा नहीं हुआ, वह भाग गई। मैंने अपने संबंधी में ही शादी किया था वे लोग दिल्ली रहते थे, जिनका संबंध मेरे गांव में था। मेरी दूसरी शादी अंतर जातीय विवाह हुई। उन्होंने बताया कि वारिसनगर थाना क्षेत्र के चंदौली गांव के प्रमोद दास की पुत्री के साथ-साथ 7 साल पूर्व हुई थी।पत्नी के व्यवहार को लेकर मैं बराबर अपनी सास चंदा देवी से कहता था कि यह ठीक से नहीं रहती है, लेकिन मेरे सास ससुर इसको बराबर बढ़ावा ही देते थे। मृतक बच्चों के पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने हमें सौंपा। विधिवत दाह संस्कार किया गया।इधर थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि पुलिस के पूछताछ के दौरान ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी महिला साइको है। सोमवार के अपराहण उसे जेल भेजा गया। दर्ज प्राथमिकी के आलोक में अग्रसर कार्रवाई की गई।

जदयू को विस्तारित बैठक सम्पन्न, पटेल मैदान में 27 को होगा एनडीए का कार्यकर्ता सम्मेलन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। सोमवार को लोहिया आश्रम में जनता दल यूनाइटेड की एक विस्तारित बैठक जिला अध्यक्ष डॉक्टर दुर्गेश राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष, प्रकोष्ठों के जिला अध्यक्ष, जिला पार्टी के पदाधिकारी गण, कार्यकारिणी के सदस्य गण, विधानसभा प्रभारी गण एवं पार्टी के प्रमुख साथियों को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश महासचिव सह प्रदेश पार्टी के मुख्यालय प्रभारी चंदन कुमार सिंह ने आगामी 27 फरवरी 2025 को पटेल मैदान समस्तीपुर में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए जिले के हर पंचायत से एनडीए के कार्यकताओं को पटेल मैदान में आने का निमंत्रण दिया। इस सम्मेलन में एनडीए के सभी घटक दल के प्रदेश अध्यक्ष एवं इस जिले से एनडीए के सभी सांसद, विधायक, पूर्व विधायक एवं एनडीए के हजारों कार्यकर्ता शामिल होंगे। जदयू के जिला अध्यक्ष डॉक्टर दुर्गेश राय ने कहा कि एनडीए का यह कार्यकर्ता सम्मेलन आने वाले विधानसभा चुनाव में जिले के सभी विधानसभा सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों के जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में उजियारपुर के पूर्व सांसद अश्वमेघ देवी, प्रमंडल प्रभारी भूमि पाल राय, पुर्व विधायक राजकुमार राय, विद्यासागर सिंह निषाद, मंजू कुमारी, बनारसी ठाकुर, शकुंतला वर्मा, प्रो तकी अख्तर, अब्दुस समद खां, शिव शंकर महतो, मो तौहीद अंसारी उर्फ नन्हें, जिला सचिव संतोष कुमार साह, अफजाल अहमद उर्फ उजाले, आलोक कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

एस पी ने किया डीएसपी कार्यालय टू का निरीक्षण, दिए कई आवश्यक निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर में पुलिस कप्तान अशोक मिश्रा ने कल्याणपुर स्थित डीएसपी टू कार्यालय का निरीक्षण किया। इस संबंध में डीएसपी टू विजय महतो ने बताया कि श्री मिश्रा ने कार्यालय फाइलों को खंगालते हुए कई आवश्यक निर्देश दिए। साफ सफाई की व्यवस्था पर ध्यान देने के साथ - साथ लंबित कांडों का निष्पादन अधीनस्थ स्थान में होने को लेकर निर्देश दिए। मौके पर पुलिस निरीक्षक के अलावा कल्याणपुर थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा आदि मौजूद थे।

मथुरापुर से गायब बालक महाकुम्भ से किया गया सकुशल बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर ब्लॉक के सारी गांव से अगवा बालक को पुलिस ने दो दिनों के अंदर बरामद करने में सफलता पाई।थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि बालक को सकुशल बरामद कर ली गई है। परिजनों ने कुम्भ पहुंचकर बालक को ला रहे है। उन्होंने बताया कि बालक ने दूरभाष द्वारा अपने मां के नंबर पर कॉल किया था। उसके बाद बालक के मां ने बताई तो उसी कॉल के आधार पर सूचना पुलिस को दिया गया था, जिसे बालक को अपने पास रखे हुऐ था। इसके बाद उसके पिता त्रिभुवन यादव अपने परिजनों के साथ कुम्भ प्रयागराज पहुंचे व सकुशल बालक को बरामद किया। इस मामले में शिक्षिका उर्वशी ने अपने पुत्र के गायब होने की एक प्राथमिकी थाने में दर्ज कराया था। उसके बाद से मथुरापुर पुलिस के अथक प्रयास से दो दिनों के अंदर बालक को बरामद करने में सफलता हासिल किया। इधर शिक्षिका के पुत्र के सकुशल बरामदगी पर विद्यालय के एचएम संजय कुमार व शिक्षकों ने हर्ष जताया और मथुरापुर थाना को इस सफलता के लिए कहा थैंक्स।

हर्ष फायरिंग करने वाले दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई : थाना अध्यक्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा सोमवार 24 फरवरी। सिवान के दुरौंधा थाना क्षेत्र के बालबंगरा गांव में एक वैवाहिक कार्यक्रम में ऑर्केस्ट्रा में नर्तकियों के साथ पिस्टल से हर्ष फायरिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया में वॉयरल हुआ है। जिसमें नर्तकियों के साथ खुलेआम तीन युवक फायरिंग अपने अपने हाथों में लिए पिस्टल से कर रहे है। जिसकी जांच दुरौंधा थाना प्रभारी श्री छोटन कुमार कर रहे है। श्री कुमार ने बताया कि हर्ष फायरिंग का मामला संज्ञान में आया है जिसकी जांच जारी है। दोषियों पर कड़ी से कड़ी करवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । जिलाधिकारी रिची पांडेय की अध्यक्षता में विमर्श सभा कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की गई। बैठक में एजेंडावार सभी बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक निर्देश दिए गए। हिट एंड रन मामले के पीड़ित व्यक्ति को लाभ देने के लिए सार्थक पहल किया जाए। इस संबंध में विभिन्न माध्यमों के द्वारा जागरूकता अभियान चलाएं ताकि अधिक आवेदन आ सके और लोगों को लाभ मिल सके। पुपरी अनुमंडल में चार-पांच ऐसे स्थल है। जहां ब्लैक स्पॉट पॉइंट बनाने की आवश्यकता है, परंतु आरसीडी के द्वारा उक्त दिशा में अभी तक कार्य नहीं किया गया।इसे देखते हुए उन्हें कड़ी फटकार लगाई गई एवं संबंधित स्थलों पर ब्लैक स्पॉट पॉइंट बनाने का निर्देश दिया गया। आरडब्ल्यूडी के कार्यपालक अभियंता को निर्देशित किया गया कि आरडब्ल्यूडी की वैसी सड़कें जो एनएच से मिलती है, वहां आरडब्ल्यूडी स्पीड ब्रेकर बनाना सुनिश्चित करें। ताकि दुर्घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके। सिविल सर्जन को ट्रामा सेंटर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में जिले की सड़कों पर बढ़ते यातायात और सड़क हादसों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सड़क संकेतकों की कमी को जल्द पूरा करने और स्कूलों, बाजारों तथा अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में ट्रैफिक कंट्रोल के लिए विशेष उपाय करने पर जोर दिया।

प्रखंड स्तरीय शिक्षा सेवक व तालीमी मरकज की बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले की खानपुर प्रखंड स्तरीय शिक्षा सेवक व तालीमी मरकज की बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा खानपुर। प्रखंड के चकवाखर स्थित निजी संस्थान के प्रांगण में शिक्षा सेवक व तालिमी मरकज प्रखंड स्तरीय संघ का बैठक आयोजित किया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण कुमार महतो ने किया। मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष अनिल कुमार महतो व जिला कोषाध्यक्ष कैलाश रजक एवं जिला कमिटी सदस्य मनोज कुमार रजक मुख्यवक्ता थे। मौके पर जिलासंघ देखरेख में प्रखंड संघ का विस्तार किया, जिसमे प्रखंड संयोजक उमेश महतो एवं प्रखंड उपाध्यक्ष मो शाहिद हुसैन को मनोनीत किया गया। इसके अलावा संगठन की मजबूती, बकाया मानदेय, निरक्षर महिलाओ की सूची आदि पर चर्चा की गई। बैठक में महेश मांझी, आशा देवी, अनिता देवी, राकेश कुमार, अमरजीत कुमार, दिनेश महतो सहित प्रखंड के शिक्षा व तालिमी मरकज के सदस्य मौजूद थे।

जन सुराज पार्टी ने किया कार्यकर्ताओं की समीक्षात्मक बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड के अंतर्गत सतमलपुर स्थित राजा फ्यूल के परिसर में जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ताओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता मो जहांगीर ने की। इस अवसर पर जन सुराज पार्टी के संयोजक कुंदन कुमार झा ने मीडिया कर्मियों को बताया कि यह बैठक पार्टी का विस्तार और क्रियाशील को लेकर की गई। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव चुनाव में जन सुराज पार्टी की अहम भूमिका निभाएगी और बिहार में जन सुराज पार्टी की ही सरकार बनने जा रही है। वही दूसरी ओर राज्य अभियान समिति के सदस्य वसीम राजा ने कहा कि पिछली सरकार ने 35 - 40 से जनता को ठगने का काम किया है, परंतु अब बिहार की जनता ठगी का शिकार नहीं होने वाली है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी के अगुवाई में बिहार में अपना सरकार बनाएगी। उन्होंने आम आवाम से भी कहा है कि एक दफा हमारे प्रिय नेता प्रशांत किशोर को मौका दें। उन्होंने कहा कि वे बिहार के लिए बेहतर काम करके दिखाएंगे। अंत में वसीम राजा ने कहा कि मंगलवार को हरपुर एलौथ के माईरा होटल के नजदीक जन सुराज पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की समीक्षात्मक बैठक होने वाली है उसमें सभी लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा लें।

संक्षिप्त डायरी

ऋषि राज ने यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर बढ़ाया जिले का मान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के ऋषि राज ने यूजीसी नेट (राजनीति विज्ञान) में परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर अपने जिले का नाम रोशन किया है। अब वे जल्द ही सहायक प्रोफेसर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उनकी इस सफलता से परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों में हर्ष की लहर है। ऋषि राज ने अपनी पूरी शिक्षा दिल्ली से प्राप्त की और अब शिक्षण क्षेत्र में अपना योगदान देने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता - पिता को दिया है। उनके पिता श्याम कुमार केशरी (उर्फ फुलटुन सिंह) एक प्रतिष्ठित ईंट भट्ठा व्यवसायी और समाजसेवी हैं, जबकि उनकी माता श्रीमती वंदना केशरी विभूतिपुर उत्तर की सरपंच हैं। उनकी यह उपलब्धि समस्तीपुर और बिहार के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पिता के श्राद्ध कर्म का निमंत्रण देने गये दो शख्स बाइक दुर्घटना में घायल ,सदर रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बंगरा पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो शख्स को गंभीर हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया। घायल मशरक के घोघिया गांव निवासी शैलेश राम का 22 वर्षीय पुत्र रंजीत राम और स्व हीरा राम का 35 वर्षीय पुत्र रविन्द्र राम हैं। घटना के बारे में थाना पुलिस गश्ती दल के अधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि गश्ती के लिए एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर थे कि सूचना मिली कि बंगरा पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार दो शख्स घायल हालत में पड़े हुए हैं जिन्हें गश्ती वाहन में लाद इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया और परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों ने बताया कि दोनों पिता के श्राद्ध कर्म का नेवता देने रिश्तेदारी में गए थे।

माकपा द्वारा एक देश एक चुनाव पर सेमिनार आयोजित

कुशीनगर। नगर स्थित कसया तहसील के अधिवक्ता भवन में एक देश एक चुनाव ' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने लोक हित में विधेयक को वापस लेने की मांग सरकार से की। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता किसान मजदूर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाजी राय ने कहा कि मौजूदा सरकार एक बेहद केंद्रीकृत शासन को आगे बढ़ाने के लिए यह विधेयक लाई है। सरकार के पास लोकसभा और राज्य सभा में विधेयक पास करने के लिए मौजूदा दो तिहाई बहुमत नहीं है फिर भी इसे लाया गया है। सरकार इस विधेयक को लोकहित में वापस ले। इसी क्रम में माकपा जिला सचिव अयोध्या लाल श्रीवास्तव, जनार्दन शाही, मोहन गोंड, कांग्रेस नेता रविन्द्र विश्वकर्मा, मोहन गोंड, राघवेंद्र सिंह, इदरीश सिद्दकी आदि वक्ताओं ने एक देश एक चुनाव विधेयक की आलोचना की और कहा कि यह चुनाव मतदाताओं को थकान की ओर ले जा सकता है और स्थानीय मुद्दे महत्व हीन हो जाएंगे। सरकार इस विधेयक पर आगे बढ़ने की बजाय वापस ले और भारत के राज्यों की विविधता, जटिलता और स्वायतता को प्राथमिकता दी जाय। भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत किया जाए। अंत में सभी को संविधान रक्षा की शपथ दिलाई गई। अध्यक्षता एडवोकेट विजय कुमार श्रीवास्तव ने की। इस दौरान एडवोकेट फिरोज अंसारी, हरिनारायण यादव, ईश्वर चंद्र प्रियदर्शी, शम्भु चौहान, कैलाश गोंड, जवाहिर शर्मा, राजेंद्र सिंह, कलामुद्दीन, राम नरेश यादव, रामवृक्ष गिरी, श्रीनारायण, राम बहाल सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रशासनिक न्यायमूर्ति हाईकोर्ट ने बुद्ध का किया दर्शन पूजन

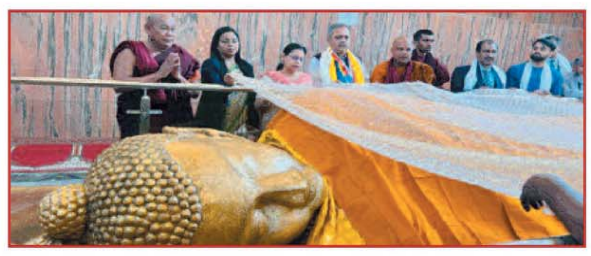

कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर पहुंचे प्रशासनिक न्यायमूर्ति हाईकोर्ट दीपक कुमार ने राष्ट्रीय स्मारकों का अवलोकन किया और मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन पूजन कर चीवर चढ़ाया। प्रशासनिक न्यायमूर्ति हाईकोर्ट दीपक कुमार सर्व प्रथम रामा भार स्तूप पहुंचे और दर्शन, पूजन, परिक्रमा की। यहां उन्हें कुशीनगर के ऐतिहासिक, पुरातात्विक महत्व की जानकारी गाइडों और भिक्षुओं द्वारा दी गई। वह थाई मोनेस्ट्री भी गए और वहां का अवलोकन किया। इसके पश्चात व्याख्यान केंद्र में बुद्ध के जीवन से जुड़े पहलुओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से देखा। इसके पश्चात मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में भंते डॉ नन्द रतन, भंते नंदिका, भंते उपाली और भिक्षुओं के धम्म वंदना के बीच बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन पूजन कर चीवर चढ़ाया। इस अवसर पर जिलाजज कुशीनगर सुशील कुमार शशि, एडीजे पास्को कोर्ट दिनेश कुमार, एडीजे एससी , एसटी सुनील यादव, एडीजे रिजवान अहमद, सहायक पुरातत्व सर्वेक्षण अधिकारी शादाब खान और अन्य मौजूद रहे। इससे पूर्व शनिवार को कुशीनगर सिविल बार एसोसिएशन कसया के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल प्रशासनिक न्याय मूर्ति हाईकोर्ट दीपक कुमार से पडरौना में मिला और उन्हें पत्रक सौंपकर बाह्य दीवानी न्यायालय कसया के क्षेत्राधिकार को वापसी की मांग की। इस दौरान मंत्री अश्वनी शुक्ल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश द्विवेदी, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडेय, रविन्द्र मणि, अशोक राय, पूर्व मन्त्री जलज सिंह, अरविंद दूबे आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

खेल से प्रेम और सौहार्द की भावना विकसित होती है:रिंकू कुमार

राजकीय पॉलीटेक्निक में हुआ वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

कुशीनगर। राजकीय पॉलीटेक्निक मुजहना हाटा कुशीनगर में आयोजित वार्षिक खेल खुद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सराहना बटोरी। वार्षिक खेल का शुभारंभ फीता काटकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर कालेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य रिंकू कुमार ने कराया। उन्होंने कहा कि खेल और शिक्षा दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इससे शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास को बल मिलता है। खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। इससे प्रेम और सौहार्द की भावना विकसित होती है। संस्था के खेल प्रभारी अंकित सिंह और खेल अधिकारी बिपुल कुमार पांडेय की देखरेख में संपन्न हुए खेलकूद में 200 मीटर दौड़, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, भाला फेंक, डिस्कस थ्रो, गोला फेंक के साथ साथ वॉलीबॉल जैसे खेलों में खिलाड़ियों ने खेल भावना और अनुशासन का बेहतरीन प्रदर्शन किया। खिलाड़ी संस्था स्तर पर बने मेजर ध्यानचंद क्लब, पी टी उषा क्लब, मिल्खा सिंह क्लब में शामिल थे। विजेता खिलाड़ी नियाज अहमद, शौर्य, मोहित पासवान, अमन वर्मा, अभिषेक के साथ छात्राओं में आफरीन खातून, शालिनी त्रिपाठी, शालिनी धवन और स्नेहा चौधरी आदि को प्रधानाचार्य और अतिथियों द्वारा मेडल और अन्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य रिंकू कुमार ने सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार जताया।

उन्होंने सभी चयनित विजेता खिलाड़ी को आगे जोनल गेम्स एवं खेलो इंडिया में भाग लेने और उसकी तैयारी निरंतरता के साथ करते रहने की सलाह दी। इस अवसर पर संस्था के प्रवक्ता विनय पांडे, श्रीमती शालिनी त्रिपाठी, प्रशांत गुप्ता, संदीप रौनियार, प्रदीप कुमार, सौरभ सिंह, राहुल सिंह, राणा प्रताप चौधरी, सूरज वर्मा, अमित कुमार, हरिओम गुप्ता, अनुदेशक राहुल प्रजापति, अजीत भाटिया, मुरलीधर गुप्ता, संदीप यादव और पुस्तकालयाध्यक्ष अमित गुप्ता मौजूद रहे।

रोटरी के सदस्यों ने हर्षोल्लास से मनाया विश्व रोटरी दिवस

कुशीनगर। अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था रोटरी क्लब कुशीनगर के सदस्यों द्वारा विश्व रोटरी दिवस के अवसर पर रोटरी इंटरनेशनल का 120 वां स्थापना कुशीनगर स्थित कलश होटल में केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा कि 23 फरवरी 1905 में स्थापित रोटरी क्लब ने सामाजिक सेवा के अपने उद्देश्यों को आत्मसात करते हुए पूरे विश्व में मानव सेवा के प्रकल्पों को सतत संचालित कर रहा है। रोटरी क्लब एक अंतरराष्ट्रीय गैर राजनीतिक, गैर धार्मिक स्वयंसेवी संस्था है। कोई भी व्यक्ति जो समाज सेवा करना चाहता है रोटरी क्लब कुशीनगर में अपनी सहभागिता दे सकता है। रोटरी क्लब सचिव अजय सिंह ने बताया कि रोटरी क्लब निरंतर 120 वर्षों से पूरे विश्व में सेवा कार्यों को संपादित कर रहा है। इसी संकल्प को आत्मसात करते हुए रोटरी क्लब कुशीनगर ने 2024-25 सत्र में कुशीनगर में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विविध कार्यों को निष्पादित किया है। पल्स पोलियो जैसी घातक बीमारी को भी विश्व से साफ करने में रोटरी क्लब का अहम योगदान है। रोटरी क्लब कुशीनगर कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी ने बताया कि आगामी 23 मार्च 2025 को शहीद भगत सिंह सुखदेव और राजगुरु के शहीद बलिदान दिवस पर रोटरी द्वारा रक्तदान शिविर का भी आयोजन प्रस्तावित है। इस अवसर पर दीपेश कुमार सिंह एवं डॉ. रिजवान आलम को रोटरी पिन लगाकर औपचारिक सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष साहिल अहमद, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक डॉ सुनील सिंह, निदेशक अंकुर तुलस्यान, निदेशक गोपीचंद कसौधन, सार्जेन्ट एट आर्म्स विजय कृष्ण द्विवेदी, गौरव मद्धेशिया, फैयाज खान, महेंद्र तिवारी मोनू, इम्तियाज आलम, डॉ. जे.के.पटेल, गोपीचंद कसौधन, विनोद वर्मा, डॉ. श्याम बिहारी जायसवाल, अमरेंद्र नारायण सिंह, हेमन्त गर्ग, गोविंद सिंह, विजय सिंह, रंजीत श्रीवास्तव, सत्येन्द्र राय, रिजवान आलम, शिवजी जायसवाल, दीपेश कुमार सिंह एवं आदिल खान उपस्थित रहे।

8वें वेतन आयोग के गठन के लिए रक्षामंत्री से मुलाकात

लखनऊ। इंडियन पब्लिक सर्विस एम्प्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्र के नेतृत्व में आज एक प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में उपमहासचिव अतुल मिश्रा, उपाध्यक्ष सुरेश रावत, अजय वीर यादव, बाबूलाल शर्मा (दिल्ली), शाह फैयाज (जम्मू), एवं विधि सलाहकार ऋषभ तिवारी उपस्थित थे। वीपी मिश्र ने आठवें वेतन आयोग के गठन, आयकर सीमा में 12 लाख तक छूट देने, सेवानिवृत्ति पर 50% पेंशन देने एवं अन्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए रक्षा मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आग्रह किया कि 25 वर्ष की बजाय 20 वर्ष की सेवा पर पूरी पेंशन देने और जीपीएफ बहाल करने की मांग पूरी की जाए। उन्होंने बताया कि भर्ती की अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष होने के कारण कई कर्मचारी 20 वर्ष की सेवा पर सेवानिवत्त होते हैं, इसलिए उन्हें पूर्व की भांति पूरी पेंशन दी जानी चाहिए। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के हित में प्रस्ताव वीपी मिश्र ने रक्षामंत्री से यह भी आग्रह किया कि आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित किया जाए, उनकी सेवा सुरक्षा प्रदान की जाए एवं रिक्त पदों पर विनियमितीकरण की नियमावली प्रख्यापित की जाए। इससे इन कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित होगा और वे अपने परिवार का सुचारू रूप से भरण-पोषण कर सकेंगे। रक्षा मंत्री का आश्वासन रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आश्वासन दिया कि पेंशन में जो कमियां रह गई हैं, उनमें सुधार किया जाएगा। उन्होंने आउटसोर्सिंग संविदा कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा और वेतन में आवश्यक सुधार करने की बात कही। रक्षा मंत्री ने कहा कि वे कर्मचारियों को अपने परिवार का अंग मानते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

माघी पूर्णिमा पर थाई मंदिर से निकली पवित्र बुद्ध धातु शोभायात्रा

कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित थाई मंदिर से गाजे - बाजे, हाथियों और मन मोहक झांकियों के साथ पवित्र बुद्ध धातु शोभायात्रा निकाली गई तथा मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का दर्शन, पूजन कर चीवर चढ़ाया गया और विश्व कल्याण की कामना की गई। माघी पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को आयोजित समारोह के चौथे दिन थाई संघा भारत नेपाल के चीफ भन्ते फ्रा थे बोदियोंग की उपस्थिति और थाई मंदिर के प्रमुख भिक्षु फ्राविडेश्वचिरायन (डा0 पी सोम पोंग) के देख रेख में थाई मंदिर में नौवें महाराजा की प्रतिमा के समक्ष प्रमुख थाई बौद्ध गुरु श्रीसमिथ फ्रामहाथिरचान और रॉयल थाई एयरफोर्स कमांडर इन चीफ एयर मार्शल पुनपक्दी पट्टानकुल और 16 थाई अतिथियों, भिक्षुओं, उपासकों ने धम्म पाठ के साथ कैंडल जलाकर आह्वान पूजन और विशेष पूजा कर ओपनिंग सेरेमनी/वार्षिकोत्सव का शुभारंभ किया। इसके पश्चात मंदिर से स्वर्ण कलश में रखे भगवान बुद्ध की अस्थि को रथ पर बने कांच के सुशोभित रथ पर रखा गया। शोभायात्रा में थाई कलाकार अलग, अलग टोलियों में आकर्षक नृत्य कर रहे थे। थाई राज परिवार, बुद्ध, राम दरबार, राधा कृष्ण, शिव परिवार आदि झाकियां स्कूली बच्चों ने सजाई थी। रथों पर बौद्ध भिक्षु, थाईलैंड के अतिथि चल रहे थे। भिक्षु संघ अध्यक्ष भंते ज्ञानेश्वर, आयोजक श्रीसमिथ पोंगरीथ, मिसेज किरिनरात, चिया युवान, मिसेज अमपोर्न, मिसेज विफा, चावा लित, विधायक पीएन पाठक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, नपाप कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जयसवाल आदि शोभायात्रा के साथ चल रहे थे। शोभायात्रा मुख्य मंदिर पहुंची जहां विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया। विधायक पीएन पाठक ने कहा कि आयोजन से भारत - थाई के बीच संबंध प्रगाढ़ होंगे। इस दौरान फ्रा खू सोन क्रान, भंते समिट, भंते अचान पविन, भंते कितिफान, टीके राय, अंबिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड, सूरज यादव, गौतम शर्मा, अमिताभ त्रिपाठी सहित बुद्ध इंटर कालेज के एनसीसी कैडेट्स, विभिन्न विद्यालय के बच्चों ने भाग लिया।

खरगापुर में रामचरितमानस पाठ

लखनऊ। के ग्राम सभा खरगापुर में मां शीतला मंदिर में दो दिवसीय श्री रामचरितमानस पाठ का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लखनऊ से आई पार्टी ने फिल्मी धार्मिक तर्ज पर चौपाइयों का गायन किया। जिला पंचायत सदस्य वार्ड नंबर 19 अमरेंद्र भारद्वाज ने भी ग्रामवासियों के साथ रामायण का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से अपने घरों में श्री रामचरितमानस पाठ के संस्कारों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि रामचरितमानस से जीवन में संस्कारयुक्त रहने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में ग्रामवासी और क्षेत्रवासी सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। रात में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं ने भक्तिमय माहौल का आनंद लिया।

अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

बच्चों को भविष्य के लिए इस तरह से करें तैयार

प्रवीर और मृदुल इत्तेफाक से रूममेट बन गए। मृदुल की मां कॉर्पोरेट सेक्टर में काम करती है, इसलिए उसका परिवेश एकदम ही अलग है। दूसरी और प्रवीर की मां सरकारी दफ्तर में काम करती है इसलिए उसका परिवेश मृदुल से कुछ अलग था। एक तरफ मृदुल हर तरह से आत्म-निर्भर और आत्मविश्वासी है तो दूसरी तरफ प्रवीर हर चीज को टालता रहता है। शुरुआत में दोनों को एक-दूसरे के साथ एडजस्ट होने में बहुत दिक्कतें पेश आईं। मृदुल क्या पहनना है से लेकर पिकनिक पर कहां जाना है और शाम को क्या सब्जी बनाने से लेकर बुक-शॉप से कौन-सी बुक खरीदनी है, जैसे सारे निर्णय स्वयं लेता है तो दूसरी तरफ प्रवीर को हर तरह का निर्णय लेने में दूसरों की जरूरत लगती है। वजह.स्पष्ट है-मृदुल को बचपन से ही निर्णय लेने के लिए प्रेरित भी किया और निर्णय लेने भी दिया गया। प्रवीर को हमेशा ही बच्चा कहा गया और हर उस अवसर से उसे दूर रखा गया, जहां विकल्पों में से चुनाव करना था। अक्सर हम बच्चों के बड़े होने के दौरान ही उन्हें निर्णय लेने की क्रिया से वंचित करते चलते हैं और फिर जब वे बड़े हो जाते हैं तब एकाएक उन्हें कहने लगते हैं कि अब बड़े हो गए हो, अपने निर्णय खुद ही करो। उस पर जब उनका निर्णय गलत सिद्ध होता है तब हम उन्हें ही दोष देने लगते हैं कि इतने बड़े हो गए, लेकिन अब तक यह समझ नहीं आया कि अपने लिए क्या सही है और क्या गलत है?

बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने देना सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि उन्हें हर तरह से आने वाले जीवन और हकीकतों के सामने खड़े होने और लड़ने की कूव्वत देना है। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि जब बच्चे घर से बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं तब लड़कियां लड़कों की तुलना में जल्दी एडजस्ट कर लेती है। हो सकता है इसके सामाजिक कारण भी हो, लेकिन एक बात यह भी है कि बहुत सारे मामलों में लड़कियां ज्यादा लचीली होती है और दूसरे घर के छोटे-मोटे कामों में मां का हाथ बंटाते-बंटाते वह कब आत्मविश्वास पा लेती है, इसका उन्हें खुद भी ज्ञान नहीं होता है। अपने बच्चों को बाहरी दुनिया में रहने के लिए ट्रेनिंग दें। क्योंकि चाहे चिड़ियां को उड़ना सिखाना नहीं पड़ता हो, फिर भी मां बच्चों को उड़ने की ट्रेनिंग दिया करती है। कभी अपने घर के आंगन में अपने बच्चों को उड़ना सिखाती चिड़िया को देखें तो आपको एहसास होगा कि उड़ने की कला उन्हें प्रकृति से मिली जरूर है, लेकिन कौशल उन्हें खुद ही हासिल करना होता है। देखें आप अपने बच्चे को कैसे आत्मविश्वासी और आत्म-निर्भर बना सकते हैं।

उन्हें एक कोना दें

चाहे जो परिस्थिति हो, आप अपने बच्चे को एक ऐसा कोना जरूर उपलब्ध कराएं, जिसे वह स्वयं व्यवस्थित करें। याद करें स्कूलों में बच्चों को दिया जाना वाला लॉकर। इसी तरह एक ड्रॉवर या एक लॉकर उसे जरूर दें, जहां वह अपनी चीजें व्यवस्थित कर रख सकें। इससे उसमें जिम्मेदारी का भाव भी आएगा और निर्णय करने की क्षमता का विकास भी होगा। जब वह उसे अपनी तरह से व्यवस्थित कर पाएगा तो उसमें आत्मविश्वास भी आएगा।

छोटे-छोटे निर्णय करने दें

अपने बच्चे को छोटे-छोटे निर्णय स्वयं करने दें। जैसे अपने दोस्त की बर्थडे पार्टी में वह क्या पहन कर जाना चाहता है? या फिर डिनर के लिए जाते हुए वह किस तरह के कपड़े पहनना चाहता है? या रेस्टोरेंट में उसे स्वयं अपना ऑर्डर देने के लिए कहें। आइसक्रीम का कौन-सा फ्लैवर या किस तरह का पित्जा वह खाना चाहता है, इसका निर्णय उसे स्वयं करने दें।

अपने रिश्ते उसे ही निभाने दें

यदि उसके दोस्त का जन्मदिन है या वह अपने दोस्त को किसी खास मौके पर पार्टी देना चाहता है या गिफ्ट देना चाहता है तो उसे खुद ही निर्णय करने दें। यदि वह आपसे राय मांगे तो उसे सुझाव दें। उसके समक्ष विकल्प रखें, उसे निर्णय न सुनाएं। उससे पूछे कि उसके दोस्त की रूचि क्या करने में है? उसी हिसाब से वह उसे गिफ्ट दें, लेकिन यह न बताएं कि उसे क्या गिफ्ट दे!

घर के छोटे-छोटे काम करने के लिए कहें

भारतीय घरों में अक्सर घर के कामों को लड़कियों के हिस्से में माना जाता है। ऐसे में अक्सर हम लड़कों को इससे अलग रखते हैं। लेकिन अब चूंकि लड़कों को भी अलग-अलग वजहों से घर से बाहर जाना पड़ता है, इसलिए उन्हें भी घर के काम करना आना चाहिए। इससे घर से बाहर एडजस्ट करने में उन्हें असुविधा नहीं होगी। खासतौर पर चाय बनाना, नाश्ता बना पाना और हां अपने कपड़ों को खुद ही धोना अपने बच्चे को जरूर सिखाएं।

अपनी समस्याओं को उन्हें ही हल करने दें

भाई-बहनों के बीच के झगड़े हो या फिर दोस्तों के बीच हुए विवादब्च्चे को अपनी समस्याओं से खुद ही लड़ने को कहें। स्कूल के एन्यूएल फंक्शन में पार्टिसिपेशन के लिए डांस की तैयारी करनी हो या फिर कॉस्ट्यूम अरेंज करना हो, बच्चों को मार्गदर्शन तो दें, लेकिन उसका काम आप न करें।

इस तरह की छोटी-छोटी चीजें करके आप बच्चे को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं। आखिर उसे आपके घर की छत से बाहर जाकर अपने लिए जमीन तलाशनी है और दुनिया बनानी है। अपनी छाया से अलग करके ही आप उसे विकसित होने का अवसर देंगी, ये न सिर्फ आपके लिए बल्कि स्वयं बच्चे के लिए भी अच्छा होगा।

बच्चे के पुराने खिलौने फेंके नहीं बल्कि ऐसे करें इस्तेमाल

अपने बच्चों के लिएही खिलौने चुनने में पेरेंट्स बहुत समय लगा देते हैं। आप जिस खिलौने को पसंद करने में घंटों लगा देते हैं, बच्चा उससे कुछ साल ही खेल पाता है और बड़ा होने पर वो खिलौने उसके किसी काम के नहीं रहते हैं। जब बच्चा खिलौनों से खेलना बंद कर देता है, तो पेरेंट्स के लिए इन्हें संभालकर रखना मुश्किल हो जाता है। उन्हें समझ नहीं आता है कि वो इन खिलौनों को कहां रखें या इनका क्या करें।

खिलौनों का क्या करें

अगर आपके बच्चे के ढेरों खिलौने अब बेकार पड़े हैं और घर में उनसे खेलने वाला कोई नहीं है, तो आप उल्हें दान कर सकते हैं। इस तरह से खिलौने उन बच्चों तक पहुंच पाएंगे, जिन्हें सच में इसकी जरूरत हो। आपकी इस कोशिश से किसी मासूम बच्चे के चेहरे पर मुस्कान आ सकती है। यहां हम आपको कुछ ऐसे तरीके और जगहें बता रहे हैं, जहां आप अपने बच्चों के खिलौनों को दान कर सकते हैं।

कैसे खिलौने कर सकते हैं दान

जो खिलौने अच्छी कंडीशन में हों और ज्यादा इस्तेमाल न किए गए हों, उन्हें दान के रूप में स्वीकार कर लिया जाता है। आप ब्लॉक्स, पजल्स, बोर्ड गेम, स्टफ्ड एनीमल, टॉय कार, क्राफ्ट किट, स्पोर्ट्स किट, एक्टिविटी बुक जैसे कई तरह के टॉएज दान कर सकते हैं। हालांकि, कई जगहों पर मुंह में लेने वाले खिलौने दान में नहीं लिए जाते हैं जैसे कि पैसिफायर और टीथर आदि। आप खिलौनों को दान करने से पहले कंफर्म कर लें कि उस जगह पर किस तरह के टॉएज लिए जाते हैं।

चैरिटी में

आप उन संस्थानों में खिलौनों को दान कर सकते हैं जो चैरिटी करती हों। ये संस्थाएं अनाथ बच्चों को ये खिलौने देती हैं। इसके अलावा इनके द्वारा गरीब परिवारों के बच्चों को भी खिलौने और जरूरी सामान दिए जाते हैं।

शेल्टर या आश्रय स्थल

वुमेन शेल्टर होम में भी आप खिलौनों को दान कर सकते हैं। इन जगहों पर बच्चों के पास बहुत कम चीजें और सुविधाएं होती हैं। ये लोग आपके गिफ्ट और खिलौनों को आसानी से ले लेंगे। आप इन्हें खिलौनों के अलावा कपड़े और टॉयलेटरीज भी दान कर सकते हैं। इसके अलावा और क्या-क्या दान कर सकते हैं, यह जानने के लिए आप सीधा शेल्टर होम में बात कर सकते हैं।

चिल्ड्रेन होम

आप अनाथ आश्रम में भी बच्चों के खिलौने दान कर सकते हैं। यहां हर उम्र के बच्चे होते हैं जिन्हें आपके खिलौने पसंद आ सकते हैं।

अस्पताल या धार्मिक केंद्र

कई अस्पताल भी बच्चों के खिलौने लेते हैं। यहां दाखिल होने वाले बच्चों को ट्रीटमेंट के दौरान खिलौनों से खेलने दिया जाता है। इसके अलावा आपके आसपास के धार्मिक केंद्रों में भी बच्चों के खिलौने लिए जा सकते हैं। आप मंदिर के बाहर बैठे बच्चों को खिलौने दे सकते हैं। इन बच्चों के पास बचपन की सबसे प्यारी चीज यानि खिलौनों के नाम पर कुछ नहीं होता है। ऐसे में आपकी छोटी सी मदद इनके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

छोटी-सी तारीफ भी देती है बड़ी खुशी

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट'? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं। प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

माथे पर बढ़ रही लकीरों को हटाएंगे ये होममेड मास्क

बिजी लाइफ के दौरान त्वचा का ख्याल नहीं रख पाते हैं। लेकिन जब कहीं जाना होता है तब हमें अपनी स्किन का ख्याल आता है, पर उस वक्त कोई उपाय नहीं सूझता है और बेकार मूड से फंक्शन में जाना पड़ता है। कोई बात नहीं अब भी केयर कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे माथे पर आ रही चिंता की लकीरों को हटाए कुछ ही दिनों में।

गाजर और अंडे का पैक

गाजर में मौजूद तत्व बीटा कैरोटीन, आयोडीन झुर्रियों को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही अंडे में भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो त्वचा में कसावट पैदा करते हैं। गाजर को मिक्सी में किस लें और एग व्हाइट को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से धो लें। हफ्ते में कम से कम दो बार इस पैक का जरूर इस्तेमाल करें।

ऑलिव ऑयल और शहद

माथें पर उभरने वाले लकीरे आपकी खूबसूरती कम कर देती है। लेकिन 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दोनों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद रात को सोने सेपहले सिर पर लगा लें।सुबह उठकर मुंह को धो लें। हफ्ते में 2 या 3 बार ऐसा करें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

कोको पाउडर और ऑलिव ऑयल

माथे पर दिखती लकीरे आपको बहुत जल्दी शर्मिंदा करा देती है। लेकिन अब नहीं होना पड़ेगा। 1 चम्मच कोको पाउडर और 1 चम्मच ऑलिव ऑयल लें। दानों को अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा लें। फिर नॉर्मल पानी से धो लें। कुछ ही दिन में आराम मिल जाएगा।

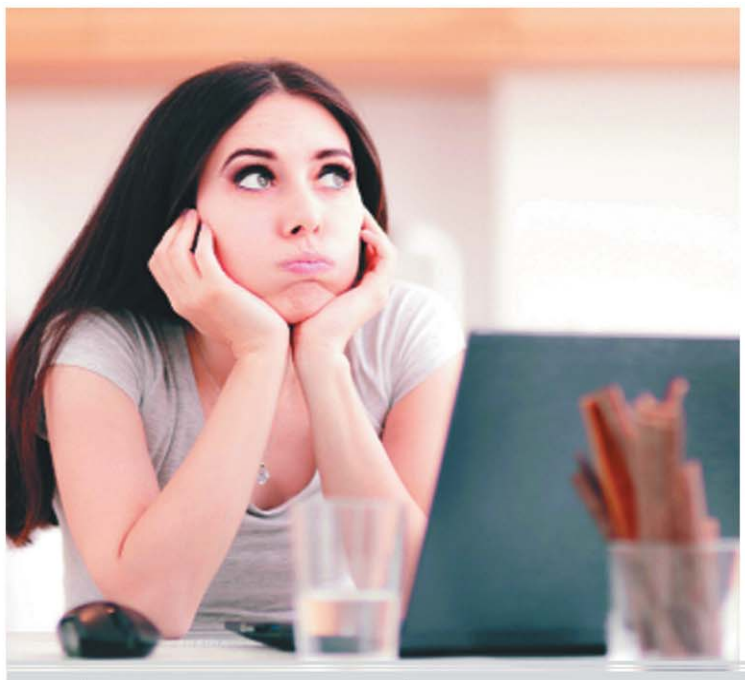

बोरियत को न बनाएं अपनी आदत!

सारा काम खत्म हो गया, डिनर के लिए बाहर जाने का मन नहीं है, इस सप्ताह कोई अच्छी फिल्म भी रिलीज नहीं हुई, समझ नहीं आ रहा क्या करें, कहां जाएं? आपको भी अपने आसपास अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती होंगी। ऐसा सोचने या कहने का सीधा मतलब यही है कि व्यक्ति अपनी वर्तमान मनस्थिति से खुश ही है और इसी वजह से उसे बोरियत महसूस हो रही है।

समस्या की जड़ें

जब कभी जीवन में ठहराव आने लगता है तो इससे बोरियत पैदा होती है। आज की तेज रफ्तार जिंदगी ने इंसान को काफी हद तक वर्कोहॉलिक बना दिया है। अब लोग दिन-रात मशीन की तरह काम में जुटे रहते हैं। जैसे ही उनका कार्य पूरा हो जाता है, उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। आज लोगों के सामने मनोरंजन के विकल्पों का अंबार है, फिर भी वे बोरियत से परेशान रहते हैं। सीमित साधनों के बीच संतुष्ट और खुश रहना आसान है, लेकिन ढेर सारे विकल्प हमें केवल भ्रमित करते हैं और अंततः इनकी वजह से बोरियत पैदा होने लगती है।

बोर होते बच्चे

आजकल बच्चों को भी बहुत जल्दी बोरियत महसूस होती है। पुराने समय में बच्चे एक ही खिलौने से महीनों तक खेलते थे, पर आज के बच्चे दो ही दिनों के बाद अपने लिए नए खिलौने की मांग करने लगते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि अब पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय नहीं है। इस समस्या से बचने के लिए वे छोटी उम्र से ही बच्चों को उनकी मनमर्जी का काम करने की छूट दे देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों की फ्रस्ट्रेशन टॉलरेंस खत्म हो रही है। अगर माहौल उनकी पसंद के प्रतिकूल हो तो वे पांच मिनट में ही ऊबने लगते हैं। कभी-कभी बोरियत होना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह स्थायी मनोदशा बन जाए तो चिंताजनक है। बोरियत नकारात्मक विचारों की जड़ है। इससे व्यवहार में चिड़चिड़ापन आने लगता है। कार्यक्षमता और रिश्तों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव

खुद को बोरियत से बचाने के लिए जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। जिस तरह वर्कोहॉलिक होना नुकसानदेह है, उसी तरह ज्यादा आरामतलबी और मनोरंजन की अधिकता भी व्यक्ति को बहुत जल्दी बोर कर देती है। इन दोनों स्थितियों से बचते हुए दिनचर्या में संतुलन बनाए रखना चाहिए। जिस तरह शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए आप एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं। ठीक उसी तरह दिमागी सेहत का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए फुर्सत के पलों में टीवी देखने के बजाय कोई अच्छी किताब पढ़ें, अपने करीबी लोगों से बातचीत करें या बागवानी करें। कोई भी ऐसी गतिविधि, जिसमें व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक ऊर्जा खर्च होती हो, वह उसे बोरियत से बचाती है। ऐसी समस्या से बचने के लिए सहनशीलता बहुत जरूरी है।

घरेलू हवाई यात्री यातायात में साल-दर-साल 14.5 प्रतिशत की वृद्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीआरए की रिपोर्ट के अनुसार भारत में घरेलू हवाई यात्री यातायात ने जनवरी 2025 में अपनी वृद्धि की गति बनाए रखी। जनवरी में करीब 150.3 लाख यात्रियों ने घरेलू उड़ानों का सफर किया जो दिसंबर 2024 की तुलना में 0.7 प्रतिशत अधिक और जनवरी 2024 की तुलना में 14.5 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा जनवरी 2020 के पूर्व-कोविड स्तर से भी 17.9 प्रतिशत अधिक है।

वित्त वर्ष 2025 के पहले 10 महीनों में वृद्धि - 2025 के पहले 10 महीने (अप्रैल 2024 से जनवरी 2025) में घरेलू हवाई यातायात की कुल संख्या 1,372.1 लाख रही। यह 7.5 प्रतिशत की वृद्धि और वित्तीय वर्ष 2020 की समान अवधि की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। भारतीय एयरलाइंस के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात में भी मजबूत वृद्धि देखी गई। वित्तीय वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में अंतरराष्ट्रीय यातायात 248.9 लाख यात्रियों तक पहुंच गया जो 14.5 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि और कोविड-पूर्व स्तर से 41.7 प्रतिशत अधिक है।

एयरलाइन्स की क्षमता तैनाती - रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जनवरी 2024 की तुलना में जनवरी 2025 में एयरलाइन्स ने अपनी क्षमता तैनाती में 10.8 प्रतिशत का विस्तार किया। हालांकि दिसंबर 2024 की तुलना में क्षमता में 1.2 प्रतिशत की कमी आई।

यात्री भार कारक

घरेलू विमानन क्षेत्र ने जनवरी 2025 में 92.1 प्रतिशत का यात्री भार कारक हासिल किया जो जनवरी 2024 में 89.2 प्रतिशत और जनवरी 2020 में 85 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि जनवरी में विमानों में अधिक सीटें भरी गईं जिससे एयरलाइन्स को अधिक मुनाफा हुआ।

ईंधन की लागत में राहत

ईंधन की लागत जो एयरलाइनों के ऑपरेशनल खर्च का एक बड़ा हिस्सा है वित्तीय वर्ष के दौरान कुछ राहत देखी गई। एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतें अप्रैल से जुलाई 2024 तक 5.3 प्रतिशत अधिक रही लेकिन अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक इसमें 14.7 प्रतिशत की गिरावट आई। रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक एटीएफ की कीमतें पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8.1 प्रतिशत कम थीं। वहीं भारत का घरेलू विमानन क्षेत्र अब कोविड-पूर्व के स्तर से भी आगे बढ़ चुका है और वृद्धि के रास्ते पर है। एयरलाइन्स ने अपनी क्षमता में भी बढ़ोतरी की है और यात्रियों की संख्या भी बढ़ी है। ईंधन की कीमतों में राहत मिलने से एयरलाइन्स को भी फायदा हो रहा है।

आध्यात्मिक पर्यटन का नया युग शुरू, लेकर आया नया बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। महाकुंभ मेला 2025 भारत के आध्यात्मिक पर्यटन में एक नया बदलाव लेकर आया है। यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक परंपराओं का भव्य उत्सव है। महाकुंभ के आयोजन ने न केवल लाखों तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को आकर्षित किया बल्कि इसने आध्यात्मिक पर्यटन के क्षेत्र को भी एक नई दिशा दी है।

महाकुंभ मेला- आध्यात्मिक पर्यटन का गेम-चेंजर - वीआईटीएस कामट्स ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. विक्रम कामत ने महाकुंभ को आध्यात्मिक पर्यटन में एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा है। उन्होंने कहा, पहले आध्यात्मिक पर्यटन बुजुर्गों तक सीमित था लेकिन 2025 के महाकुंभ ने युवा पीढ़ी को भी आकर्षित किया है। अब वे भारत की आध्यात्मिक परंपराओं से जुड़ने के लिए इस आयोजन में भाग ले रहे हैं।

बेहतर बुनियादी ढांचा और डिजिटल सुविधा - महाकुंभ मेला अब पहले से कहीं अधिक समावेशी हो गया है। बेहतर कनेक्टिविटी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, लाइव-स्ट्रीमिंग और मोबाइल बुकिंग सुविधाओं ने इस आयोजन को दुनिया भर के यात्रियों के लिए आसान बना दिया है। हरीश खत्री ने इसे एक संरचित और तकनीकी रूप से सक्षम अनुभव बताया है जो विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए आकर्षक है।

आध्यात्मिक पर्यटन का विस्तार

महाकुंभ अब केवल भारत में नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बन गया है। यह भारत को आध्यात्मिक पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने में मदद कर रहा है। इसके माध्यम से भारत की आध्यात्मिक परंपराएं अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक पहचान बना रही हैं।

विदेशी यात्रा में वृद्धि

भारत में बढ़ते आध्यात्मिक पर्यटन के साथ भारतीय भी अब विदेशों में आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करने के लिए यात्रा कर रहे हैं। श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल, और जापान जैसे देशों में भारतीय पर्यटकों की संख्या बढ़ी है जो अपनी धार्मिक यात्रा पर जाते हैं। श्रीलंका में रामायण ट्रेल पर भारतीय पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है जबकि बौद्ध स्थल जैसे लुंबिनी भी भारतीयों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

आध्यात्मिक पर्यटन का भविष्य

आध्यात्मिक पर्यटन सिर्फ धार्मिक स्थलों की यात्रा नहीं बल्कि जीवन के परिवर्तन के बारे में है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पर्यटन का एक नया दौर शुरू हो चुका है जहां लोग आध्यात्मिकता को आधुनिक जीवनशैली के साथ जोड़कर गहरे अनुभव की तलाश कर रहे हैं। वहीं कहा जा सकता है कि महाकुंभ मेला 2025 ने आध्यात्मिक पर्यटन को एक नई दिशा दी है और यह साबित कर दिया है कि भारतीय आध्यात्मिकता का प्रभाव सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है बल्कि यह विश्वभर में फैल चुका है।

महाकुंभ का वैश्विक प्रभाव

महाकुंभ का असर सिर्फ आध्यात्मिक ही नहीं बल्कि आर्थिक और वैश्विक भी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस आयोजन के लिए 7,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है जिससे न केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण हुआ बल्कि हजारों नौकरियां भी उत्पन्न हुई हैं। महाकुंभ से लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष राजस्व मिलने की उम्मीद है जो उत्तर प्रदेश की जीडीपी में एक महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सेट-टॉप बॉक्स यूजर्स के लिए बड़ी राहत, सर्विस बदलने पर अब नहीं करना होगा....

नईदिल्ली, एजेंसी। देशभर के सेट-टॉप बॉक्स उपयोगकर्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब उन्हें सर्विस प्रोवाइडर बदलने पर नया सेट-टॉप बॉक्स खरीदने की जरूरत नहीं होगी। पहले टाटा स्काई से एयरटेल या किसी अन्य सेवा प्रदाता में शिफ्ट होने पर ग्राहकों को अपना सेट-टॉप बॉक्स भी बदलना पड़ता था लेकिन अब इस झंझट से छुटकारा मिल गया है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने विभिन्न प्रसारकों के बीच एक ही सेट-टॉप बॉक्स के इस्तेमाल और बुनियादी ढांचे को साझा करने की सिफारिश की है। इसके अलावा ट्राई ने आईपीटीवी सेवा प्रदाताओं के लिए न्यूनतम कुल संपत्ति की आवश्यकताओं को भी कम करने की बात कही है। इस फैसले से उपभोक्ताओं को अधिक सुविधा मिलेगी और अतिरिक्त खर्च से भी बचा जा सकेगा।

इलेक्ट्रॉनिक कचरे कम करने की कवायद

सिफारिशों में उपभोक्ता के लिए टेलीविजन चैनल वितरण सेवाओं के विकल्प बढ़ाने और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कम करने के लिए विभिन्न सेवाप्रदाताओं के लिए एक ही सेट-टॉप बॉक्स के इस्तेमाल की बात कही गई है। इसके साथ ही ट्राई ने इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए आईपीटीवी सर्विस देने की न्यूनतम नेटवर्थ 100 करोड़ रुपए की शर्त को हटाने की भी सिफारिश की है। साथ ही रेडियो ब्रॉडकास्टिंग सेवाओं को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाने पर जोर दिया है।

सदर मंजिल हैरिटेज के साथ एटमॉस्फियर कोर ने भारत में भव्य शुरुआत की

भोपाल। एक प्रतिष्ठित ग्लोबल हॉस्पिटैलिटी कंपनी, एटमॉस्फियर कोर ने 22 फरवरी, 2025 को अपने पहले कपल्स-ओनली रिज़ॉर्ट, सदर मंजिल हैरिटेज बाय एटमॉस्फियर भोपाल की शुरुआत के साथ भारत में प्रवेश किया है। सदर मंजिल का उद्घाटन शनिवार 22 फरवरी 2025 को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया गया। इसके साथ ही मेहमानों के लिए इस होटल की आधिकारिक शुरुआत जल्द ही की जाएगी। ऐतिहासिक भोपाल और जीवंत नए भोपाल के बीच महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित सदर मंजिल हैरिटेज में इतिहास का अतुलनीय अनुभव प्राप्त होगा। 19वीं सदी में बेगमों और नवाबों की सभा के लिए इस्तेमाल होने वाले इस ग्रांड हॉल एवं आवास को रिस्टोर करके कपल्स के लिए एक लग्ज़ुरियस रिट्रीट बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, सदर मंजिल हैरिटेज बाय एटमॉस्फियर भोपाल विरासत इस शहर और पूरे मध्य प्रदेश राज्य की समृद्ध पहचान और गौरव का प्रमाण है। 126 साल के इतिहास और विरासत को फिर से जीवंत करके, आइए हम सभी अपने अतीत की इस शानदार याद को गले लगाएं और जश्न मनाएं। अक्षत जैन, सीईओ आरडीबी भोपाल हॉस्पिटैलिटी प्राईवेट लिमिटेड ने कहा, ''भारत में अवार्ड-विनिंग एटमॉस्फियर होटल्स एंड रिज़ॉर्ट्स ब्रांड लाने का यह उपयुक्त समय है। मालदीव के इनोवेटिव हॉस्पिटैलिटी कॉन्सेप्ट्स और स्थानीय विरासत का यह मिलन सदर मंजिल में एक बेजोड़ और नया अनुभव पेश करता है। भारत में बुटीक लग्ज़री के इस नए अनुभव के बारे में श्री विनोद यदुवंशी, डायरेक्टर, आरडीबी भोपाल हॉस्पिटैलिटी प्राईवेट लिमिटेड ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि सदर मंजिल का ऐतिहासिक वैभव उन सैलानियों को बहुत पसंद आएगा, जो रोमांस, अंतर्राष्ट्रीय लग्ज़री, और बीते हुए समय की सुंदरता का अनुभव लेना चाहते हैं।'' इस प्रॉपर्टी में एंटीक फर्नीचर के साथ 22 आकर्षक विंटेज रूम्स और सुइट्स हैं, जो शानदार टुर्कोईज़ और क्रीम कलर्स में फिनिश किए गए हैं। यहाँ हर स्टे की शुरुआत एक नफीस वैलकम से होती है। सबसे पहले एयरपोर्ट पर पारंपरिक रूप से अभिवादन किया जाता है, उसके बाद श्वाफर सिटी ड्राईव कराता है, और मैंशन के गेट पर गुलाब की पंखुड़ियों से मेहमानों का स्वागत किया जाता है। अब यह बेगम के खुशनुमा प्लान के साथ भारत के लिए अनुकूलित किया गया है। इसमें स्टे की अवधि के आधार पर लग्जुरियस एकोमोडेशन, एयरपोर्ट से आवागमन, शाकाहारी ब्रेकफास्ट और डिनर, अनलिमिटेड प्रीमियम स्पिरिट्स एवं वाईन, हाई-टी, लाईव म्यूज़िक एवं डांस, शैम्पेन टूर, और स्पा ट्रीटमेंट शामिल हैं।

जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल को एआईएमए मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स में मिला बिजनेस लीडर ऑफ डिकेड का पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल को 15वें एआईएमए मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स में प्रतिष्ठित बिजनेस लीडर ऑफ डिकेड सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान जेएसडब्ल्यू ग्रुप को एक वैश्विक समूह में विस्तारित करने में उनके परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए दिया गया है।

श्री जिंदल को यह पुरस्कार आज यहां आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री और विशिष्ट अतिथि श्री जितिन प्रसाद, वाणिज्य एवं उद्योग; इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री की उपस्थिति में प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र केपीएमजी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री येजदी नागपुरेवाला ने पढ़ा। श्री जिंदल के नेतृत्व में, जेएसडब्ल्यू समूह ने उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है, जिससे उसका राजस्व दोगुना से भी अधिक होकर 24 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। उनकी रणनीतिक दृष्टि के कारण जेएसडब्ल्यू ने अपनी वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता को लगभग तीन गुना बढ़ाकर 39 मिलियन टन कर लिया है, साथ ही समूह को अक्षय ऊर्जा और सीमेंट निर्माण में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

यह पुरस्कार भारत के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की पहल के साथ जेएसडब्ल्यू समूह को जोड़ने में श्री जिंदल की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। उनके नेतृत्व में, जेएसडब्ल्यू भारत के बंदरगाह क्षेत्र में दूसरी सबसे बड़ी निजी कंपनी के रूप में उभरी है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों और सैन्य ड्रोन सहित भविष्य-केंद्रित क्षेत्रों में भी कदम रख रही है। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स भारत के व्यापार परिदृश्य में उत्कृष्ट योगदान का जश्न मनाता है। इस समारोह में प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेता, उद्योग जगत के नेता और एआईएमए के पदाधिकारी इस ऐतिहासिक 15वें संस्करण के लिए एक साथ आए।

भारतीय स्टील कंपनियों पर चीनी स्टील का दबाव

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन से सस्ते स्टील के बढ़ते आयात के कारण भारतीय स्टील कंपनियों को भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार जल्द ही चीन से आने वाले सस्ते स्टील पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने पर विचार कर रही है। टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टीवी नरेंद्रन ने बताया कि सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है और इंडस्ट्री के अनुरोध पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। टीवी नरेंद्रन ने कहा कि भारतीय बाजार में चीनी स्टील का बढ़ता आयात कंपनियों को नुकसान पहुंचा रहा है। इसके अलावा, अमेरिका में स्टील आयात पर संभावित टैरिफ वृद्धि से हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टील एसोसिएशन ने पहले ही डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडी को आवेदन दिया है, जिस पर विचार किया जा रहा है। नरेंद्रन ने यह भी कहा कि भारत स्टील उत्पादन के लिए दुनिया की सबसे अच्छी जगहों में से एक है, क्योंकि यहां आधुनिक स्टील प्लांट और लौह अयस्क का बड़ा भंडार मौजूद है। लेकिन चीनी कंपनियां कम कीमतों पर स्टील बेचकर भारतीय उद्योग को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि चीनी स्टील इंडस्ट्री घाटे में है और वहां की सरकारी कंपनियां नुकसान झेल रही हैं, जबकि भारत में स्टील इंडस्ट्री का संचालन निजी कंपनियों द्वारा किया जाता है। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति आयात पर शुल्क बढ़ाने के प्रस्ताव को लागू करते हैं, तो इससे टाटा स्टील को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान होगा। कंपनी अपनी मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं से अमेरिकी बाजार में भी स्टील निर्यात करती है, जो नए टैरिफ से प्रभावित होगा।

टाटा एआईए लाइफ का नया मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स पेंशन फंड

● आपके लिए रिटायरमेंट वेल्थ को बढ़ाने का एक स्मार्ट तरीका ● सुरक्षित और समृद्ध रिटायरमेंट की योजना बनाने वालों के लिए एक अनूठा अवसर

मुंबई एजेंसी। लोगों में वित्तीय जागरूकता बढ़ रही है और डिजिटल पहुंच निवेश को सरल बना रही है, साथ ही नए, लचीले और विकास को बढ़ावा देने वाले रिटायरमेंट समाधानों की ज़रूरत बढ़ती जा रही है। पारंपरिक बचत साधन, सुरक्षित हैं, लेकिन आधुनिक निवेशकों की गतिशील ज़रूरतों को पूरा करने में अक्सर असफल हो जाते हैं। यहीं पर अगली पीढ़ी के वित्तीय उत्पाद, जैसे कि टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) का नया एनएफओ, मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स पेंशन फंड काम आता है। लोगों को बाजार से जुड़े, स्मार्ट समाधानों के साथ सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो उन्हें अपने वित्तीय भविष्य पर नियंत्रण रखते हुए एक मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस बनाने में मदद करते हैं।

रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब सिर्फ बचत करना नहीं है, बल्कि जोखिमों का प्रबंधन करते हुए अपनी संपत्ति बढ़ाना भी रिटायरमेंट प्लानिंग में शामिल होना चाहिए। टाटा एआईए का नया फंड क्वांट-आधारित निवेश रणनीति के ज़रिए पोर्टफोलियो स्थिरता सुनिश्चित करते हुए बाज़ार विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए बनाया गया है। इस फंड में निवेश करके, पॉलिसीधारक निम्नलिखित लाभ उठा सकते हैं-

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, टाटा एआईए के मुख्य निवेश अधिकारी श्री हर्षद पाटील ने कहा- आज रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए एक बेहतर, अधिक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। मल्टीकैप मोमेंटम क्वालिटी इंडेक्स पेंशन फंड उन निवेशकों के लिए बनाया गया है जो अपना भविष्य सुरक्षित करते हुए भारत की आर्थिक वृद्धि से लाभ उठाना चाहते हैं। गति और गुणवत्तापूर्ण निवेश को मिलाकर, हमारा लक्ष्य जोखिम को बेहतर समायोजित करते हुए रिटर्न प्रदान करना है, जिससे हमारे पॉलिसीधारकों को अपने सेवानिवृत्ति के वर्षों में वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिल सके। भारत की अर्थव्यवस्था के दीर्घकालिक विस्तार के लिए तैयार होने के साथ, यह फंड पॉलिसीधारकों को अपने सेवानिवृत्ति लक्ष्यों को सुरक्षित करते हुए देश की विकास कहानी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।

शेयर बाजार इस हफ्ते वापसी करने में रहेगा सफल

नई दिल्ली एजेंसी। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह वैश्विक रुख, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और शुल्क से संबंधित खबरों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। बुधवार को 'महाशिवरात्रि' के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहेंगे।

क्या सोच रहे हैं एक्सपर्ट्स - मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के रिसर्च हेड, संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा, इस सप्ताह बाजार की दिशा मिले-जुले वैश्विक बाजार रुख, अमेरिका की व्यापार नीति की घोषणाओं और रूस-यूक्रेन युद्ध से संबंधित भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर निर्भर करेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, निवेशकों की निगाह आगामी महत्वपूर्ण संकेतकों मसलन अमेरिका के मुख्य पीसीई मूल्य सूचकांक और भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के आंकड़ों पर रहेगी।

पंकज त्रिपाठी जियो-बीपी के नए इंटरनेशनल फ्यूल फॉर इंडिया अभियान का चेहरा बने

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने आज नई दिल्ली में इंडिया एनर्जी वीक 2025 में अग्रणी मोबिलिटी समाधान प्रदाता जियो-बीपी (रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड का ऑपरेटिंग ब्रांड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बीपी का संयुक्त उद्यम) के इंटरनेशनल फ्यूल फॉर इंडिया (आईएफएफआई) अभियान का शुभारंभ किया। लोकप्रिय भारतीय सिनेमा अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मौजूदगी में आईएफएफआई अभियान में दिखाया गया कि जियो-बीपी किस तरह बिना किसी अतिरिक्त लागत के हर भारतीय तक उच्च प्रदर्शन वाले ईंधन पहुंचा रहा है। बीपी के ईंधन अनुसंधान के 100 से अधिक वर्षों के अनुभव का लाभ उठाते हुए, यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी में विश्व स्तर पर प्रशंसित आरएंडडी केंद्रों में विशेषज्ञ प्रौद्योगिकीविदों की गहन जांच के तहत हजारों किलोमीटर से अधिक समय तक भारतीय ईंधन के साथ भारतीय मूल उपकरण निर्माता के इंजनों का परीक्षण करके एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ जियो-बीपी के उच्च प्रदर्शन वाले ईंधन विकसित किए गए हैं। एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ जियो-बीपी में डीजल 4.3 प्रतिशत तक की वृद्धिशील माइलेज का लाभ प्रदान करता है, और एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ जियो-बीपी में पेट्रोल महत्वपूर्ण इंजन भागों को 10 गुना तक साफ रखने में मदद करता है। जियो-बीपी में उच्च प्रदर्शन वाले ईंधन सभी प्रकार के वाणिज्यिक और निजी वाहनों के साथ-साथ गैर-परिवहन खंड में काम करते हैं। स्प्लिट फ्यूल कार ने वाहन के 6-सिलेंडर इंजन के विभिन्न हिस्सों को शक्ति प्रदान करने वाले दो ईंधन टैंक को स्पष्ट रूप से सीमांकित किया है। यह एक पारदर्शी प्रदर्शन है कि कैसे जियो-बीपी में सक्रिय तकनीक के साथ उच्च प्रदर्शन वाला पेट्रोल और साधारण पेट्रोल अलग-अलग तरीके से काम करता है। बोरस्कोप इमेजिंग (मानव शरीर के अंदर देखने के लिए चिकित्सा क्षेत्र में उपयोग किया जाता है) के साथ, प्रदर्शनी में साधारण पेट्रोल के लिए महत्वपूर्ण इंजन घटकों पर उच्च जमाव का निर्माण दिखाया गया, जो अनिवार्य रूप से कम ईंधन दक्षता का कारण बनेगा। यह देखते हुए कि इंजन समान परिस्थितियों में एक ही कार में चल रहा है, यह सक्रिय तकनीक संचालित ईंधन के साथ संचालन के लाभ का प्रमाण है।

कितनी उचित है गंगाजल पर बयान बाजी

रमेश सर्राफ धमोरा

गंगाजल की शुद्धता को लेकर राज्य और केंद्रीय पॉल्यूशन बोर्ड में जो खींचतान मची हुयी है उसका असर कुम्भ स्नान के लिये आने वाले लोगों पर नहीं देखा जा रहा है। आनेवालों की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। लोगों की आस्था में कहीं कोई कमी नही देखी जा रही है। प्रयागराज के महाकुम्भ में करोड़ो लोगो ने स्नान किया है मगर किसी कोई दिक्कत होने की खबर नहीं मिली है। ऐसे में गंगाजल की शुद्धता को लेकर विवाद करने से अच्छा है जनभावनाओं का सम्मान करें।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वान पंडितों का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक होती है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी जा रही है। वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी।

हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। यह दोनों ही घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का भी बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्च स्तरीय जांच हो रही है। जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा।

शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं। आने वाली महाशिवरात्रि पर यह संख्या कई गुना अधिक होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। जिसको लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। ताकि महाकुंभ में किसी तरह की दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चैकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।

जहां एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं

इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए। इन सैंपलों की छह मानकों पानी का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गयी। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डबकी लगाई थी।

महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालो के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए।

शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है। बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं। डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 3 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट देकर बताया कि प्रयागराज संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके बाद यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 18 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक नई रिपोर्ट देकर सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट को झुठला दिया है। इस रिपोर्ट में बताया है कि नाले का पानी प्रयागराज की गंगा-यमुना नदी में सीधे तौर पर नहीं गिर रहा। कुल छह पॉइंट पर पानी नहाने लायक है। सिर्फ शास्त्री ब्रिज के नीचे पानी की गुणवत्ता थोड़ी बहुत सही नहीं है और इसके जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि एनजीटी ने इस नई रिपोर्ट पर असंतोष जताया है। कहा कि अगर सेंट्रल की रिपोर्ट गलत है तो यूपी वाले एक्शन लें। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से गंगा-यमुना के पानी की गुणवत्ता पर एक हफ्ते में नई विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस पर अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी।

दरअसल ये पूरा मामला उन 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है। जो महाकुंभ में संगम स्नान करने प्रयागराज आए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के श्रद्धालुओं पर संभावित असर को देखते हुए ही यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने नई रिपोर्ट बनाकर इसका जवाब दिया है।

गंगाजल की शुद्धता को लेकर राज्य और केंद्रीय पॉल्यूशन बोर्ड में जो खींचतान मची हुयी है उसका असर कुम्भ स्नान के लिये आने वाले लोगों पर नहीं देखा जा रहा है। आनेवालों की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। लोगों की आस्था में कहीं कोई कमी नही देखी जा रही है। प्रयागराज के महाकुम्भ में करोड़ो लोगो ने स्नान किया है मगर किसी कोई दिक्कत होने की खबर नहीं मिली है। ऐसे में गंगाजल की शुद्धता को लेकर विवाद करने से अच्छा है जनभावनाओं का सम्मान करें।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है।)

संपादकीय

सेंसर कितना होगा

डिजिटल मंचों पर अश्लीलता और हिंसा दिखाने की शिकायतों के बीच हानिकारक सामग्री को विनियमित करने के लिए नये कानूनी ढ़ांचे की जरूरत और मौजूदा वैधानिक प्रावधानों की सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय समीक्षा कर रहा है। समय रैना के शो इंडिया'ज गॉट टेलेंट पर रणवीर इलाहाबादिया की आपत्तिजनक अश्लील टिप्पणियों के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए सरकार से इस बाबत कड़े. कदम उठाने को कहा है। पारंपरिक प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री विशिष्ट कानूनों के तहत आती हैं, जबकि ओटीटी, यू-टज्ूब समेत इंटरनेट द्वारा संचालित नई मीड़िया सेवाओं के लिए विशेष प्रावधान जरूरी हैं। इन प्लेटफॉर्म्स को आईटी नियम, 2021 के तहत आचार संहिता का सख्ती से पालन करना जरूर होने के बावजूद अनुचित सामग्री परोसी जा रही है। मंत्रालय के अनुसार ओटीटी इसका पालन नहीं करता तो सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67, 67ए व 67बी के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इन धाराओं के तहत अश्लील सामग्री का प्रसारण/प्रकाशन दंड़नीय है। बीते साल 18 ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, 19 वेबसाइट्स, दस एप्स और 57 सोशल मीड़िया अकाउंट्स ब्लॉक किए जाने के बावजूद यह प्रवृत्ति नहीं रोक पाना द्योतक है कि अश्लील सामग्री और अभद्र भाषा प्रयोग करने वालों पर लगाम कसना कठिन है। सरकार ने ओटीटी सामग्री को उम्र के आधार पर निर्धारित करने को कहा है। हालांकि वे इसे तफसीलन पहले ही अंकित करते हैं। सवाल सिर्फ यू-टज्ूबर या इंफ्लुएंसर द्वारा सोशल मीड़िया में अश्लील सामग्री के माध्यम से अधिक से अधिक व्यूज पाने का नहीं है। इस मामले में आम आदमी भी पीछे नहीं है। तय है कि अभिव्यक्ति की आजादी की आड़. में मसखरी या नाजायज बातें करने का इख्तियार किसी को नहीं दिया जा सकता परंतु इस पर भी गहन विमर्श जरूरी है क्योंकि भारत में अश्लील सामग्री खास तौर पर पोर्नोग्राफी देखने वालों की संख्या दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। बेशक, इंटरनेट तक आधे देशवासियों की सीधी पहुंच पर हम इतरा सकते हैं पर यह न भूलें कि दरअसल, बहुसंख्य नागरिक इस सुविधा का इस्तेमाल अपनी कुंठित मानसिकता और कामुक उन्माद के लिए कर रहे हैं। सरकार या कानून एक हद तक ही अश्लीलता रोक सकते हैं। अश्लीलता या फूहड़ता के माध्यम से चर्चा पाने वालों को रोकने का बेहतरीन तरीका है, उनकी उपेक्षा करना। जो इंटरनेट प्रयोगकताओं को स्वयं सीखना होगा।

चिंतन-मनन

निरोगी काया भी हो ध्येय

सच्चे अर्थों में जीवन उतने ही समय का माना जाता है, जितना स्वस्थतापूर्वक जिया जा सके। कुछ अपवादों को छोड़कर अस्वस्थता अपना निज का उपार्जन है। सृष्टि के सभी प्राणी प्रायः जीवन भर निरोग रहते हैं। मनुष्य की उच्छृंखल आदत ही उसे बीमार बनाती है। जीभ का चटोरापन अतिशय मात्रा में अखाद्य खाने के लिए बाधित करता रहता है। जितना भार उठ नहीं सकता, उतना लादने पर किसी का भी कचूमर निकल सकता है। बिना पचा सड़ता है और सड़न के रक्त प्रवाह में मिल जाने से जहां भी अवसर मिलता है, रोग का लक्षण उभर पड़ता है। अस्वच्छता, पूरी नींद न लेना, कड़े परिश्रम से जी चुराना, नशेबाजी जैसी आदत स्वास्थ्य को जर्जर बनाने का कारण बनते हैं। खुली हवा और रोशनी से बचना, घुटन भरे वातावरण में रहना भी बीमारी का बड़ा कारण है। भय या आक्रोश जैसे उतार-चढ़ाव भी मनोविकार बढ़ाते और व्यक्ति को सनकी, कमजोर व बीमार बनाते हैं।

शरीर को निरोगी बनाकर रखना कठिन नहीं है। आहार, श्रम एवं विश्राम का संतुलन बिठाकर हर व्यक्ति आरोग्य एवं दीर्घजीवन पा सकता है। दूसरे नियम भी ऐसे नहीं, जिनकी जानकारी आमजन को न हो सके। उन्हें थोड़े से प्रयास से जाना जा सकता है। आलस्य रहित, श्रमयुक्त व्यवस्थित दिनचर्या का निर्धारण करना सरल है। स्वाद को नहीं-स्वास्थ्य को लक्ष्य करके उपयुक्त भोजन की व्यवस्था हर स्थिति में बनानी संभव है। सुपाच्य आहार समुचित मात्रा में लेना जरा भी कठिन नहीं है।

शरीर को उचित विश्राम देकर हर बार तरोताजा बना लेने के लिए कहीं से कुछ लेने नहीं जाना पड़ता। यह सब असंयम एवं असंतुलन वृत्ति के कारण नहीं सध पाता और हम सुर दुर्लभ देह पाकर भी नर्क जैसी यातनाग्रस्त स्थिति में पड़े रहते हैं। शारीरिक आरोग्य के मुख्य आधार संयम एवं नियमितता ही है, इनकी उपेक्षा करके मात्र औषधियों के सहारे आरोग्य लाभ का प्रयास मृग मरीचिका के अतिरिक्त और कुछ नहीं है। आवश्यकता पड़ने पर औषधियों का सहारा लाठी की भांति लिया तो जा सकता है, किन्तु चलना तो पैरों से ही पड़ता है। शारीरिक आरोग्य एवं सशक्तता जिस जीवनीशक्ति के ऊपर आधारित है उसे बनाये रखना इन्हीं माध्यमों से संभव है।

अपने ही घर में असुरक्षित होती बच्चियां

मुकेश तिवारी

आजकल मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं तेजी से बढ़ रही है। ऐसे कई मामले हाल ही में प्रकाश में आए हैं जिनमें पिता या करीब के रिश्तेदार ने ही ऐसा घृणित काम किया है दिलों दिमाग को झकझोरा कर रख देने वाली इन घटनाओं ने पवित्र रिश्तो। जिन पर समाज टिका है पर सवालिया निशान लगा दिया है घर अब तक बच्चों के लिए सबसे महफूज जगह थी। वहां भी अब वे असुरक्षित हो गए है।

भारत भर में इन दिनों छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है चौंकाने वाली बात यह है कि मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वाला कोई अपना करीबी रिश्तेदार से लेकर स्कूल शिक्षक भी हो सकता है। वर्तमान में ऐसी बहुत-सी घटनाएं प्रकाश में आई है। जिसमें पिता ने ही बेटी के साथ। भाई ने बहन के साथ। चाचा ने भतीजी और यहां तक की दादा ने पोती के साथ स्कूली शिक्षक ने मासूम छात्रा के साथ दुष्कर्म जैसा घिनौना कृत्य किया। उधर भोपाल के हमीदिया में 11साल की बच्ची की मौत के बाद बड़ा सवाल -मासूम बच्चियों से बार बार दरिंदगी करने वाले कैसे कोर्ट से छूटते रहे?

50 वर्षी फारुख ने दिल्ली के झोपड़ पट्टी क्षेत्र में अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ पत्नी की गैरमौजूदगी में बलात्कार किया। शासकीय कार्यालय में कार्यरत पवन ने अपनी 14 वर्षीय बेटी को डरा धमकाकर उसके साथ यौनाचार किया।बी एस एफ में कार्यरत भोले पाल ने अपने घर में काम करने वाली नौकरानी की बेटी से कई दिनों तक अपनी हवस शांत की।दिल्ली के हर तरह से साधन संपन्न परिवार से ताल्लुक रखने वाले 24 वर्षीय विनोद ने अपनी 10 वर्षीय सौतेली बहन के साथ तकरीबन तीन दिनों तक यौन दुराचार किया। सुशील कुमार ने त्रिलोकपुरी में शशि गार्डन में अपने पड़ोस की 8 बषीय बच्ची से बलात्कार किया। रिश्ते में सुशील मासूम बच्ची का चाचा था। गांव की 10 वर्षीय भोली भाली बच्ची के साथ धर्मवीर ने बलात्कार किया। मुरादाबाद रेलवे कालोनी के अनिल कुमार ने 13 वर्ष की लड़की के साथ शौचालय में बलात्कार किया। यह घटनाएं दिल और दिमाग को झांकझोर कर रख देती हैं साथी उन पवित्र रिश्तों में घृणा भी पैदा करती हैं जिस पर समस्त भारतीय समाज टिका हुआ है। वर्तमान समय में पुरुष की शारीरिक हवस इतनी बढ़ गई है कि उसने 60 साल की बूढी औरत से लेकर 4 महीने की मासूम बच्ची को भी नहीं छोड़ा है। शाजापुर जिले में रमेश सिंह ने साल 2003में 5साल की बच्ची से दरिंदगी की कोर्ट से उसे 10साल की सजा मिली।बर्ष 2014मे वह सजा काटकर बाहर आया तो उसने आष्टा में 8साल की मासूम के साथ दुष्कर्म किया लोअर कोर्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई। तो आरोपी ने हाईकोर्ट में सजा रिवीजन की अपील की गई। तो बर्ष 2019मे कोर्ट ने उसे बरी कर दिया। कोर्ट से छूटते ही गत 25फरवरी 2025को उसने नरसिंहगढ (राजगढ़) में 11साल की मूक बधिर बच्ची को सोते समय अगवाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। उसने दुष्कर्म के दौरान बच्ची को ऐसे जख्म दिए कि उसने भोपाल के हमीदिया अस्पताल में 8फरवरी 2025 को दम तोड दिया। दुष्कर्म के आरोपी रमेश सिंह की 27व 16साल की दो बेटियां और एक बेटा है वह अपनी दोनों बेटियों पर भी बुरी नजर रखता है। ऐसा ही एक मामला मध्य प्रदेश के ही विदिशा में भी सामने आ चुका है। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक मैरिज गार्डन में शादी समारोह के दौरान गोलू उर्फ. कोमल अहिरवार 28 में 3 साल की बच्ची को अगवा किया और उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की। जांच में पता चला कि 2015 में भी वह इसी मैरिज गार्डन में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म कर चुका है।लोअर कोर्ट ने उसके अपराध को देखते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी हालांकि कोर्ट ने उसे बरी कर दिया।

पिता, भाई, चाचा और दादा अपने ही खून से आंखें चुराकर उनके शरीर का शोषण करते हैं।एक अजीब सा वीभत्स भाव तब आता है जब कोई पिता अपनी बेटी को हवस का शिकार यह कहकर बनता है कि जब पेड़ मैंने लगाया है तो फल कोई और क्यों खाए।मैं ही क्यों न खाऊं ,पिता, दादा, और भाई बलात्कारी जरा सोचिए ऐसी त्रासदी की कल्पना करना भी कठिन है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए।

हमेशा से समाज में लड़कियों के साथ दोयम दर्जे का सलूक तो चलता ही था। लेकिन समाज की कुछ मयार्दाएं हुआ करती थी। पुरुष अपने ऊपर संयम रखते थे। धीरे धीरे औरतों के साथ होने वाला गलत व्यवहार शिशु हत्या और दहेज हत्या की तरफ बढ़ा लेकिन पराकाष्ठा तब हुई जब कोई अपनी बहन, बेटी ,भतीजी और पोती के साथ दुष्कर्म करने लगा। परिवारों में पनपने वाली इस नई संस्कृति को अनैतिकता अश्लीलता या संवेदनहीनता कुछ भी कहे लेकिन अब समस्या यह है की छोटी बच्चियां या औरतें अपने परिवार में ही असुरक्षित हो तो कहां जाए ?किस पर भरोसा करें? किससे संरक्षण मांगे? क्या इन सवालों के उठने के बाबजूद भारतीय समाज स्वयं को श्रेष्ठ और पश्चिम को कुत्सित मान सकता है।

आखिर ऐसे कौन से ऐसे कारण हैं जिनके वशीभूत होकर पुरुष अपना संयम खो बैठते हैं? निचले तबके के लोगों ने बताया कि नशे के कारण पुरुष अपना संयम खो बेठते है। जगह की कमी के कारण सात आठ लोग एक ही झुग्गी में सोते हैं और रात को

अश्लील फिल्म देखकर वहन , बेटी को ही अपनी हवस का शिकार बना डालते हैं। शराब के नशे में शारीरिक भूख इतनी तीव्र होती है कि अपने पराए का भेदभाव भुला देती है। खासतौर से अशिक्षित लोगों के लिए क्या अच्छा है क्या बुरा? कुछ समझ ही नहीं आता। हैरानी की बात है कि शराब के नशे में बाप को बेटी नहीं हवस मिटाने का सामान नजर आता है।

यहां तो रही निम्न वर्ग की बात, उच्च या मध्यम वर्ग में भी ऐसा ही है। उनकी बेटियां भी अपने घरों में असुरक्षित है। आज समस्त भारतीय समाज की आसकित पश्चिमी देशों की तरफ बढ़ रही है। रहन-सहन आचार विचार माहौल और यहां तक की रिश्तो में मतभेद न रखने की प्रवृत्ति भी वही की देन है। आधुनिक जीवन पश्चिम की भांति विवाह और परिवार की लंबे समय तक एक जुटता में विश्वास नहीं रख रहा।वैवाहिक जीवन तेजी से असंतोषपूर्ण होता जा रहा है। घुटन तनाव और टक्कर संबंध विच्छेद और तलाक का दौर पश्चिम की तर्ज पर चल पड़ा है। ऐसे माहौल में पुरुष उच्छृंलन हो उठते हैं और फिर उनकी शिकार पत्नी से लेकर बहन बेटी। से लेकर छात्रा तक कोई भी हो सकती है।

(लेखक के विषय में -मध्यप्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

आधी आबादी : आगे बढ़ाने की कोशिशें धुंधली

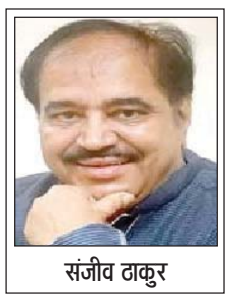

संजीव ठाकुर

भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है। स्वतंत्र काल से शुरू हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। आज भी महिलाएं सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक-सांस्कृतिक, सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही हैं। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है, बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत की विकास की दर बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद में है।

विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक-आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ी होती दिखाई दे रही हैं। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है। प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदूषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया। महिलाओं को घर की चारदीवारी में बंद होना पड़ा था। इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं। भारत एवं विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं, जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है। उनके नामों की सूची लंबी है। उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही हैं। इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक प्रबंधन करती आ रही हैं।

अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही हैं। जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं। महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन, मेडिकल, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी, एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही हैं, और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं। सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उनका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं हैं, चाहे शनि सिंगनापुर, हाजी अली दरगाह या तीन तलाक का मामला हो, इनकी सजगता सामाजिक परिवर्तन लाई है। सरकार भी इनकी भूमिका को स्वीकार करते हुए थल, जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका में इनकी नियुक्ति कर रही है। राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तर पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए हैं किंतु हमें हमेशा स्मरण रखना चाहिए कि देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी और सम्मान नहीं मिल पा रहा है, जिसके लिए वे हकदार हैं।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी 25प्र. से भी कम रह गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक-मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है। इसके अलावा, दुनिया की सबसे कम वेतन वाली नौकरियों में 60प्र. महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया गया है। इन परिस्थितियों में महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी किए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड़ अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है कि किस प्रकार महिलाओं की श्रम बल में अधिक

भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करती है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है कि महिलाएं कोमल हैं पर कमजोर नहीं हैं। शक्ति का नाम ही नारी है। भारत के विकास में सही मायने में 50प्र. भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं देश को विश्व के विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं। जरूरत इनकी शक्ति, क्षमता और योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में भारत के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक विकास में महिलाओं के सवांगीण विकास को आधार बना कर आर्थिक महाशक्ति बनने का स्वप्न साकार हो सकता है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इसलिए फिल्म निर्माता बनना चाहते थे अनुराग कश्यप, सिनेमा को लेकर की अपने मन की बात

अनुराग कश्यप ने सिनेमा के प्रति को दिखाया है। निर्माता अनुराग कश्यप ने कहा कि जब चीजें खराब हो जाती हैं, तो वे खुद को याद दिलाते हैं कि वे कहां से आए हैं। अनुराग ने यह भी कहा कि उनके पास आज इंडस्ट्री में काम कर रहे, कई स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं की तुलना में अधिक विशेषाधिकार हैं और यही वह चीज है जिस पर वे अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं के बजाय ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

इसलिए फिल्म निर्माता बनना चाहते थे अनुराग

फोर्ब्स को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इन दिनों दर्शक बड़े बजट की फिल्मों को देखना पसंद करते हैं, इस बीच वे स्ट्रीमिंग पर आने वाली छोटी फिल्मों का इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने भविष्य की ओर देखना बंद कर दिया है। अब मैं उन चीजों पर बात करना चाहता हूं, जिस पर बात करना लोगों ने बंद कर दिया है। मैं एक फिल्म निर्माता बनना चाहता था क्योंकि मुझे बड़े पर्दे पर फिल्में देखना पसंद है।

सिनेमा से है बेहद प्यार

अनुराग कश्यप ने कहा कि मैं घर पर जो रुकावटें आती हैं, उसके कारण घर पर फिल्में देखना पसंद नहीं करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे सिनेमा में ही फिल्म देखने में मजा आता है। अनुराग कश्यप ने कहा, क्या होगा अगर सब कुछ खराब हो जाए। अगर मेरा सारा काम गलत हो जाए। मैं जहां से आया हूं, वहीं चला जाऊंगा। मैं सिनेमा से बहुत प्यार करता हूं।

निर्माताओं के साथ होती है तुलना

अन्य निर्माताओं के साथ तुलना किए जाने पर अनुराग बसु ने कहा कि मेरी अन्य निर्देशकों के साथ तुलना क्यों की जाती है। मुझे एक स्वतंत्र फिल्म निर्माता क्यों नहीं माना जाता। बता दें कि निर्माता अनुराग कश्यप की कन्नड़ फिल्म टाइगर्स पॉन्ड बर्निल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई।

नरगिस फाखरी ने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से की गुपचुप शादी!

एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड टोनी बेग से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों ने हाल ही में लॉस एंजिल्स में गुपचुप तरीके से शादी की। इसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। अब यह कपल स्विट्ज़रलैंड में अपना हनीमून मना रहा है। हालांकि, नरगिस ने अभी तक इस मामले में कोई रिएक्शन नहीं दिया है। रेडिट पर नरगिस फाखरी और टोनी बेग की कुछ तस्वीरें शेयर की गई हैं। इसमें उनका वेडिंग केक दिखाई दे रहा है, जिस पर हैप्पी मैरिज लिखा हुआ है। साथ ही दोनों के साइन भी किए गए हैं।

कौन हैं टोनी बेग

टोनी बेग कश्मीर के रहने वाले एक बिजनेसमैन हैं। दोनों की पहली मुलाकात एक पार्टी के दौरान हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नरगिस और टोनी 2022 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। नरगिस ने शेयर कीं स्विट्जरलैंड की फोटोज नरगिस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर स्विट्ज़रलैंड की कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके अलावा, एक्ट्रेस टोनी की स्टोरीज भी री-शेयर कर रही हैं। इस वजह से सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि दोनों ने वास्तव में शादी कर ली है और अब वे हनीमून मना रहे हैं।

उदय चोपड़ा को कर चुकी हैं डेट

उदय चोपड़ा ने साल 2013 में नरगिस फाखरी को डेट करना शुरू किया था। एक-दूसरे को पांच साल तक डेट करने के बाद, दोनों ने 2017 में ब्रेकअप कर लिया था। हालांकि, एक इंटरव्यू में उदय के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए नरगिस ने कहा था, उदय और मैंने 5 साल तक डेट किया और वह भारत में मुझे मिले सबसे खूबसूरत इंसान थे। मैंने मीडिया के सामने यह कभी नहीं कहा क्योंकि लोगों ने मुझे अपने रिश्ते को छिपाकर रखने के लिए कहा था, लेकिन मुझे इसका अफसोस है।

इन फिल्मों में काम कर चुकीं नरगिस

मॉडलिंग की दुनिया में अपनी जगह बनाने के बाद नरगिस ने 2011 में फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद नरगिस फिल्म मद्रास कैफे, मैं तेरा हीरो, अजहर, हाउसफुल 3 और अमावस जैसी फिल्मों में नजर आईं।

तीन मिनट के रोल के लिए वसूले करोड़ों?

फिल्म डाकू महाराज में उर्वशी का रोल बहुत बड़ा नहीं है। मगर, शुरुआत से उन्होंने इस तरह का माहौल बनाकर रखा कि जैसे वे फिल्म की लीड अदाकारा हैं। इसे लेकर उन्हें काफी ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ी है। अब एक बार फिर उर्वशी इस फिल्म में अपनी फीस को लेकर चर्चा में आ गई हैं। फिल्म में उर्वशी का रोल महज तीन मिनट का रहा है। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि इसके लिए उन्हें अच्छा-खासा भुगतान किया गया है।

तीन मिनट का रोल और फीस इतने करोड़

फिल्म डाकू महाराज में उर्वशी रौतेला की फीस को लेकर अटकलें लगी हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री को अपने करीब तीन मिनट के रोल के लिए तीन करोड़ रुपये फीस दी गई है। यानी एक मिनट के लिए एक करोड़ रुपये। हालांकि, खबरों में किए जा रहे दावों की अभी उर्वशी या किसी की तरफ से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

इस गाने से बटोरी चर्चा

उवर्शी ने फिल्म डाकू महाराज के दाबिड़ी-दीबिड़ी गाने से काफी लोकप्रियता हासिल की है। इसमें वे नंदमुरी बालकृष्ण के साथ नजर आईं। गाने में उर्वशी के डांस मूव्स पर भी काफी विवाद हुआ। 12 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई डाकू महाराज आज 21 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

मोहनलाल ने कंफर्म की दृश्यम 3

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल जल्द ही दृश्यम फ्रेंचाइजी के अगले भाग में नजर आने वाले हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया के जरिए दी है। मोहनलाल ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट से लिखा, अतीत कभी शांत नहीं रहता। दृश्यम 3 कंफर्म। इस एलान के बाद फैंस का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ गया है। लोग सोशल मीडिया पर कमेंट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्लासिक क्रिमिनल वापस आ रहा है। एक और यूजर ने लिखा, इस फिल्म के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती। इसके अलावा और भी यूजर्स कमेंट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

आयुष्मान के साथ पर्दे पर जमेगी शरवरी वाघ की जोड़ी

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सूरज बड़जात्या को परिवारिक और रोमांटिक कहानियों को बड़े पर्दे पर पेश करने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनकी अगली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शरवरी वाघ को आयुष्मान खुराना के साथ सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म के लिए कास्ट किया गया है।

इस वजह से किया गया कास्ट

निर्देशक को हम साथ-साथ हैं, मैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन जैसी पारिवारिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट के अनुसार शरवरी ने इस भूमिका के लिए सूरज बड़जात्या की तरफ से तय किए गए सभी मानदंडों को पूरा किया है। खासकर फिल्म में मासूमियत और संवेदनशीलता को शानदार तरीके से व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें इस भूमिका के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया।

पहली बार जमेगी जोड़ी

दिसंबर 2024 में यह जानकारी सामने आई थी कि आयुष्मान खुराना सूरज बड़जात्या की फिल्म में प्रेम के किरदार में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सूरज बड़जात्या को अपने आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश थी। इस बार उन्होंने आयुष्मान खुराना को चुना है, जिनकी छवि परिवारों के बीच खासी लोकप्रिय है। यह आयुष्मान खुराना और शरवरी की एक साथ पहली फिल्म होगी।

राजकुमार राव निभाएंगे सौरव गांगुली का रोल

राजकुमार राव जल्द ही अपकमिंग बायोपिक फिल्म में पूर्व भारतीय क्रिकेट कैप्टन सौरव गांगुली की भूमिका में नजर आएंगे। काफी समय से हीरो को लेकर चर्चा हो रही थी कि ऑन-स्क्रीन सौरव की भूमिका में कौन नजर आएगा। अब खुद क्रिकेटर ने अनाउंस किया है कि बड़े पर्दे पर उनकी भूमिका राजकुमार राव अदा करेंगे। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए सौरव गांगुली ने कहा, 'जो मैंने सुना है, उसके अनुसार राजकुमार राव लीड रोल निभाएंगे, लेकिन डेट को लेकर इश्यू है। इसलिए इस बायोपिक फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने में एक साल से ज्यादा का समय लग जाएगा।' यह बायोपिक फिल्म फिलहाल शूटिंग के स्टार्टिंग फेज में है। लेकिन इसकी अनाउंसमेंट के बाद से एक्टर के फैंस काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि मेकर्स ने फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है। फिल्म के नाम और अन्य कलाकारों का नाम भी अभी नहीं बताया गया है।

मुश्किल वक्त मूव ऑन करने में यकीन करता हूं

बीते लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी के कारण चर्चा में रहने वाले अर्जुन कपूर इन दिनों खबरों में हैं अपनी नई फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी को लेकर। अपनी पिछली फिल्म सिंघम अगेन में वे एक नेगेटिव किरदार में दिखे थे, मगर अब वे थिएटर में रोम-कॉम रूप में नजर आएंगे। इस मुलाकात में वे शादी, अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ाव, सफर और अतीत को याद करते हैं।बीते लंबे समय से फिल्में थिएटर में वो जलवा नहीं दिखा पा रही हैं। मगर अर्जुन इस मामले में प्रेशर फील नहीं करते। वे कहते हैं, प्रेशर लेने से क्या होगा? हम अदाकार हैं। हमारा काम अभिनय करना है। आज का दर्शक बहुत समझदार हो गया है। इस सचाई को स्वीकारना होगा कि फिल्म अच्छी होगी तो चलेगी।

मेरे वैल्यूज आज भी जस के तस हैं

आज से तकरीबन 13 साल पहले अर्जुन कपूर ने इश्कज़ादे से फिल्मों में एंट्री की थी। तब से लेकर अब तक के अपने सफर के बारे में वे कहते हैं, इश्कजादे में आपने जिस मासूम और वल्नरेबल लड़के को देखा था, वही वल्नरेबिलिटी आज भी है। दौर बदल गया है, चीजें बदल गई हैं, मगर मेरे कोर वैल्यू जस के तस हैं। मेरे माता-पिता और परिवार ने जो कुछ सिखाया है। मैं आज भी वही हूं। दस-बारह सालों में मेरी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए, मगर मैं अटल रहा हूं। मैंने अपने काम से जवाब दिया, उन लोगों को जिन लोगों ने मुझ पर सवाल उठाए। मैं लगातार अपना काम करता गया। इश्कजादे, टू स्टेट, की एंड का, संदीप और पिंकी फरार, मुबारका जैसी फिल्मों से मैं ऑडियंस का प्यार पाता गया। मगर सिंघम अगेन में मुझे दर्शकों और क्रिटिक्स का प्यार मिला है, तो वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। अब मुझे अपनी इस नई फिल्म से बहुत उम्मीद है। मैं कह सकता हूं कि मेरा सफर शानदार रहा और आज मैं जो कुछ हूं, इसमें मेरी यात्रा का बहुत बाद योगदान रहा है।

शादी आज भी हमारे समाज में अहम है

अर्जुन की ताजा-तरीन फिल्म शादी -ब्याह पर आधारित है। असल जिंदगी में वे शादी के बारे में कहते हैं, हम जिस देश में पले-बढ़े हैं। उसकी सभ्यता और विचारधारा को समझना बहुत जरूरी है। उसमें शादी एक अहम भूमिका अदा करता है। ऐसे में आपके बड़े-बूढ़े चाहते हैं कि आप शादी करके खुश रहें, स्थायी हो जाएं, आपको भागदौड़ भरी जिंदगी में एक संतुलन मिले। आप जब घर लौटें, तो घर पर एक आधार पाएं। मैं इस विचारधारा से सहमत हूं कि आपकी एक रिलेशनशिप हो जो शादी में तब्दील हो। मगर अब बात बदल गई है। पहले आप दो लोग एक समय में शादी करके एक साथ अपनी जिंदगी बनाते थे, मगर अब ऐसा हो गया है कि पहले जब आप अपनी जिंदगी संभाल पाएंगे, उसी के बाद किसी को अपने जीवन में ला पाएंगे। आज शादी में स्टेबिलिटी पहले देखी जाती है, मगर इसके बावजूद यही कहूंगा कि शादी आज भी हमारे समाज में बहुत मजबूत है।

जिस फिल्म में असिस्टेंट था, आज उसी के पार्ट 2 हीरो हूं

फिल्म परिवार के होने के साथ-साथ वे 16 साल की उम्र में सहायक निर्देशक भी रहे। वे कहते हैं, देखिए मैं सिनेमा के बैकग्राउंड से हूं। घर पर खाना परोसा जाता तो सिनेमा के साथ साथ ही बात शुरू होती है और सिनेमा के साथ ही बात खत्म होती है। मगर यदि आपको सिनेमा के क्षेत्र में कुछ करना है, तो कुरुक्षेत्र में तो उतरना ही पड़ेगा। मैं उतर पड़ा सहायक निर्देशक के रूप में। मैंने कल हो न हो से असिस्टेंट डायरेक्टर का काम करना शुरू किया। मैंने सलाम-ए-इश्क और नो एंट्री में असिस्ट किया था और अब जिंदगी ऐसे घूम कर आ गई है कि मैं नो एंट्री 2 में अभिनय करने वाला हूं। क्राफ्ट के प्रति मेरा पैशन के कारण ही मुझे यहां डाला गया कि मैं सिनेमा की बारीकियों को समझ सकूं। फिल्म निर्माण बहुत ही पेचीदा प्रक्रिया है। सबसे बड़ी बात ये है कि फिल्म के एक विचार के साथ पूरा कास्ट और क्रू एक साथ आगे बढ़ता है। लोगो को शोहरत और लोकप्रियता दिखती है, मगर जो एक मेहनत होती है, वो नहीं दिख पाती।

आज की जनरेशन पर सोशल मीडिया का बहुत प्रेशर है

बीते वक्तों में अर्जुन एक तरफ ऑटोइम्यून डिसऑर्डर से गुजरे तो निजी जिंदगी में ब्रेकअप का सामना भी किया। बहुत पहले ही वे अपनी मां को भी गंवा चुके थे। मगर उनका मानना है कि उनकी जिंदगी के उतार-चढ़ावों ने उन्हें मजबूत बनाया। वे कहते हैं, अगर जिंदगी में सबकुछ सुलझ जाए, तो जीवन बहुत बोरिंग हो जाएगा। मेरी जिंदगी में काफी ऊंच-नीच हुई है। आपके साथ जब कुछ बुरा हो रहा होता है, तो आप उसे एक बाधा के रूप में देख कर ये सोच सकते हो कि ऐसा मेरे क्यों हो रहा है? मैंने ऐसा क्या किया? आप हालात या लोगों को दोष दे सकते हैं, जो आम तौर पर होता है और आज की जनरेशन में तो ज्यादा ही होता है, क्योंकि आज सोशल मीडिया का प्रेशर बहुत ज्यादा होता है। आप लोगों की कामयाबी देखते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो जाएंगे रोहित और शमी? आया ये बड़ा अपडेट

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के भारत बनाम पाकिस्तान मैच में भारतीय टीम के लिए दो प्रमुख खिलाड़ी रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी चोटिल हो गए थे। कप्तान रोहित शर्मा की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था जबकि मोहम्मद शमी पिंडली में दर्द महसूस कर रहे थे। इन दोनों खिलाड़ियों की चोट के बाद फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों में चिंताएं बढ़ गई थीं, लेकिन अब श्रेयस अय्यर ने राहत की खबर दी है कि इन दोनों को लेकर कोई खास चिंता की बात नहीं है।

रोहित शर्मा की हैमस्ट्रिंग की चोट

पाकिस्तान की पारी के अंतिम ओवरों में जब रोहित शर्मा गेंद पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे, तो उन्हें कड़ी मेहनत करते हुए देखा गया। कमेंटरी कर रहे डेल स्टेन ने जब देखा कि रोहित कुछ असहज नजर आ रहे हैं, तो उन्होंने अनुमान लगाया कि कप्तान को हैमस्ट्रिंग से जुड़ी समस्या हो सकती है। इस दौरान रोहित काफी देर तक मैदान से बाहर रहे, लेकिन श्रेयस अय्यर ने कहा कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि रोहित ने अपनी चोट के बारे में चिंता जताई थी, लेकिन वे सहज थे और इसे ज्यादा गंभीर नहीं मानते थे।

मोहम्मद शमी की पिंडली की चोट

वहीं, मोहम्मद शमी को पिंडली में दर्द महसूस हुआ, जिसके कारण उन्हें उपचार के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। हालांकि वह कुछ समय बाद मैदान पर लौट आए और उन्होंने अपनी गेंदबाजी जारी रखी, लेकिन वह अपना पूरा 10 ओवर का कोटा नहीं पूरा कर पाए। इसके बावजूद, शमी अब बेहतर महसूस कर रहे थे और उनकी स्थिति स्थिर थी।

श्रेयस अय्यर का बयान और खिलाड़ी की फिटनेस

मैच के बाद श्रेयस अय्यर से इन दोनों खिलाड़ियों की चोट पर सवाल पूछा गया। उन्होंने दोनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त करने के बजाय यह कहा कि उनकी चोटों को लेकर कोई गंभीर चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि दोनों खिलाड़ी ठीक हैं और कोई समस्या नहीं है। मैंने उनसे बात की थी और वे दोनों ही इस बारे में बहुत सहज थे।'

भारत का अगला मुकाबला न्यूजीलैंड से

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर शानदार शुरुआत की थी। अब भारतीय टीम का अगला मुकाबला 2 मार्च को

न्यूजीलैंड से होने वाला है। अगर टीम इंडिया यह मैच जीतती है, तो वह ग्रुप स्टेज में पहले स्थान पर बनेगी और सेमीफाइनल में उसका सामना ग्रुप बी की नंबर 2 टीम से होगा। भारतीय टीम के प्रदर्शन से उम्मीद जताई जा रही है कि वह टूर्नामेंट में आगे बढ़ेगी।

शुभमन गिल आने वाले वर्षों में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे : पूर्व क्रिकेटर्स

दुबई (एजेंसी)। पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ और नवजोत सिंह सिद्धू ने शुभमन गिल के स्ट्रोक्स और तकनीक से प्रभावित होकर सोमवार को कहा कि यह 25 वर्षीय खिलाड़ी आने वाले वर्षों में भारतीय टीम की बल्लेबाजी की अगुआई करेगा। गिल ने रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान पर भारत की छह विकेट की जीत में 46 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में शतक लगाया था।

बांगड़ ने कहा, 'साफ तौर पर वह आने वाले वर्षों में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभालने वाले खिलाड़ी हैं।' गिल की तकनीक के बारे में बात करते हुए बांगड़ ने कहा, 'उनकी नींव वाकई बहुत मजबूत है और इसमें वनडे में लगभग ढाई साल के प्रदर्शन का आत्मविश्वास भी शामिल है। एकदिवसीय क्रिकेट में वह अद्भुत रहे हैं।' बांगड़ ने कहा, 'उसकी टाइमिंग इतनी शानदार है।'

सिद्धू ने गिल की भी तारीफ की जो 50 ओवर के प्रारूप में शानदार फॉर्म में हैं। सिद्धू ने कहा, 'देखिए बरगद के पेड़ के नीचे कुछ भी नहीं उगता और भारतीय क्रिकेट का बरगद के पेड़ मूल रूप से रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं। लेकिन जब आप शुभमन गिल को देखते हैं तो यह खिलाड़ी उस बरगद के पेड़ की छाया से उभरकर परिपक्व हो गया है।'

पाक कप्तान रिजवान ने माना उनकी टीम चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हुई

-दूसरी टीमों के भरोसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद नहीं करता

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने माना है कि भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार के बाद उनकी टीम चैम्पियंस ट्रॉफी से बाहर हो गयी है। पाक टीम पहले मैच में भी न्यूजीलैंड से हारी थी। ऐसे में लगातार दो हार के बाद उसके नॉकआउट में पहुंचने की सभी संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। रिजवान ने कहा कि दोनो ही टीमों भारत और न्यूजीलैंड ने हमसे बेहतर खेला। साथ ही कहा अब दूसरी टीम के परिणामों के भरोसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद को वह सही नहीं मानते हैं। अब न्यूजीलैंड टीम बचे हुए दो मैचों में से एक में भी जीत मिल जाती है तो मेजबान पाक टीम की सभी संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी। कीवी टीम को अब एक मैच बांग्लादेश से खेलना है और इसमें उसके लिए जीत हासिल करना कठिन नहीं है।

रिजवान ने कहा, अभी तो हम यही कह सकते हैं कि हमारे लिए टूर्नामेंट समाप्तहो गया। हमारे पास अब कुछ नहीं है। वास्तविकता यही है। अब अगला मैच बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच होगा। वहीं एक मुकाबला न्यूजीलैंड और भारत के बीच है। इनके परिणामों पर अब हम आधारित हो गये हैं। वहीं एक कप्तान के तौर मैं दूसरों के भरोसे आगे बढ़ने की उम्मीद सही नहीं मानता।

मेरा मानना है कि हमें अपनी क्षमता और ताकत से जीत हासिल करनी चाहिये। किसी और के परिणाम के भरोसे रहना सही नहीं होगा। हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो जाने के लिए तैयार रहना चाहिये। हमें भारत और न्यूजीलैंड ने हराया है जिससे स्वीकार करना ही होगा। हम इसे स्वीकार करते हैं। उन्होंने अच्छा खेला जबकि हमारा प्रदर्शन ठीक नहीं रहा पर हम ये नहीं कह सकते कि हम अच्छा खेले। इस टूर्नामें में अब पाक टीम तभी सेमीफाइनल में पहुंच सकती है जब

बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड को हरा दे और पाकिस्तान फिर बांग्लादेश को बड़े अंतर से हरा दे। इसके अलावा पाकिस्तान को ये भी उम्मीद करनी भी करनी होगी कि ग्रुप ए में भारतीय टीम न्यूजीलैंड पर बड़ी जीत दर्ज करे जिससे रन रेट के मामले में पाकिस्तान आगे बढ़ जाए।

पाकिस्तान में विदेशी टीमों और फैंस पर मंडराया खतरा, आतंकी संगठन ने दी किडनैपिंग की धमकी

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान में खेली जा रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। इस टूर्नामेंट पर आतंकी साया मंडरा रहा है। टूर्नामेंट के बीच में आई इस रिपोर्ट ने सनसनी मचा दी है क्योंकि अभी इस टूर्नामेंट के कई मुकाबले खेले जाने हैं। आतंकी हमले के साथ ही किडनैपिंग के भी प्लान बनाए जा रहे हैं ऐसा इस रिपोर्ट में दावा किया गया है। एक बड़े न्यूज चैनल के एक्सीक्यूटिव एडिटर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। उनका कहना है कि टूर्नामेंट पर मंडरा रहा खतरा पाकिस्तान के साथ भारत की खुफिया एजेंसियो को भी जानकारी मिलीहै।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि,

खुफिया एजेंसियों को पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर ISKP समूह द्वारा आतंकी हमले की संभावित कोशिश के बारे में जानकारी मिली है। भारतीय एजेंसियों को भी उनके विदेशी समकक्षों द्वारा इसबारे में बताया गया है। संभावित अपहरण या आतंकी हमले के बारे में चर्चा की जानकारी मिली है। इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत दक्षिण मध्य एशिया, मुख्य रूप से अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सक्रिया सलाफी जिहादी समूह इस्लामिक स्टेट की एक शाखा है। भले ही अब तक इसको लेकर कोई पुष्ट जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन ऐसे संभावित खतरे को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

भारत ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर ही पाकिस्तान जाने से मना किया था। इसको लेकर पाकिस्तानी मीडिया में काफी हल्ला भी मचा था और उन्होंने भारत की आलोचना की थी। हालांकि, भारत अपने मुकाबले दुबई में ही खेल रहा है, लेकिन अन्य सभी टीमें पाकिस्तान गई हैं। होस्ट पाकिस्तान पहले दो मैच लगातार हारने के बाद अब चैंपियंस ट्रॉफी से बाह होने की कगार पर है। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला खेला जा रहा है।

अब शायद विराट के फॉर्म को लेकर सवाल नहीं उठेंगे : कोच राजकुमार

दुबई । विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में विराट की शतकीय पारी को देखने के बाद बेहद खुश हैं। कोच ने कहा कि अब कोई विराट के फार्म को लेकर नहीं पूछेगा। राजकुमार ने कोहली की शानदार पारी की प्रशंसा भी की और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अब उनके फॉर्म पर सवाल उठने बंद हो जाएंगे। कोहली ने पाक के खिलाफ फॉर्म में जबरदस्त वापसी करते हुए ही अपना 51वां शतक लगाया है। जिससे भारतीय टीम ने पाक को छह विकेट से हरा दिया। कोहली ने इससे पहले एकदिवसीय अपना आखिरी शतक नवंबर 2023 में लगाया था। पिछले कुछ साल से बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण विराट की काफी आलोचना हो रही थी। शर्मा ने कहा कि कोहली कभी खराब फार्म में थे ही नहीं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा कहता रहा हूं कि वह बड़े मैचों का खिलाड़ी है और उसने आज यह फिर से साबित कर दिया। वह हमेशा मजबूत टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करता रहा है। शर्मा ने कहा, 'वह पिछले कई वर्षों से ऐसा कर रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसने देश के लिए सबसे अधिक मैच जीते हैं। कोहली ने अपनी इस पारी के दौरान एकदिवसीय में 14000 रन भी पूरे किए। वह सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज हैं। शर्मा ने इसे बड़ी उपलब्धि करार दिया।

2026 एशियाड में अब 11 ईस्पोर्ट्स खिताबों के लिए मुकाबले होंगे : ओसीए

नई दिल्ली। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम का विस्तार कर दिया है। इसमें अब 11 खिताबों के लिए मुकाबले होंगे। इससे भारत की पदक जीतने की उम्मीदें बढ़ी हैं। भारतीय खेल महासंघ के निदेशक और एशियाई खेल महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने कहा, '' ओसीए का 11 खिताबों तक विस्तारित करने का फैसला भारत के लिए लाभदायक रहेगा। इससे पहले ओसीए के कार्यकारी बोर्ड ने चीन के हार्बिन में अपनी बैठक के दौरान स्ट्रीट फाइटर 6, पोकेमॉन यूनाइट, ऑनर ऑफ किंग्स, लीग ऑफ लीजेंड्स – एशियाई खेलों का संस्करण, पबजी – एशियाई खेलों का संस्करण, मोबाइल लीजेंड्स – बैंग बैंग, नाराका- ब्लेडपॉइंट, ग्रैन टूरिज्मो 7, ईफुटबॉल सीरीज और पुयो पुयो चैंपियंस को 2026 एशियाई खेलों में पदक स्पर्धाओं के रूप में शामिल करने की सहमति दी थी। गौरतलब है कि 2022 हांग्झोउ एशियाई खेलों में ईस्पोर्ट्स ने सात खिताबों के साथ आधिकारिक पदक स्पर्धा के रूप में शुरुआत की थी। भारत ने इनमें से केवल चार में भाग लिया था क्योंकि भारत में अन्य स्पर्धाएं प्रतिबंधित थी। भारतीय खेल महासंघ के निदेशक और एशियाई ईस्पोर्ट्स महासंघ के उपाध्यक्ष लोकेश सूजी ने कहा कि ओसीए का ईस्पोर्ट्स कार्यक्रम को 11 खिताबों तक बढ़ाने का फैसला भारत के लिए शानदार कदम है।

पंजाब किंग्स को जीत दिलाना है लक्ष्य : पोंटिंग

नई दिल्ली । आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के नये मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उनका लक्ष्य इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18 वें सत्र मे टीम खिताब जिताना है। इसी कारण उन्होंने मेगा नीलामी में श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों को मोटी कीमत पर खरीबा पोंटिग ने कहा कि उनका लक्ष्य इस इस बार टीम को खिताबी जीत दिलाना रहेगा। इसी कारण इन खिलाड़ियों को लिया गया है। श्रेयस को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को 18 करोड़ रुपए में खरीदा। वहीं अर्शदीप को आरटीएम कार्ड के जरिये 18 करोड़ रुपये में जोड़ा। पोंटिंग ने कहा कि मैं एक ऐसे कप्तान को भी लाना चाहता था जिसके साथ मैंने पहले काम किया हो और जिसे काफी सफलता मिली हो। इसलिए हमने कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान रहे श्रेयस को खरीद। मैं चहल को भी लाना चाहता था। इस प्रकार अब हमारे पास काफी कुशल खिलाड़ी हो गये हैं। पंजाब किंग्स की टीम अभी तक कोई आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। टीम ने साल 2014 में फाइनल में प्रवेश किया था पर वहां हार गयी थी। टीम दो बार प्लेऑफ में पहुंची है। वहीं 2008 में सेमीफाइनल तक वह पहुंची थी। टीम के लिए पिछले कुछ सत्र बेहद खराब रहे हैं। 2015 के बाद से ही टीम एक बार भी प्लेऑफ में नहीं पहुंची है।

मीराबाई मोटापे के खिलाफ लड़ाई में शामिल, कहा छोटे-छोटे बदलाव बड़ा अंतर पैदा कर सकते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मोटापे के खिलाफ लड़ाई में शामिल होते हुए ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने सोमवार को जोर देते हुए कहा कि जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव इस 'बड़ी स्वास्थ्य समस्या' से निपटने में महत्वपूर्ण अंतर पैदा कर सकते हैं। इस पहल की शुरुआत सोमवार को हुई जब प्रधानमंत्री मोदी ने मोटापे से निपटने के प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए चानू सहित विभिन्न क्षेत्रों से 10 व्यक्तियों को नामित किया।

प्रधानमंत्री ने इससे एक दिन पहले ही लोगों से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया था जिसके बाद उन्होंने यह घोषणा की। तीस वर्षीय पूर्व विश्व चैंपियन भारोत्तोलक मीराबाई ने 'एक्स' पर लिखा, ''मोटापे के खिलाफ

लड़ाई में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा नामित किए जाने पर बहुत खुशी है। यह एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है जिसे सही जीवनशैली का विकल्प चुनकर और सक्रिय, स्वस्थ और फिट रहने का विकल्प चुनकर समाप्त किया जा सकता है।''

उन्होंने कहा, ''हमें भारत के इस दिशा में आगे बढ़ने और हमारी विकास यात्रा का समर्थन करने की जरूरत है। हमारे दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करने से देश में बड़े बदलाव हो सकते हैं और भारत को फिट बनाने के हमारे सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है।''

इस पहल के हिस्से के रूप में चानू ने कई प्रमुख खिलाड़ियों को नामित किया जिनमें मौजूदा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश, ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल, निशानेबाजी के दिग्गज गगन नारंग, पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, पुरुष हॉकी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह, दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस, दोहरी ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, पेरिस खेलों के पदक विजेता निशानेबाज सरबजोत सिंह, टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा और पैरालंपिक निशानेबाजी चैंपियन अवनी लेखरा शामिल हैं।

मनु की अगुवाई में आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व स्टार महिला विजेता निशानेबाज मनु भाकर करेंगी। आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप सत्र दक्षिण अमेरिका में विश्व कप के साथ शुरू होगा और इसमें दो चरण होंगे। इसका चरण अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। ओलंपिक पदक विजेता मनु विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में भाग लेंगी। उनके साथ ओलंपियन अनीश भानवाला और विजयवीर सिद्धू पुरूषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में भाग लेंगे। वहीं ऐशा सिंह महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस, सिफ्त कौर सामरा और श्रेयांका साडंगी महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में उतरेंगे। अर्जुन बबूता पुरूषों की दस मीटर एयर राइफल, पृथ्वीराज टोंडाइमान ट्रैप, अनंत जीत सिंह नरूका स्कीट और रेइजा ढिल्लों महिला स्कीट भी टीम में शामिल हैं। आईएसएसएफ निशानेबाजी से पहले अभ्यास के लिए भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने 14 मार्च से शिविर का भी आयोजन किया है। राइफल संघ ने कहा ,'' हर वर्ग में विश्व कप के तीन चरण होंगे जबकि दो जूनियर विश्व कप भी खेले जायेंगे। विश्व कप का दूसरा चरण सितंबर में दिल्ली में खेला जाएगा। वहीं अगस्त में कजाखस्तान में 16वीं एशियाई चैम्पियनशिप होगी।''

पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोट में खेलते दिखेंगे सिनर

-दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के लिए निराशानजक बताया

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर अब पांच मई से एक बार फिर टेनिस कोर्ट पर खेलते नजर आयेंगे। सिनर सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे और उन्होंने विश्व में जो नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी वह भी पहले की तरह ही रहेगी। सिनर को गत वर्ष मई में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाया गया था जिसके बाद से ही वह निलंबित चल रहे थे पर हाल ही में उनका उनका विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से समझौत हो गया था। इससे बाद उन्हें केवल तीन माह ही निलंबन में और गुजारने होंगे। इस दौरान उनके जीते खिताब ओर ईनामी राशि भी वापस

नहीं ली जाएगी। वहीं विश्व के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी इस प्रकार के फैसले से नाराज हैं। इन खिलाड़ियों का का मानना है कि डोपिंग मामले में इस प्रकार का समझौता सही नहीं है। इससे खेलों में डापिंग को बढ़ावा मिलेगा। वहीं जो खिलाड़ी इस प्रकार के कामों में लिप्त नहीं होते उन्हें ये अपने साथ धोखा लगेगा क्योंकि डोपिंग में लिप्त खिलाड़ी भी उन्हीं के बराबर में आ जाएंगे। ऐसे में लोग सभी को समान मानेंगे। इसी को लेकर तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विटजरलैंड के स्टैन वावरिंका ने सोशल मीडिया में लिखा, 'खेल में पारदर्शिता नहीं रहेगी।

वहीं विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने कहा, 'टेनिस में अब निष्पक्षता पर सवाल उठे। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। उन्हें स्टार खिलाड़ी होने का लाभ मिला जो गलत तरीका है। वहीं दानिल मेदवेदेव ने कहा कि अब हर कोई डोपिंग में लिप्त होने के बाद इसी प्रकार से समझौते करेगा। इस फैसले की नोवाक जोकोविच के साथ ही प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने भी आलोचना की है।

एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

सेंट जॉन्स । ऑस्ट्रेलियाई टीक करीब एक दशक के बाद वेस्टइंडीज दौरे पर जा रही है। वेस्ट क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन टेस्ट और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलने के लिए इस साल जून और जुलाई में उसके यहां दौरे पर आयेगी। यह साल 2015 के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज का पहला टेस्ट दौरा होगा। साल 2015-16 में वेस्टइंडीज के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद दोनों देशों की टीमें पहली बार तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलती हुई दिखेंगी। सर फ्रैंक वॉरेल ट्रॉफी के लिए खेले जाने वाली इस टेस्ट सीरीज का पहला मैच 25 जून से ब्रिजटाउन, बारबाडोस में खेला जाएगा। वहीं दूसरा टेस्ट तीन जुलाई से सेंट जॉर्ज, ग्रेनाडा में और तीसरा टेस्ट 12 जुलाई से किंग्स्टन, जमैका में खेला जाएगा। इसके बाद पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की सीरीज खेली जाएगी। इसके पहले दो मैच किंग्स्टन में 20 और 22 जुलाई को खेले जाएंगे। वहीं बचे हुए तीन मैच 25, 26 और 28 जुलाई को सेंट किट्स में खेले जाएंगे।

मैं अभी अच्छी लय में हूं, जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी अच्छी गेंदबाजी करूंगा : कुलदीप यादव

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में वह हर मैच में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। कुलदीप ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ डेथ ओवरों में तीन विकेट लिए और वह एक समय हैट्रिक लेने की स्थिति में भी थे। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी, जिसके कारण वह तीन महीने से अधिक समय तक खेल से दूर रहे थे।

कुलदीप ने कहा, 'चोटों को ठीक होने में छह महीने लगते हैं। मैंने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेले। उनमें मेरी लय अच्छी थी। बांग्लादेश के खिलाफ भी मेरी लय अच्छी थी।' कुलदीप चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा, 'लेकिन स्वाभाविक है कि आप हमेशा विकेट हासिल करने की तलाश में रहते हैं। आज जब मैंने अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे लगा कि मैं बेहतर लय में हूं। मैं आरामदायक स्थिति में हूं।'

कुलदीप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं इससे भी बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। मैंने चोट से वापसी करने के बाद अभी तक तीन-चार मैच खेले हैं। मैं जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी ही अच्छी गेंदबाजी करूंगा।' कुलदीप ने पाकिस्तान के निचले क्रम के बल्लेबाजों सलमान आगा, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट लिए। अपनी रणनीति के बारे में कुलदीप ने कहा, 'अपने पहले स्पैल में मैंने काफी चाइनामैन की। अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने के लिए मैं गुगली भी करता हूं। इसके अलावा मैंने टॉप स्पिन भी की।'

कुलदीप ने डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने के बारे में कहा, 'मैं अंतिम 10 ओवरों में गेंदबाजी करने के लिए पहली पसंद का गेंदबाज बनने में सक्षम हूं। यहां तक कि कप्तान का भी मानना है कि अगर आपके पास विविधता है तो स्पिनर पर शॉट मारना मुश्किल होता है। सौभाग्य से यह मेरे लिए अच्छा था। विकेट भी धीमा था।'

संक्षिप्त समाचार

विजय माल्या ने गुणवत्ता के कारण ब्रिटेन में दिवालियापन आदेश रद्द करने की मांग की

लंदन, एजेंसी। कारोबारी विजय माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालियापन आदेश को रद्द कराने के लिए नई अपील दायर की है। उनका तर्क है कि भारतीय बैंकों ने अवास्तविक दावे पेश किए हैं, खासकर जब भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में ऋण वसूली को लेकर हाल ही में बयान दिया था। माल्या के वकील लेह क्रेस्टोहल ने बताया कि संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, बैंकों को पहले ही माल्या से संबंधित बकाया राशि से अधिक धन वापस मिल चुका है। इसी आधार पर उन्होंने दिवालियापन आदेश रद्द करने के लिए आवेदन किया है। यह मामला लंदन उच्च न्यायालय में चल रहा है, जहां न्यायाधीश एंथनी मान ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का एक समूह 69 वर्षीय माल्या से उनकी अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के करीब 1.05 बिलियन जीबीपी ऋण की वसूली की मांग कर रहा है। माल्या का कहना है कि नए साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत को दिवालियापन आदेश पर पुनर्विचार करना चाहिए। उनके वकीलों का कहना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्वयं भी वित्त मंत्री के संसद में दिए गए बयान को स्वीकार करेंगे। गौरतलब है कि विजय माल्या भारत में वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं और भारतीय एजेंसियां उन्हें प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इस मामले में अपनी राहत की मांग को लेकर टिप्पणी की थी।

हमास ने गाजा में छह बंधक रिहा किए, समझौते के अगले चरण के लिए रखी शर्त

गाजा पट्टी, एजेंसी। आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के बीच कतर में पिछले माह हुए संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई समझौते ने आज कई परिवारों के चेहरों में खुशी लौटा दी। हमास के नकाबपोश सशस्त्र लड़ाकों ने आज सुबह (स्थानीय समयानुसार) मध्य गाजा के नुसीरात में ओमर शेम टोव (22), एलिया कोहेन (27) और ओमर वेनकर्ट (23) को रेडक्रॉस के अधिकारियों को सौंप दिया। इसके अलावा हमास की कैद से आजाद हुए टाल शोहम (40) और एवेरा मेंगिस्टु 38) इजराइल पहुंच गए। गाजा सिटी में रिहा होने वाला छठा बंधक हिशाम अल-सईद (37) है। हमास ने समझौते के अगले चरण में बाकी बंधकों की रिहाई के लिए शर्त रखी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, एवेरा मेंगिस्टु और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को हवाई मार्ग से गाजा सीमा के पास एक इजराइली सैन्य अड्डे पर पहुंचाया गया। वहां से सभी को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से मध्य इजराइल के एक अस्पताल ले जाया गया। मेंगिस्टु को जांच के बाद घर भेजा जाएगा। शोहम और मेंगिस्टु को सुबह दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में रिहा किया गया। इन दोनों को सात अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज बेरी से अगवा किया गया था। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, रेडक्रॉस ने दोनों को उन्हें सौंप दिया। इसके अलावा चार बंधकों को नुसीरात में सौंपा गया। हमास ने शुक्रवार को कहा था कि उसे उम्मीद है कि इजराइल बदले में 602 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा करेगा। उनमें से 50 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और अन्य 60 लंबी सजा काट रहे हैं। 445 को सात अक्टूबर 2023 को गाजा में हिरासत में लिया गया था। सीएनएन की खबर के अनुसार, शोहम और मेंगिस्टु को सशस्त्र नकाबपोश आतंकवादियों ने मंच पर परेड और शोहम को भीड़ को संबोधित करने के लिए मजबूर किया। साथ ही एक अन्य बंधक शिरी बिबास के अवशेष शुक्रवार रात तेल अवीव पहुंचे। हमास ने आज संकेत दिया कि समझौते के अगले चरण में वह गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी के बदले में शेष सभी इजराइली बंधकों (जीवित और मृत) को सौंपने के लिए तैयार है।

बांग्लादेश में बीएनपी नेता की हत्या, दोनों आंखें निकालीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के धमराई उपजिला में कल दोपहर लगभग डेढ़ बजे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता मोहम्मद बाबुल मिया की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। हत्यारों का इससे जी नहीं भरा तो उनकी दोनों आंखें निकाल लीं। हत्या की वजह व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता बताई जा रही है। द डेली स्टार के अनुसार, बीएनपी की कुल्ला यूनियन इकाई के पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद बाबुल मिया को लाठी-डंडों से लैस कुछ लोगों ने धमराई उपजिला के गांव बोरो कुशियारा में पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। गम में डूबी पत्नी यास्मीन बेगम ने कहा कि उनके पति को बीएनपी की राजनीति करने के कारण कई बार जेल भी जाना पड़ा। कुछ समय से रियल एस्टेट (अक्षिरनगर हाउसिंग) बिजनेस को लेकर ग्रामीणों से विवाद चल रहा था। इस विवाद की वजह से अफसर, अरशद और मोनिर हम दोनों को कई दिनों से धमकी दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वह और उनके पति अक्षिरनगर हाउसिंग के पास सरसों की कटाई कर रहे थे। अचानक अफसर, अरशद, मोनिर कुछ साथियों के साथ आ धमके। उन्होंने पति को घेरकर लाठियों और लोहे के रॉड से पीटना शुरू कर दिया। पति को लहूलुहान कर जाते-जाते उनकी दोनों आंखें भी निकाल लीं। इसके बाद बाबुल को सावर एनाम मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने दावा किया कि बाबुल का अफसर, अरशद और मोनिर के साथ एक तालाब के स्वामित्व को लेकर विवाद चल रहा था।

पूर्वी फ्रांस में चाकू से अटैक, 1 की मौत, इमैनुएल मैक्रों ने बताया- इस्लामी आतंकी हमला

पेरिस, एजेंसी। पूर्वी फ्रांस में शनिवार को चाकू से किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए. राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह 'इस्लामी आतंकवादी हमला' था. प्रोसेक्यूटर्स ने कहा कि हमले में तीन और अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गए. प्रोसेक्यूटर निकोलस हेइट्ज़ ने एएफपी को बताया कि यह हमला 37 वर्षीय संदिग्ध ने किया था, जो टेरर प्रीवेंशन वॉचलिस्ट (एफएसपीआरटी) में शामिल है. हमला फ्रांस के मुलहाउस शहर में हुआ है, जो जर्मनी और स्विट्जरलैंड के निकट स्थित है. संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है. फ्रांस की नेशनल एंटी टेरर प्रोसेक्यूटर्स यूनिट (पीएनएटी), जिसने जांच का जिम्मा संभाला है, ने कहा कि संदिग्ध ने पहले नगर निगम के पुलिस अधिकारियों पर हमला किया और अल्लाहु अकबर (ईश्वर सबसे महान है) चिल्लाया. चश्मदीदों ने एएफपी से बातचीत में कन्फर्म किया कि संदिग्ध ने कई बार ऐसे शब्द चिल्लाए, जो मुसलमानों द्वारा अपने धर्म के उद्घोष के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं. पीएनएटी ने एक बयान में कहा कि एक नागरिक राहगीर जिसने हमले को रोकने की कोशिश की, वह बुरी तरह से घायल हो गया. मुलहाउस प्रोसेक्यूटर्स के अनुसार, जख्मी शख्स 69 वर्षीय पुर्तगाली नागरिक था. मैक्रों ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह घटना एक आतंकवादी हमला थी, विशेष रूप से एक इस्लामवादी आतंकवादी

हमला÷. मैक्रों ने कहा कि सरकार ÷हमारी धरती पर आतंकवाद को मिटाने के लिए सब कुछ÷ करने के लिए मजबूती से खड़ी है. एफएसपीआरटी वॉचलिस्ट ÷आतंकवादी÷ कट्टरपंथ को रोकने के मकसद से व्यक्तियों पर विभिन्न अधिकारियों से डाटा जमा करती ह.। इसे 2015 में पत्रिका चार्ली हेब्दो के कार्यालयों और एक यहूदी सुपरमार्केट पर हुए घातक हमलों के बाद लॉन्च किया गया था. हेइट्ज़ ने कहा कि गंभीर रूप से घायल पुलिस अधिकारियों में से एक को कैरोटिड आर्टरी में चोट लगी है, जबकि दूसरे को छाती में. हमला करीब शाम 4 बजे (स्थानीय समय) हुआ. सैन्य इकाइयों को बैकअप के रूप में घटनास्थल पर भेजा गया और फोरेंसिक वैज्ञानिकों ने सबूतों की तलाश की कार्रवाई शुरू कर दी है. यूनियन सूत्रों के अनुसार अल्जीरिया में जन्मे संदिग्ध को न्यायिक निगरानी और घर में नजरबंद रखने के साथ ही फ्रांस से निकाल बाहर करने आदेश के तहत रखा गया है. मुलहाउस की मेयर मिशेल लुट्ज़ ने फेसबुक पर कहा, हमारे शहर में आतंक ने कब्जा कर लिया है. उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच एक आतंकवादी हमले के रूप में की जा रही है, लेकिन स्पष्ट रूप से अदालत द्वारा पहले इसकी पुष्टि की जानी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी होंगे मॉरीशस के स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि

पोर्ट लुइस। मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने नेशनल असेंबली में कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। वो मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के सम्मानित अतिथि होंगे। यह हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों का प्रमाण है। रामगुलाम की इस घोषणा पर नेशनल असेंबली के सदस्यों ने मेज थपथपाकर खुशी जताई। रामगुलाम ने शुक्रवार को कहा, ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना हमारे और देश के लिए वास्तव में गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बेहद व्यस्त कार्यक्रम, पेरिस और संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी हालिया यात्राओं के बावजूद हमें यह सम्मान दिया है। वह हमारे विशेष अतिथि के रूप में मॉरीशस आने के लिए सहमत हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि मॉरीशस को 12 मार्च, 1968 को यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता मिली थी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 12 मार्च की यात्रा पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने कहा, ऐसे मौके पर प्रतिष्ठित व्यक्तित्व की मेजबानी करना मॉरीशस के लिए एक सौभाग्य की बात है। पिछले साल मॉरीशस के 56वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुई थीं।

इटली पीएम मेलोनी ने वामपंथियों को जमकर कोसा

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को वामपंथियों की उनके दोहरे मानदंडों के लिए आलोचना की। मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं का भी जिक्र किया। वाशिंगटन में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बोलते हुए इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की जमकर तारीफ की। उन्होंने वामपंथी राजनेताओं की आलोचना भी की। जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि कि वामपंथी लगातार निराश होते जा रहे हैं और ट्रंप की जीत के बाद उनकी हताशा उन्माद में बदल गई है। उन्होंने कहा, ÷वामपंथी घबराए हुए हैं और ट्रंप की जीत के साथ, उनकी चिड़चिड़ाहट उन्माद में बदल गई है। न केवल इसलिए क्योंकि रूढ़िवादी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि रूढ़िवादी अब वैश्विक स्तर पर सहयोग कर रहे हैं।÷ मेलोनी ने कहा, ÷जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी लिबरल नेटवर्क बनाया, तो उन्हें राजनेता कहा गया। आज जब ट्रंप, मेलोनी, मिल्ले या शायद मोदी बोलते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह आखिरी दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। अच्छी खबर यह है कि लोग अब उनके झूठ पर विश्वास नहीं करते, चाहे वे हम पर कितना भी कीचड़ उछालें। नागरिक हमारे लिए वोट करते रहते हैं।÷ सीपीएसी में मेलोनी की भागीदारी इटली के विपक्षी नेताओं की ओर से काफी आलोचना के बीच हुई। वहां के विपक्षी नेताओं ने उनसे अपनी उपस्थिति रद्द करने का आह्वान किया। ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन के विवादास्पद भाषण के बाद विपक्षी नेता उन्हें अपना दौरा रद्द करने के लिए कह रहे थे। स्टीव बैनन अपने संबोधन के दौरान नाजी शैली की सलामी देते हुए दिखाई दिए।

अमेरिकी कोर्ट ने हादी मतार को लेखक रुश्दी पर हमले का दोषी ठहराया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिमी न्यूयॉर्क स्थित चौटाउक्वा काउंटी कोर्ट ने भारतीय-ब्रिटिश लेखक सलमान रुश्दी पर तीन साल पहले चाकू से हमला करने के आरोपित 27 वर्षीय हादी मतार को दोषी करार दिया। रुश्दी पिछले सप्ताह शुरू हुई गवाही प्रक्रिया के दौरान मुख्य गवाह रहे। रुश्दी ने जूरी के सदस्यों को अपनी दाहिनी आंख भी दिखाई जिसकी रोशनी हमले के कारण चली गई है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, जूरी ने हादी मतार को उस व्यक्ति पर भी हमला करने का दोषी पाया जो उस समय रुश्दी के साथ मंच पर था।

सलमान रुश्दी पर हमले का वाकया 12 अगस्त, 2022 का है। आरोपित ने मंच पर चढ़कर रुश्दी पर 15 बार चाकू से वार किया। इस हमले में 77 वर्षीय लेखक के एक आंख की रोशनी चली गई। जज ने सजा के लिए 23 अप्रैल की तारीख तय की है। मतार को 32 साल तक की जेल हो सकती है। जिला अटॉर्नी जेसन शिमट ने शुक्रवार को जिरह के दौरान जूरी को हमले का वीडियो दिखाया। इसमें हमलावर मंच पर चढ़कर रुश्दी की ओर दौड़ता दिख रहा है। बुकर पुरस्कार विजेता रुश्दी ने जूरी सदस्यों को बताया कि हमलावर उन पर तब तक चाकू से वार करता रहा जब तक कि आसपास खड़े लोगों ने उसे दबोच नहीं लिया। शिमट ने जूरी सदस्यों को एक ट्रॉमा सर्जन की गवाही की याद दिलाई, जिसने कहा था कि रुश्दी की चोटें त्वरित उपचार के बिना घातक हो सकती थीं।

इजराइल ने बंधकों को "अपमानजनक" तरीके से सौंपे जाने का हवाला देकर फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकी

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल ने कहा है कि सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई तब तक नहीं की जाएगी "जब तक कि गाजा में बंधक बनाकर रखे गए और लोगों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती तथा बंधकों को अपमानजनक तरीके से सौंपना" बंद नहीं किया जाता।

देश के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने यह बयान रविवार को उस समय दिया जब कैदियों को ले जा रहे वाहन 'ऑफर जेल' के मुख्य द्वार से बाहर निकलने के बाद अंदर लौट गए। हमास ने छह इजराइली बंधकों को शनिवार को रिहा कर दिया था। इसके तुरंत बाद 620 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाना था लेकिन अभी तक ऐसा नहीं किया गया है। शनिवार को रिहा किए गए छह बंधकों में से पांच को नकाबपोश सशस्त्र चरमपंथी, भीड़ के सामने मंच पर लाए जिसके बाद उन्हें रिहा किया गया। बंधकों को सौंपे जाने के इस तरीके की संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठनों ने निंदा की है। हमास ने जीवित बचे संभवत- अंतिम छह बंधकों को युद्ध विराम के प्रथम चरण के तहत रिहा कर दिया है। कैदियों की रिहाई में देरी की इजराइल की घोषणा ने युद्धविराम समझौते के भविष्य को लेकर अचानक और संदेह पैदा कर दिया है। हमास द्वारा छोड़े गए छह बंधकों में से तीन इजराइली पुरुष हैं, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से उस समय कैद किया गया था, जब सात

अक्टूबर 2023 को हमास के चरमपंथियों ने हमला किया था। इस हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ युद्ध छेड़ा था। बंधकों में से दो को हमास ने लगभग एक दशक तक बंधक रखा। वे दोनों अकेले ही गाजा में घुसे थे। पांचों को मंच पर लाया गया और इसके बाद बचावकर्ताओं को सौंपा गया। इस तरीके को 'रेड क्रॉस' और इजराइल ने क्रूर और अपमानजनक बताते हुए इसकी निंदा की है। ओमर वेंकर्ट, ओमर शेम टोव और एलिया कोहेन को हमास के लड़ाकों के साथ खड़ा किया गया। दबाव में दिख रहे शेम टोव ने दो चरमपंथियों के माथे को चूमा और भीड़ को चुंबन दिया। उन्होंने सेना की नकली वर्दी पहन रखी थी, जबकि वे सेना के जवान नहीं हैं।

एफबीआई के नौवें निदेशक काश पटेल ने भगवद्गीता पर हाथ रखकर ली शपथ

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) की कमान काश पटेल ने संभाल ली। व्हाइट हाउस में अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने काश पटेल को एफबीआई के नौवें निदेशक के रूप में शपथ दिलाई। उन्होंने भगवद्गीता पर हाथ रखकर शपथ ग्रहण की।

एफबीआई फेसबुक पेज के अनुसार, एफबीआई निदेशक के रूप में अपने पहले आधिकारिक दिन काश पटेल ने वॉल ऑफ ऑनर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस वॉल पर एफबीआई के बहादुर सदस्यों का वर्णन है। उनका यहां जाना न्याय के प्रति उनके साहस और समर्पण की विरासत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

शपथ समारोह में काश पटेल ने कहा, ÷जो कोई सोचता है कि अमेरिकी सपना मर चुका है, वह यहीं देख ले। आप पहली पीढ़ी के भारतीय बच्चे से बात कर रहे हैं जो भगवान की धरती पर सबसे महान देश में कानून प्रवर्तन समुदाय का नेतृत्व करने वाला है।÷ महत्वपूर्ण यह है कि काश पटेल

की जड़ें भारत के गुजरात में वडोदरा से भी जुड़ी हैं। 25 फरवरी, 1980 को न्यूयॉर्क में पूर्वी अफ्रीका से आए भारतीय अप्रवासी माता-पिता के घर जन्मे काश ने रिचमंड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट करने के बाद यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से अंतरराष्ट्रीय कानून में सर्टिफिकेट के साथ कानून की डिग्री हासिल की है। काश ने सार्वजनिक वकील के रूप में अपना प्रोफेशनल करियर शुरू किया। मियामी की अदालतों में लगभग नौ साल तक कड़ी मेहनत की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2014 के पहले कार्यकाल में काश पटेल रक्षा और खुफिया एजेंसियों में विभिन्न उच्च पदों पर कार्य कर चुके है। काश को ट्रंप का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है।

इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने ताजा अलर्ट में कर्मचारियों से सार्वजनिक परिवहन से बचने को कहा

यरूशलम, एजेंसी। इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी कर अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों से दो सप्ताह तक देशभर में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने से बचने का आग्रह किया है। अमेरिकी मिशन ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक बसों में 20 फरवरी को हुए विस्फोटों के बाद और अधिक सावधानी बरतते हुए अमेरिकी दूतावास अस्थायी रूप से अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को

14 दिनों के लिए इजराइल में सार्वजनिक बसों और लाइट रेल का उपयोग करने से रोका है। बयान में आगे कहा गया कि अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों को सावधानी बरतने और व्यक्तिगत सुरक्षा जागरुकता बढ़ाने की निरंतर आवश्यकता की याद दिलाता है क्योंकि हमले अक्सर बिना किसी चेतावनी के होते हैं। सुरक्षा वातावरण जटिल है और जल्दी से बदल सकता है।ऐसे में चेतावनी अधिसूचना पर जोर दिया गया है। अमेरिकी मिशन ने अपने नागरिकों से इज़राइल में अपनी गतिविधियों की योजना बनाते समय अलर्ट को ध्यान में रखने को कहा है। दूतावास सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करना जारी रखेगा और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त जानकारी प्रदान करेगा। बतादें कि गुरुवार को तेल अवीव के दक्षिण में स्थित बैट याम और होलोन शहरों में खड़ी बसों में तीन विस्फोट हुए। हालांकि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों ने इसे एक संगठित रणनीतिक हमला करार दिया है। जांच के दौरान कम से कम पांच विस्फोटक उपकरण बरामद किए गए, जिनमें टाइमर सेट किए गए थे।

एचआरसीपी ने पाकिस्तान सरकार से श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा मजबूत करने का आग्रह किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सरकार से संविधान के अनुच्छेद 38 के तहत कमजोर और कम वेतनभोगी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपील की है। इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों को बुढ़ापे, बेरोजगारी, बीमारी, चोट, प्रसव और मातृत्व से जुड़ी आर्थिक असुरक्षा से बचाना है। एचआरसीपी द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, एक कार्यक्रम में पाकिस्तान वर्कर्स यूनाइटेड फेडरेशन के चौधरी शौकत ने नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को आधिकारिक नियुक्ति पत्र देने और उन्हें ईओबीआई (इम्प्लॉई ओल्ड-एज बेनिफिट्स इंस्टिट्यूशन) के तहत पंजीकृत कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्रमिकों के अधिकारों पर चिंताएं : खैबर पख्तूनख्वा कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने न्यूनतम वेतन लागू करने में आ रही बाधाओं पर चिंता व्यक्त की। पंजाब कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के निदेशक मलिक फारुख मुमताज ने सुझाव दिया कि ईओबीआई और अन्य सामाजिक सुरक्षा निकायों को श्रमिकों की परिभाषा को समान रूप से लागू करना चाहिए, चाहे उनका वेतन कितना भी हो। राष्ट्रीय श्रम संघ के महासचिव उमर हयात ने बताया कि बलूचिस्तान में कई कोयला खनिक ईओबीआई लाभों और उनके अधिकारों से अनजान हैं।

सुधारों की आवश्यकता पर बल : आईएलओ (अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन) के शासी निकाय के सदस्य जहूर अवान ने बताया कि वर्तमान प्रणाली के तहत केवल पांच या अधिक कर्मचारियों वाले संगठन ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए पात्र हैं, जिससे छोटे व्यवसाय इससे बाहर रह जाते हैं।

पीआईएलईआर के प्रतिनिधि मकसूद अहमद ने श्रमिकों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए त्रिपक्षीय सम्मेलन आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एचआरसीपी की सिफारिशें : एनआईआरसी के सदस्य मिस्बाह उल्लाह खान ने वर्षों की सेवा के बावजूद स्थायी दर्जा न मिलने वाले श्रमिकों की कठिनाइयों को उजागर किया। एचआरसीपी परिषद के सदस्य फरहतुल्लाह बाबर ने कहा कि अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की उपेक्षा सरकार की बड़ी चूक है और अनुच्छेद 38 को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

गोलमेज सम्मेलन का समापन : एचआरसीपी की उपाध्यक्ष नसरीन अजहर ने निष्कर्ष में कहा कि पूंजीवादी उत्पादन प्रणाली ने श्रमिकों के शोषण को और गहरा कर दिया है, जिससे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

पेंटागन में उथल-पुथल के बीच ट्रंप ने सेना के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन को बर्खास्त किया : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने पेंटागन में हफ्तों की उथल-पुथल के बीच शुक्रवार को सेना के ज्वाइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन जूनियर को बर्खास्त कर दिया। यही पहली बार हुआ है कि प्रशासन बदलने पर देश के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी को इस तरह बाहर किया गया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, परंपरागत रूप से प्रशासन बदलने पर भी देश के शीर्ष सैन्य अधिकारी की भूमिका से छेड़छाड़ नहीं की जाती। जनरल चार्ल्स क्यू. ब्राउन जूनियर चार सितारा लड़ाकू पायलट हैं। वह यह पद संभालने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी थे। उनकी जगह सेवानिवृत्त तीन सितारा वायु सेना जनरल डैन केन को लिया जाएगा।

शादी समारोह में मिले राज और उद्धव ठाकरे, मुंबई में हुई राजनीति हलचल तेज

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे की अपने चचेरे भाई और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुंबई में एक विवाह समारोह आमना-सामना हो गया दोनों ने मुलाकात की, जिसके बाद महाराष्ट्र में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले दोनों के बीच राजनीतिक मतभेद सुलझने की अटकलें तेज हो गई हैं। राजनीतिक रूप से अलग हो चुके दोनों भाई रविवार शाम अंधेरी इलाके में एक शादी समारोह में एक साथ देखे गए। शादी समारोह में महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और उनकी पत्नी रश्मि ठाकरे से राज ठाकरे ने मुलाकात की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मनसे और शिवसेना (यूबीटी) के बीच आगामी नगर निगम चुनावों, खासतौर पर आर्थिक रूप से समृद्ध बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनावों को ध्यान में रखते हुए आपसी मतभेद खत्म करने की संभावना बन सकती है। अभी तक नगर निकाय चुनावों की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। पिछले दो महीनों में यह तीसरा मौका था जब दोनों भाइयों की सार्वजनिक रूप से मुलाकात हुई, जिससे दोनों दलों के बीच संबंधों में सुधार की अटकलें तेज हो गई हैं। राज ठाकरे ने 2005 में शिवसेना छोड़ दी थी और अपनी अलग पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का गठन किया था। पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन का हिस्सा रही शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें जीती थीं जबकि मनसे एक भी सीट नहीं जीत सकी थी।

भागवत की स्वयंसेवकों से अपील, जाति, पंथ, क्षेत्र और भाषा की परवाह किए बिना मित्रता बढ़ाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने संगठन के सभी स्वयंसेवकों से जाति, पंथ, क्षेत्र और भाषा की परवाह किए बिना विभिन्न समूहों के बीच मित्रता बढ़ाने की अपील की। इस दौरान, संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक समाज के कल्याण के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करते हैं। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि सभी हिंदुओं को आपसी सम्मान और सहयोग के माध्यम से विभिन्न उपयोगों के लिए समान मंदिरों, श्मशानों और पानी को साझा करना चाहिए। भागवत ने जोर दिया कि समग्र रूप से समाज को पर्यावरण की रक्षा के लिए पानी संरक्षण, पौधे लगाने और प्लास्टिक के बर्तनों से बचने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, हर भारतीय को खाद्य पदार्थ, आवास, यात्रा और यहां तक कि अपनी आत्म-अभिव्यक्ति से मेल खाने वाली भाषाएं अपनानी चाहिए। संघ प्रमुख ने फिर कहा कि नागरिकों को पारंपरिक सामाजिक मानदंडों का पालन करना चाहिए, भले ही कानूनी नजरिए से इसतरह के सभी नियमों को कानून नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी दैनिक गतिविधियों में विदेशी भाषाओं का उपयोग करने के बजाय मातृभाषा में बातचीत करनी चाहिए।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान-बांग्लादेश में पक रही नई खिचड़ी

नई दिल्ली।पिछले साल बांग्लादेश छोड़कर भारत में शेख हसीना के शरण लेने के बाद बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ अत्याचार बढ़े, साथ ही मोहम्मद यूनुस की सरकार ने भारत को आंखे दिखाने शुरू कर दी। आलम यह है कि भारत को परेशान करने के लिए अब बांग्लादेश, पाकिस्तान से दोस्ती का हाथ बढ़ाने जा रहा है। उसी मुल्क से जिसने 50 साल पहले बांग्लादेशियों पर बेइंतहा जुल्म किए थे। इस ट्रेड एग्रीमेंट को फरवरी की शुरुआत में अंतिम रूप दिया गया, जब बांग्लादेश ने ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पाकिस्तान के जरिए 50,000 टन पाकिस्तानी चावल खरीदने पर सहमति व्यक्त की। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पहली बार, सरकारी माल ले जाने वाला पाकिस्तान नेशनल शिपिंग कॉरपोरेशन (पीएनएससी) का जहाज बांग्लादेशी बंदरगाह पर पहुंचेगा, जो समुद्री व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।साल 1971 की लड़ाई के बाद बांग्लादेश, पाकिस्तान से अलग हुआ था। लेकिन, अब भारत के साथ रिश्ते बिगड़ने के बाद बांग्लादेश ने फिर से पाकिस्तान को गले लगा लिया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तान और बांग्लादेश ने 1971 के युद्ध और बंटवारे के बाद पहली बार डायरेक्ट ट्रेड फिर से शुरू कर दिया है, तथा सरकार द्वारा अनुमोदित पहला माल पोर्ट कासिम से रवाना हुआ है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में हो सकती है बारिश और बर्फबारी

-मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में पारा 6 डिग्री पर पहुंचा, हल्की सर्दी का दौर शुरु

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कल यानी मंगलवार से दो दिन दिन बारिश और बर्फबारी का जताया है। हिमाचल प्रदेश के 4 जिलों चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में 26 और 27 फरवरी को बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में भी देखने को मिलेगा। इसके चलते पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में 1 मार्च तक बारिश हो सकती है। हालांकि अधिकांश राज्यों में इस हफ्ते अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में तापमान 6.1 डिग्री पहुंच गया है। प्रदेश में हल्की सर्दी का दौर फिर आ गया है। दिन में ठंडी हवा चल रही है तो रात में ठंड है। रविवार की रात प्रदेश के तीन शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चल गया। प्रदेश के पूर्वी जबलपुर, सागर, शहडोल-रीवा के साथ भोपाल संभाग में भी पारा लुढ़का गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिन ऐसा ही मौसम रहेगा।इस दौरान दिन-रात के तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आएगी यानी 24-25 फरवरी को भी हल्की सर्दी का एहसास होगा। शनिवार-रविवार की रात प्रदेश के 3 शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा।

थरूर को मनाने कांग्रेस ने चला बड़ा दांव- मुख्यमंत्री पद का दिया ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर वैसे लंबे समय से अपनी पार्टी से नाराज चल रहे हैं लेकिन बढ़ती नाराजगी अनयिंत्रत हुई तो कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ ही उन्होंने मोर्चा खोल दिया। बीते एक सप्ताह से आ रहे उनके बयान साफ संकेत दे रहे थे कि वे जल्द कांग्रेस छोड़ेंगे और दूसरी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। कांग्रेस भी जानती है कि थरूर एक कददावर नेता हैं और पार्टी को उनकी जरुरत है। शायद यही वजह है की कांग्रेस ने उन्हे मनाना शुरु कर दिया है और मुख्यमंत्री का ऑफर भी दे दिया है।

चार बार कांग्रेस से सांसद रह चुके शशि थरूर ने हाल ही में केरल कांग्रेस में नेतृत्व के अभाव को लेकर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए थे। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान से मुलाकात कर अपनी भूमिका को लेकर चर्चा की, जिससे यह अटकलें और तेज हो गईं कि वह पार्टी से दूरी बना सकते हैं। हालांकि, केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सुधाकरण ने इस संभावना से इनकार किया और कहा कि थरूर न तो पार्टी छोड़ेंगे और न ही सीपीएम में शामिल होंगे।थरूर ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अगर कांग्रेस अगले विधानसभा चुनावों में सत्ता में आती है, तो वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में रहेंगे। उनका दावा है कि विभिन्न सर्वेक्षणों में उन्हें केरल में सबसे लोकप्रिय कांग्रेस नेता के रूप में दिखाया गया है। यह बयान कांग्रेस के राज्य नेतृत्व के लिए असहज करने वाला साबित हो रहा है। वहीं, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य रमेश चेन्निथला ने थरूर को दी गई जिम्मेदारियों का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें हमेशा प्रमुख भूमिकाएं दी हैं। चेन्निथला ने कहा, कांग्रेस को थरूर की जरूरत है, तभी तो उन्हें चार बार सांसद बनाया गया, केंद्रीय मंत्री पद दिया गया और पार्टी की शीर्ष संस्थाओं में शामिल किया गया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर की पार्टी नेतृत्व से बढ़ती नाराजगी अब खुलकर सामने आ रही है। हाल ही में उन्होंने कांग्रेस में खुद को दरकिनार किए जाने की शिकायत की और यहां तक कह दिया कि अगर पार्टी को उनकी जरूरत नहीं है, तो उनके पास विकल्प मौजूद हैं। थरूर के इस बयान से राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और उनके भविष्य को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है।थरूर के हालिया बयानों ले लगता है कि कांग्रेस से उनका मोहभंग बढ़ रहा है। उनकी राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका की मांग और मुख्यमंत्री बनने की इच्छा से पार्टी के अंदर खलबली मची हुई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के मुरलीधरन ने कहा कि थरूर को राष्ट्रीय राजनीति में युवा वोटरों को आकर्षित करने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, जबकि केरल में पार्टी के स्थानीय नेता संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे। हालांकि, थरूर के विकल्प वाले बयान के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या वह किसी नई राजनीतिक राह की ओर बढ़ रहे हैं या फिर कांग्रेस नेतृत्व से अपनी भूमिका को और महत्वपूर्ण बनाने के लिए दबाव बना रहे हैं। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस आलाकमान इस मामले को कैसे संभालता है और थरूर अपने अगले कदम के तौर पर क्या फैसला लेते हैं।

थरूर को लेकर कांग्रेस में नाराजगी

थरूर के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए के सुधाकरण ने उन्हें आगाह किया कि पार्टी लाइन से बाहर जाकर मीडिया में अपनी बात रखना सही तरीका नहीं है। सुधाकरण ने कहा, थरूर के पास अपनी गलतियों को सुधारने का समय है। मीडिया के माध्यम से पार्टी के खिलाफ बयान देना दुर्भाग्यपूर्ण था। किसी को भी अपनी सीमाएं पार नहीं करनी चाहिए।

बिहार में अगला विधानसभा चुनाव मोदी-नीतीश के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा

पटना। बिहार में बीजेपी अकेले दम पर चुनाव लड़ती है। पार्टी आम तौर पर किसी एक चेहरे पर नहीं बल्कि कई चेहरों को प्रोजेक्ट कर चुनाव में उतरती है। केंद्र की राजनीति में नरेंद्र मोदी या इसके पहले अटल बिहारी वाजपेयी के चेहरे के साथ तो लड़ती है। 2025 के बिहार विधानसभा का चुनाव एक बार फिर मोदी-नीतीश के चेहरे पर लड़ा जाएगा और इसके संकेत पीएम नरेंद्र मोदी के सोमवार को एक कार्यक्रम से दिए। नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरान नई योजनाओं के तोहफे से यह लगता रहा है कि बिहार से एनडीए का चेहरा नीतीश कुमार हैं, लेकिन बिहार विधान सभा चुनाव के दौरान प्रदेश बीजेपी, नीतीश कुमार के पीछे नहीं दौड़ती बल्कि समाज के कई चेहरों को जिम्मेदारियों देकर एक सामाजिक चेहरा भले वह कई जाति विशेष का हो। आगामी विधान सभा चुनाव 2025 के सापेक्ष भी देखें तो भूमिहार समाज उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा, कुशवाहा से सम्राट चौधरी, वैश्य चेहरे के रूप में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जयसवाल को आगे कर एक जातीय समूह का चरित्र विकसित किया है। यादव के रूप में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, ब्राह्मण के रूप में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय के रूप में सामने लाए हैं।

कांग्रेस ने भूपेश बघेल को बनाया पंजाब का प्रभारी, पद संभालने से पहले लॉबिंग शुरु

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारी भूपेश बघेल 28 फरवरी को चंडीगढ़ आ रहे हैं। वह 1 मार्च को कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक करेंगे। नए प्रभारी के आने से पहले गुरदासपुर सांसद और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने मांग की है कि पार्टी में अनुशासन तोड़ने वालों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि कुछ नेता खुद को पार्टी से ऊपर समझते हैं। रंधावा प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के समर्थन में आ गए हैं। उनका कहना है कि राजा को पार्टी हाईकमान ने प्रदेश प्रधान बनाया है। सभी कांग्रेसियों को उनका सम्मान करना चाहिए। हालांकि उन्होंने अपने बयान में किसी नेता का नाम नहीं लिया। जिनके खिलाफ वह कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि कपूरथला के विधायक राणा गुरजीत सिंह ने पिछले दिनों कहा था कि वह व्यक्तिगत रूप से राणा वड़िंग को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन पार्टी ने उन्हें प्रधान बना दिया है। इसलिए वह पार्टी के फैसल को मानते हैं। अहम बात यह हैं कि पार्टी के नए प्रभारी और छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पंजाब में चार्ज लेने से पहले ही कांग्रेस में खींचतान शुरू हो गई है। एक तरफ प्रदेश प्रभारी बनने को लेकर लॉबिंग चल रही है तो दूसरी तरफ अनुशासन तोड़ने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग उठ रही है। रंधावा मानते हैं कि वर्तमान में 8 से 9 नेता प्रधानी के लिए दावेदार हैं। बता दें कि भूपेश बघेल 28 फरवरी को चंडीगढ़ आ रहे हैं। वह 1 मार्च को पार्टी के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। प्रभारी बनने के बाद यह उनका पहला दौरा होगा। कांग्रेस में अनुशासनहीनता कोई नया मुद्दा नहीं हैं। 2021 में नवजोत सिंह सिद्धू ने तत्कालीन सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोला था। यह लड़ाई इतनी प्रबल हुई की कैप्टन को सीएम की कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। उसके बाद सिद्धू ने तत्कालीन सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ मोर्चा खोला। सिद्धू और चन्नी की लड़ाई के कारण कांग्रेस को 2022 में सत्ता गंवनी पड़ी। इसके बाद सिद्धू की जगह पार्टी ने राजा वड़िंग को प्रदेश प्रधान की जिम्मेदारी सौंपी थी। तत्कालीन प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने सिद्धू को कारण बताओ नोटिस जारी किया लेकिन बाद में उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। ऐसे में अब सबकी नजरें बघेल पर टिकी हुई हैं।

कांग्रेस में जल्द होगी संगठनात्मक सर्जरी, प्रियंका गांधी को मिलेगी जिम्मदारी !

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस कई राज्यों में चुनाव हार चुकी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का रिजल्ट जीरो रहा है। ऐसे में पार्टी के लिए लगातार हार चिंता का कारण बन रही है। यही वजह है कि कांग्रेस चुनाव प्रबंधन तंत्र मजबूत करने के लिए विचार विमर्श कर रही है। इसकी कमान प्रियंका गांधी को सौंपी जा सकती है।

कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) में भी व्यापक बदलाव किए जाने की संभावना है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'निष्क्रिय' सदस्यों को हटाने का फैसला कर लिया है। इनमें एके एंटनी, अंबिका सोनी, मुकुल वासनिक और आनंद शर्मा शामिल हैं। दरअसल, पार्टी नेतृत्व को 36 सदस्यीय सीडब्ल्यूसी में कुछ नवनियुक्त पदाधिकारियों को शामिल करना है और इस वजह से कार्यसमिति में कुछ नई जगह बनानी होंगी। जयराम रमेश, गौरव गोगोई, रणदीप सुरजेवाला और चरणजीत सिंह चन्नी की भी जगह खाली हो रही है। गौरव गोगोई को असम में कांग्रेस का चेहरा बनाए जाने की संभावना है, जहां अगले साल की शुरुआत में चुनाव है। सुरजेवाला हरियाणा और चन्नी पंजाब में कांग्रेस इकाइयों का नेतृत्व करने की इच्छा रखते हैं। पिछले हफ्ते चन्नी का नाम एआईसीसी महासचिव के रूप में प्रस्तावित हुआ था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए हाथ जोड़ लिए कि उनकी ज्यादा दिलचस्पी तो पंजाब की राजनीति में है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार पार्टी नेतृत्व रजनी पाटिल (हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की प्रभारी महासचिव), बीके हरिप्रसाद (हरियाणा), हरीश चौधरी (मध्य प्रदेश), गिरीश चोडनकर (तमिलनाडु और पुडुचेरी), अजय कुमार लल्लू (ओडिशा), के। राजू (झारखंड), मीनाक्षी नटराजन (तेलंगाना), सप्तगिरी शंकर उल्का (मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नगालैंड) और कृष्णा अल्लावरु (बिहार) को सीडब्ल्यूसी में शामिल करना चाहता है और इसलिए भी कुछ मौजूदा सदस्यों को हटाना जरूरी हो जाता है। दरअसल, कांग्रेस पार्टी के संविधान के अनुसार एआईसीसी महासचिवों को सीडब्ल्यूसी का सदस्य होना अनिवार्य है। इसी कारण इन पदाधिकारियों को पूर्णकालिक एआईसीसी महासचिव के बजाय 'प्रभारी' (इन-चार्ज) के रूप में नामित किया गया है। सीडब्ल्यूसी में शामिल होने के बाद वे पार्टी महासचिव के रूप में कार्य कर सकेंगे।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई 6 मार्च तक स्थगित

सुलतानपुर (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में सुलतानपुर की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई वादी के वकील द्वारा हाजिरी माफी की अर्जी दिये जाने के कारण आगामी छह मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि 11 फरवरी को सुनवाई की पिछली तारीख में शिकायतकर्ता से जिरह की गई थी। जिरह पूरी होने के बाद 24 फरवरी की तारीख तय की गई थी लेकिन चूंकि शिकायतकर्ता के वकील संतोष कुमार पांडे हाजिरी माफी मांगते हुए आज अदालत में पेश नहीं हुए इसलिए न्यायालय ने अगली सुनवाई की तारीख छह मार्च तय की है। यह मामला साल 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के बारे में गांधी द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस मामले में स्थानीय भाजपा नेता मिश्रा ने परिवाद दायर किया था। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज के रहने वाले मिश्रा ने 2018 में दर्ज कराये गये मामले में आरोप लगाया था कि गांधी ने वर्ष 2018 में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी जिससे उन्हें ठेस पहुंची है। पिछले पांच वर्षों में इस मामले में कई बार कार्यवाही हुई, लेकिन गांधी अदालत में पेश होने में विफल रहे। दिसंबर 2023 में वारंट के बाद गांधी अदालत में पेश हुए। फरवरी 2024 में कांग्रेस नेता ने समन का पालन किया और विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के मुचलकों पर जमानत दे दी। इसके बाद अदालत ने उन्हें अपना बयान दर्ज कराने का निर्देश दिया, जो कई बार स्थगन के बाद आखिरकार 26 जुलाई 2024 को पूरा हुआ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए दावा किया था कि यह मामला उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश का हिस्सा है।

किसानों को मनाने में कामयाब हुए शिवराज, निरस्त कर दिया दिल्ली कूच का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान अपनी लोकप्रियता और कार्यशैली के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। इस बार उन्होंने किसानों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल की है।

शनिवार को किसानों से चौहान ने बात की फिर खबर आई कि किसानों दिल्ली कूच का प्लान बदल दिया है। किसान मजदूर मोर्चा के नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि जल्द आगे की रणनीति के बारे में ऐलान किया जाएगा। संयुक्त किसान मोर्चा के साथ चर्चा के बाद ही आगे का प्लान बताया जा सकता है। बता दें कि पिछले साल 13 फरवरी से ही यह किसान आंदोलन शुरू हुआ था। एक साल से ज्यादा का वक्त बीत जाने के बाद भी किसान पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर डटे हुए हैं।

केंद्र सरकार की तरफ से बातचीत के लिए न्योता मिलने के बाद किसान मजदूर मोर्चा (केएमएस) अपनी योजना में बदलाव कर सकता है। किसान संगठन ने 25 फरवरी को दिल्ली कूच करने का ऐलान किया था। हालांकि इसी बीच केंद्र ने 19 मार्च को तीसरे चरण की बातचीत के लिए आमंत्रण भेज दिया है। किसान नेताओं के मुताबिक सरकार बातचीत को जारी रखना चाहती है। ऐसे में किसानों ने अपनी योजना बदल दी है। हालांकि उन्होंने कहा है कि प्रदर्शन जारी रहेगा।

शनिवार को कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चंडीगढ़ में किसानों से बात की थी। किसानों की मांग है कि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी दी जाए। इसके अलावा अन्य मांगों को लेकर भी कृषि मंत्री ने बात की। अब अगले चरण की बातचीत 19 मार्च को होनी है। शनिवार को किसानों के साथ बैठक के बाद कृषि मंत्री चौहान ने कहा था कि किसान नेताओं के साथ बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और अगले दौर की वार्ता 19 मार्च को चंडीगढ़ में होगी। चौहान ने बताया कि केन्द्रीय दल ने बैठक के दौरान किसानों के समक्ष किसान कल्याण कार्यक्रम को रखा, जो नरेन्द्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, गुरमीत सिंह खुड्डियां और लाल चंद कटारूचक भी मौजूद थे।जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंढेर समेत किसानों का प्रतिनिधिमंडल पहले ही बैठक स्थल पर पहुंच गया था।

दिल्ली में सीएम दफ्तर से हटाई गई डॉ आंबेडकर और भगत सिंह की तस्वीर

-पूर्व सीएम केजरीवाल और नेता विपक्ष आतिशी ने जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि विधानसभा में सीएम रेखा गुप्ता के दफ्तर से संविधान निर्माता भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर हटा दी गई है। पूर्व सीएम आतिशी ने कहा कि ये बीजेपी की दलित विरोधी राजनीति को दर्शाती है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार में अरविंद केजरीवाल के बतौर सीएम रहते हुए उनके कार्यकाल में हर सरकारी दफ्तर में डॉ आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीर लगी थी, लेकिन आज जब हम दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता से मिलने विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में पहुंचे तो देखा कि दोनों ही तस्वीकर सीएम कार्यालय से हटा दी गई हैं, आप ने इसका विधानसभा में पुरज़ोर विरोध किया।

आप ने दावा किया कि सीएम कार्यालय में अब पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और महात्मा गांधी की तस्वीर लगी है। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी फोटो हटाने को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की नई बीजेपी सरकार ने बाबा साहेब की तस्वीर हटाकर पीएम मोदी की फोटो लगा दी है ये सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि इससे बाबा साहेब आंबेडकर के करोड़ो अनुयायियों को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि मेरी बीजेपी से प्रार्थना है। आप पीएम की फोटो लगा लीजिए लेकिन बाबा साहिब की फोटो तो मत हटाइए। उनकी फोटो लगी रहने दीजिए।

तस्वीरों को लेकर दिल्ली विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। आतिशी ने नए स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को बधाई देने के साथ कहा कि तस्वीरों को हटाना अपमानजनक है। इसको लेकर आप विधायक भी हंगामा करते दिखे। इसपर स्पीकर ने कहा कि शिष्टाचार संबोधन था। राजनीतिक मंच नहीं बनाना चाहिए था। मैं कड़े शब्दों में आतिशी के व्यवहार की निंदा करता हूं।

उप्र चुनाव में क्या मुस्लिम समुदाय की हितैशी बनेगी राहुल गांधी की पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गई है। प्रदेश कार्यकारिणी से लेकर जिला-शहर व ब्लाक स्तर तक नई कमेटियों का गठन होना है। कांग्रेस ने रणनीति के तहत बसपा पर भी हमला तेज किया है। दिल्ली चुनाव में सपा ने आप (आम आदमी पार्टी) का सहयोग कर जिस तरह कांग्रेस पर दबाव बनाने का प्रयास किया, उसके पलटवार में कांग्रेस मुस्लिम समुदाय की हितैशी बनकर साइकिल की हवा निकालने की कोशिश करेगी।

राहुल गांधी ने रायबरेली में बसपा सुप्रीमो मायावती के दलित समाज के लिए गए कार्यों की प्रशंसा करते हुए लोकसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन का हिस्सा न बनने को लेकर आलोचना भी की। इससे साफ है कि कांग्रेस अपने पुराने वोटबैंक को लुभाने की जुगत में तो है पर मायावती पर सीधा हमला बोलकर खास वर्ग को नाराज भी नहीं करना चाहती। राहुल ने संगठन को हर स्तर पर सक्रिय किए जाने का संदेश भी दिया। कांग्रेस अगले विधानसभा चुनाव में छोटे दलों को साथ मिलाकर अपनी राह तय करने का प्रयास करेगी।

पार्टी सूत्रों के अनुसार इस बार प्रदेश कार्यकारिणी में 200 से अधिक पदाधिकारी होंगे। इनमें लगभग 20 उपाध्यक्ष, 40 महासचिव व 140 से अधिक सचिव होंगे। पार्टी महासचिव व सचिव को जिलों के बजाए विधानसभा वार जिम्मेदारी देने की तैयारी है। जिससे वह बूथ स्तर तक अपनी गतिविधियों को बढ़ा सके। प्रदेश, जिला व शहर कमेटियों के पुनर्गठन के लिए नामों की सूची तैयार कर ली गई है। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय महाशिवरात्रि के बाद सूची लेकर दिल्ली जाएंगे, जहां प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय से विमर्श के बाद सूची केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी जाएगी। होली तक नई कार्यकारिणी घोषित हो सकती है। पिछली प्रदेश कार्यकारिणी का गठन नवंबर 2023 में हुआ था, जिसमें 16 उपाध्यक्ष, 38 महासचिव व 76 सचिव शामिल थे।

कुशीनगर के हाटा स्थित मदनी मस्जिद में बुलडोजर चलाए जाने के बाद जिस तरह कांग्रेस अल्पसंख्यक वर्ग के समर्थन में खुलकर खड़ी हुई और सहयोगी दल सपा के नगर पंचायत अध्यक्ष की भूमिका पर सवाल खड़े किए, उससे साफ है कि पार्टी आगे इस रणनीति को और धार देगी। दोनों दलों के बीच आगे खींचतान और बढ़ेगी। कांग्रेस की दूसरी नजर वंचित समाज पर है। इस एजेंडे को पूरा करने के लिए पार्टी नई प्रदेश कार्यकारिणी दलित-मुस्लिम के साथ पिछड़ों की भागीदारी बढ़ाने की तैयारी में है। सभी वर्गों को हिस्सेदारी देने के लिए कार्यकारिणी का स्वरूप भी बड़ा होगा।